THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

सुप्रीम कोर्ट ने तानाशाही को कुचला : सिसोदिया

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने आप ऑफिस में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, सुप्रीम कोर्ट ने संविधान का इस्तेमाल करते हुए कल तानाशाही को कुचला। केजरीवाल भी जल्द बाहर आएंगे। भगवान के घर में देर है, अंधेर नहीं है। सिसोदिया को दिल्ली शराब नीति केस को लेकर 26 फरवरी 2023 को सीबीआई ने और 9 मार्च 2023 को ईडी ने गिरफ्तार किया था। 17 महीने बाद शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें दोनों मामलों में जमानत दी थी। वे शुक्रवार शाम करीब 6 बजे तिहाड़ से बाहर आए। शुक्रवार रात को सिसोदिया अपने घर पहुंचने से पहले केजरीवाल के घर पहुंचे।

वर्ष-29 अंक : 140 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **श्रावण शु.7 2081 रविवार, 11 अगस्त-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर * **पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये**

पीएम मोदी लैंडस्लाइड प्रभावित इलाकों में पहुंचे

हवाई सर्वे किया, पीड़ितों से मिले, सीएम से पूछा- कितने बच्चों ने परिवार को खोया

वायनाड, 10 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार (10 अगस्त) को केरल के वायनाड में लैंडस्लाइड प्रभावित इलाकों के दौरे पर हैं। वे सुबह 11 बजे स्पेशल विमान से कन्नूर एयरपोर्ट पहुंचे। कन्नूर से मोदी सुबह 11:15 बजे भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टर से वायनाड गए।

उन्होंने रास्ते में लैंडस्लाइड प्रभावित चूरलमाला, मुंडक्कई और पुंचिरीमट्टम गांवों का हवाई सर्वेक्षण किया। मोदी ने वो जगह देखी, जहां से 30 जुलाई की रात तबाही शुरू हुई थी। इसी जगह से इरुवाझिनजी पुझा नदी भी शुरू होती है।

मोदी का हेलीकॉप्टर वायनाड स्थित कलपेट्टा में उतरा। वे सबसे पहले जी.वी.एच.एस. स्कूल वेल्लारमाला गए। इस स्कूल में 582 छात्र थे, जिनमें से 27 लैंडस्लाइड के बाद लापता हैं। प्रधानमंत्री ने स्कूल में 15 मिनट बिताए। उन्होंने सीएम विजयन और केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी से पूछा कि कितने बच्चों ने अपने परिवार को खोया है।

कलपेट्टा से मोदी सड़क के रास्ते लैंडस्लाइड प्रभावित इलाकों में गए और रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी ली। उन्होंने राहत शिविरों और अस्पतालों में पीड़ितों से मुलाकात की। पीएम मोदी चूरलमाला में 190 फुट लंबे बेली ब्रिज पर भी गए, जिसे भारतीय सेना ने रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान बनाया था।

पीड़ितों से मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सीएम पिनाराई विजयन और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्हें हादसे और रेस्क्यू ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी गई। पीएम के साथ वायनाड गए केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी भी बैठक में शामिल थे। शाम को वे दिल्ली रवाना हो गए।

बैठक में पीएम ने कहा, ये त्रासदी सामान्य नहीं हैं। सैंकड़ों परिवार के सपने उजड़ गए। प्रकृति ने अपना रौद्र रूप दिखाया है। मैं ऐसे कई परिवारों से मिला जिन्होंने वो देखा और झेला। प्रधानमंत्री के वायनाड दौरे से एक दिन पहले शुक्रवार (9 अगस्त) को केरल सरकार ने पुनर्वास और राहत-बचाव के काम के लिए केंद्र से 2,000 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद मांगी थी।

वायनाड में 29 जुलाई की रात करीब 2 बजे और 4 बजे के बीच मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा गांवों में लैंडस्लाइड हुए थे। 400 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। 138 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। 9 दिन रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने के बाद 8 अगस्त को सेना वायनाड से वापस लौट गई है। अभी एनडीआरएफ रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है।

सुब्रमण्यम स्वामी ने राहुल को बताया विदेशी नागरिक

पीएम मोदी-अमित शाह पर लगाए ये आरोप

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)।
बीजेपीभारतीय जनता पार्टी के सीनियर नेता और पूर्व सांसद डॉ।सुब्रमण्यम स्वामी ने एक बार फिर पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सुब्रमण्यम स्वामी ने इन दोनों से राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर सवाल भी पूछा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर सुब्रमण्यम स्वामी ने लिखा, "नरेंद्र मोदी और शाह राहुल गांधी को क्यों बचा रहे हैं, जबकि वे विदेशी नागरिक हैं, जिन्होंने 2003 में ब्रिटिश नागरिकता हासिल की है और लंदन में बैक ऑप्स नाम की कंपनी शुरू की है? उनकी भारतीय नागरिकता अमान्य है। अगर मोदी उन्हें बचाना जारी रखते हैं, तो मुझे उनके खिलाफ केस दर्ज करना पड़ेगा।"

पहले भी उठा चुके हैं ये मुद्दा
सुब्रमण्यम स्वामी इससे पहले भी कई बार राहुल की नागरिकता पर सवाल उठा चुके हैं। वह राहुल को ब्रिटिश नागरिक बताते हैं। सुब्रमण्यम स्वामी ने सबसे पहले नवंबर 2015 में पीएम नरेंद्र मोदी को लेटर लिखकर यह सवाल उठाया था। स्वामी ने अपने इस लेटर में दावा किया था कि राहुल ब्रिटिश नागरिक हैं, ऐसे में उनकी भारतीय नागरिकता

और संसद की सदस्यता रद्द करनी चाहिए। स्वामी इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। वहां उन्होंने इसकी सीबीआई जांच कराने की मांग की, लेकिन अदालत ने यह अर्जी खारिज कर दी थी।

2016 में महेश गिरी ने भी लोकसभा में उठाया मुद्दा
जनवरी, 2016 में पूर्वी दिल्ली से बीजेपी सांसद महेश गिरी ने लोकसभा स्पीकर को चिट्ठी लिखकर राहुल गांधी की नागरिकता पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की थी। मामला समिति तक पहुंचा और इसकी जांच हुई। इसके बाद राहुल गांधी को जवाब देना पड़ा। समिति को दिए गए अपने जवाब में राहुल गांधी ने कहा था कि ये सिर्फ मेरी छवि खराब करने की एक कोशिश है। मैंने न कभी ब्रिटिश नागरिकता मांगी और न ही रखी है।

2017 में सुब्रमण्यम स्वामी ने राजनाथ सिंह को लिखा पत्र
डॉ। सुब्रमण्यम स्वामी ने सितंबर, 2017 में एक बार फिस इस मुद्दे को उठाया था। तब स्वामी ने न सिर्फ इसे लेकर ट्वीट किया, बल्कि उन्होंने तब के गृहमंत्री राजनाथ सिंह को भी एक चिट्ठी लिखी और कार्रवाई की मांग की थी।

करोड़ों की भगवान विष्णु की मूर्ति चुराने के आरोप में 7 गिरफ्तार

चेन्नई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु मूर्ति विंग सीआईडी पुलिस ने शनिवार को बताया कि चोल युग की भगवान विष्णु की मूर्ति चुराने के आरोप में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही आरोपियों के पास से दो करोड़ रुपये की कीमत की प्राचीन मूर्ति भी बरामद की गई है। 8 अगस्त को एक गुप्त सूचना के बाद पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में तंजावुर रेंज मूर्ति विंग सीआईडी टीम ने मेलाथिरुविज्ञापट्टी में तंजावुर-तिरुचिरापल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक वाहन की जांच शुरू की थी। इसी दौरान एक कार में ढाई फीट की धातु की पेरुमल (विष्णु) मूर्ति बरामद की गई। सीआईडी विंग की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि पूछताछ करने पर कार में सवार पांच लोगों में से एक ने बताया कि मूर्ति उसके पिता को 12 साल पहले थोझुवुर नदी में मिली थी।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 4 आतंकियों के जारी किए स्केच

पांच लाख का इनाम घोषित

कठुआ, 10 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में आतंकियों को ढेर करने के लिए पुलिस और सेना के जवान संयुक्त अभियान चला रहे हैं। रियासी आतंकी हमले के बाद से ही जम्मू संभाग में आतंकी वारदातें बढ़ गईं। इस क्रम में सुरक्षाकर्मियों और आतंकियों के बीच कई मुठभेड़ भी हुईं। इस कढ़ी में जम्मू-कश्मीर की कठुआ पुलिस ने चार आतंकवादियों के स्केच जारी किए हैं। मिली जानकारी अनुसार, कठुआ पुलिस ने चार आतंकवादियों के स्केच जारी किए हैं। इन आतंकियों को आखिरी बार मल्हार, बानी और सियोजधार के ढोक में देखा गया था। आतंकियों की जानकारी देने वाले को पांच लाख का इनाम भी दिया जाएगा। वहीं, विश्वसनीय जानकारी देने पर उचित पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

रियासी हमले में मारे गए थे 9 श्रद्धालु
9 जून को रियासी में आतंकी हमले के बाद से ही जम्मू संभाग में आतंकी वारदातों में इजाफा होने लगा। शिवखोड़ी से वैष्णो देवी जा रही एक बस को आतंकियों ने घेर लिया। जिसके बाद उन्होंने ड्राइवर को गोली मारी। चालक की मौके पर ही मौत हो गई और बस अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। आतंकी इसके बाद भी बस पर गोलियां बरसाते रहे। वारदात में नौ श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 41 से ज्यादा श्रद्धालु घायल हो गए थे। इस हमले के दो दिन बाद ही कठुआ में दो आतंकी वारादातें सामने आईं। हमले के दो दिन बाद 11 जून को जम्मू संभाग के कठुआ, डोडा और भद्रवाह में आतंकी हमले हुए। उस दौरान मुठभेड़ में जवानों ने दो आतंकियों को ढेर कर दिया था। वहीं, डोडा में आतंकियों ने पांच जवानों को घायल कर दिया था।

श्री अमरनाथ जी छड़ी मुबारक का पूजन एलजी सिन्हा ने किया

श्रीनगर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। श्रावण शुक्ल पंचमी के पावन अवसर पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्री अमरनाथ जी छड़ी मुबारक का पूजन महादेव गिर दशनामी अखाड़ा, श्रीनगर में श्री दीपेंद्र गिरि, महंत छड़ी मुबारक श्री अमरनाथ जी की उपस्थिति में किया। उपराज्यपाल ने भगवान शिव का आशीर्वाद लिया और सभी की शांति, प्रगति और कल्याण के लिए प्रार्थना की। छड़ी-पूजन श्री अमरनाथ जी तीर्थ की वार्षिक तीर्थयात्रा के समापन से पहले एक शुभ अनुष्ठान है।

सावधान! 45000किमी स्पीड से धरती से टकराएंगे 5 क्षुद्रग्रह

नासा की तबाही मचाने की चेतावनी

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। अंतरिक्ष की दुनिया से धरती की ओर खतरा बढ़ रहा है, जो धरती पर भीषण तबाही मचा सकता है। जी हां, अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा ने अलर्ट दिया है कि 5 एस्ट्रॉयड धरती की ओर बढ़ रहे हैं, जो अगले 3 दिन में धरती से टकरा सकते हैं।

इनका आकार इतना बड़ा है कि धरती से टकराते ही तबाही मचाएंगे।
इनके नाम हैं- केएच3, पीएन1, पीएस1, पीके1, ओएन2 और यह पांचों अलग-अलग स्पीड के साथ धरती की ओर अलग-अलग दिशाओं से बढ़ रहे हैं। इनमें से सबसे बड़ा आकार केएच3 एस्ट्रॉयड का है, जो करीब 600 फीट ऊंचा है। यह ऊंचाई एक बिल्डिंग जितनी है। नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (जेपीएल) के अनुसार, नासा और अन्य अंतरिक्ष एजेंसियां इन एस्ट्रॉयड पर निगरानी रखे हुए हैं। हालांकि यह संभावना भी है कि एस्ट्रॉयड धरती को क्रॉस कर जाएं, लेकिन अभी तो यह धरती की ओर फुल स्पीड से बढ़ रहे हैं।

वैज्ञानिकों ने खतरा न होते हुए भी खतरनाक बताया
रिपोर्ट के अनुसार, सबसे बड़ा एस्ट्रॉयड 2024 केएच3 है, जो एक बिल्डिंग जितना बड़ा है। इसके आज 10 अगस्त की रात को धरती के बेहद करीब से गुजरने की संभावना है। हालांकि यह पृथ्वी के 5।6 मिलियन किलोमीटर के दायरे में होगा, लेकिन नासा के वैज्ञानिकों का कहना है कि धरती इससे अभी तक सुरक्षित है, क्योंकि यह धरती से जितनी दूर है, निश्चति ही क्रॉस कर जाएगा। वहीं अगर किसी तरह का तूफान आया तो यह दिशा भटक सकता है। उस

स्थिति में यह धरती से टकरा सकता है। एक और एस्ट्रॉयड 2024 पीएस1 भी पृथ्वी के पास से गुजरेगा। यह छोटा क्षुद्रग्रह लगभग 110 फीट व्यास का है, जो धरती से सिर्फ 6.4 मिलियन किलोमीटर दूर होगा। केएच3 से ज्यादा धरती के नजदीक होने के बावजूद यह भी कोई बड़ा खतरा नहीं है। तीसरा एस्ट्रॉयड 2024 ओएन2, जो लगभग 120 फीट व्यास वाला एक हवाई जहाज के आकार का है, 12 अगस्त को पृथ्वी के सबसे निकट से गुजरेगा। यह पृथ्वी से 6.8 मिलियन किलोमीटर के भीतर से गुजरेगा, लेकिन अन्य की तरह इसे भी कोई खतरा नहीं माना जा रहा है। फिर भी वैज्ञानिक इन्हें खतरा मानकर निगरानी रखे हुए हैं।

पंजाब की कानून-व्यवस्था से नितिन गडकरी परेशान

सीएम भगवंत मान को लिखी चिट्ठी; दो घटनाओं का जिक्र किया

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पंजाब की कानून-व्यवस्था पर चिंता जताई है। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान को चेतावनी दी है कि अगर पंजाब में कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) 14288 करोड़ रुपये की 8 सड़क परियोजनाओं को रद्द कर दिया जाएगा। नितिन गडकरी ने पत्र में लिखा, मुझे हाल ही में दिल्ली-कटरा एक्सप्रेस-वे प्रोजेक्ट पर हुई दो घटनाओं के बारे में पता चला है। जालंधर जिले में एक ठेकेदार के इंजीनियर के साथ बेरहमी से मारपीट की गई, जिसका मैं फोटोग्राफ में आपको भेज रहा हूं।

हालांकि, इस घटना के संबंध में एफआईआर भी दर्ज कर ली गई हैं। अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने की जरूरत है। वहीं, लुधियाना जिले में एक अन्य घटना में दिल्ली-कटरा एक्सप्रेस-वे एक ठेकेदार के प्रोजेक्ट शिविर पर उपद्रवियों ने हमला कर दिया। इस लोगों ने इंजीनियरों और कर्मचारियों को प्रोजेक्ट शिविर में जिंदा जलाने की कोशिश की। इस मामले में लिखित शिकायत के बाद भी अभी तक मामला दर्ज नहीं किया गया है।

पंजाब की खराब कानून-व्यवस्था पर गडकरी ने उठाए सवाल
पंजाब के मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में गडकरी ने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था की खराब स्थिति के कारण एनएचएआई इन परियोजनाओं को रद्द करने के लिए बाध्य होगी। 3 हजार करोड़ रुपये की 3 परियोजनाएं पहले ही रद्द की जा चुकी हैं तथा 4 हजार करोड़ रुपये की 4 अन्य परियोजनाएं रद्द करने के लिए विचाराधीन हैं। पत्र में केंद्रीय मंत्री ने भूमि अधिग्रहण में चल रही चुनौतियों का हवाला देते हुए एनएचआई अधिकारियों, ठेकेदारों और उनकी टीमों के लिए गंभीर सुरक्षा चिंताएं जताई है।

बेटे की चाहत में दो शादियां और दो लिव इन रिलेशन बनाए, महिला ने बताई करतूत तो आयोग भी हैरान

देहरादून, 10 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड के एक शख्स ने विदेश में होटल खोलकर दौलत तो बेशुमार कमाई, लेकिन उसे वारिस के तौर पर बेटा पैदा करने की ऐसी सनक सवार हुई कि दो शादियां और दो लिव इन रिलेशन बनाने के बाद भी बेटा किसी से नहीं हुआ। एक लिव इन पार्टनर ने जब उसकी चौथी बेटी को जन्म दिया तो उस शख्स ने उससे भी दूरी बना ली। आरोप है कि अब वीडियो कॉल करके कभी छत से कूदने की धमकी देता है तो कभी हाथ की नस काटकर आत्महत्या करने के लिए डराता है। इन हालात में लिव इन पार्टनर ने राज्य महिला आयोग में गुहार लगाई है। उनका कहना है कि उन्हें उसके सिरफिरे पार्टनर की प्रताड़ना से छुटकारा दिलाया जाए। उन्हें गुजारा भत्ता और संपत्ति में अधिकार दिलाया जाए।

महिला के सीजेरियन की खींची थी फोटो, हाई कोर्ट का डॉक्टर और स्टाफ को राहत देने से इनकार

कोच्चि, 10 अगस्त (एजेंसियां)। केरल हाई कोर्ट ने डॉक्टर और स्टाफ को राहत देने से इनकार कर दिया। इनके ऊपर महिला की डिलीवरी के सीजेरियन ऑपरेशन के दौरान फोटो खींचने और वीडियो बनाने का आरोप है। इन लोगों ने फोटो और वीडियो बनाने के बाद इसे वॉट्सऐप पर शेयर भी किया था। जस्टिस ए बदरुद्दीन ने मामले में सभी रिकॉर्ड और गवाहों के बयान पर गौर फरमाने के बाद यह फैसला सुनाया। उन्होंने कहा कि प्रथमदृष्टया जो सबूत मिले हैं, वह आरोपियों के खिलाफ हैं। ऐसे में इस मामले में राहत नहीं दी जा सकती है।

मामले में डॉक्टर और हॉस्पिटल कर्मचारी ने याचिका दायर करके राहत देने की मांग उठाई थी। कोर्ट ने कहा कि सबूतों से पता चलता है कि प्रथम आरोपी ने 18 जुलाई 2014 को 11 बजकर 13 मिनट से 11 बजकर 16 मिनट के बीच सीजेरियन ऑपरेशन का वीडियो बनाया था। इसके अलावा दूसरे आरोपी ने भी सीजेरियन प्रॉसेस की 19 तस्वीरें ली थीं। इसके बाद उसने इन तस्वीरों को वॉट्सऐप किया था। जांच के दौरान वॉट्सऐप पर भेजे गए फोटो और वीडियो को भी बतौर सबूत जुटाए गए थे।

याचिका पर कोर्ट ने कहा कि सबकुछ देखने के बाद यही कहा जा सकता है कि मामला खत्म करने के बजाए इसका ट्रायल होना चाहिए। डॉक्टर और हॉस्पिटल स्टाफ ने अपनी याचिका में अपने खिलाफ शुरू की गई इस जांच को खत्म करने की मांग की थी। दोनों याचिकाकर्ता सरकारी पाव्यानूर के सरकारी तालुका अस्पताल में काम करते हैं।

उद्धव ठाकरे को सीएम फेस घोषित करने पर अड़ी शिवसेना, एमवीए में घमासान

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। उद्धव ठाकरे, शरद पवार की अगुवाई वाला एमवीए गठबंधन सीट बंटवारे का फॉर्मूला तय करने में जुटा है। इसके लिए बीते दिनों उद्धव ठाकरे कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मिले। इस बीच खबर है कि गठबंधन में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर विवाद शुरू हो गया है। एमवीए गठबंधन में कांग्रेस, शरद पवार की एनसीपी और उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना शामिल हैं। सूत्रों की मानें तो कुछ दिनों पहले दिल्ली आए उद्धव ठाकरे ने सोनिया गांधी से मिलकर कहा कि एमवीए की ओर से सीएम फेस वहीं होंगे। हालांकि जैसे ही खबर मीडिया में आई कांग्रेस ने बयान जारी कर कहा कि विधानसभा चुनाव में एमवीए ही चेहरा होगा। चुनाव के बाद इस पर निर्णय लिया जाएगा कि सीएम कौन बनेगा? कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि चुनाव के समय महाविकास अघाड़ी का कोई चेहरा नहीं होगा। विधानसभा चुनाव के बाद सीटों के आधार पर सीएम का फैसला होगा। वहीं संजय राउत ने डिमांड कि है कि उद्धव ठाकरे को ही सीएम फेस घोषित किया जाए। ऐसे में अब एमवीए में घमासान तेज हो गया है।

उद्धव को सीएम फेस घोषित करने पर अड़े संजय राउत
एमवीए की दूसरी सहयोगी शरद पवार की पार्टी एनसीपी ने साफ कर दिया है कि चुनाव में एमवीए के चेहरे पर ही लड़ा जाएगा। ऐसे में जब उद्धव गुट के संजय राउत इस बात पर डटे हैं कि उद्धव ही सीएम फेस होंगे लेकिन दोनों सहयोगी इस बात से सहमत नहीं है। ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि विधानसभा चुनाव से पहले एमवीए में दरार पड़ चुकी है।

एमवीए के चेहरे पर ही लड़ेंगे चुनाव
महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि उद्धव ठाकरे सीएम फेस तय करने के लिए दिल्ली नहीं गए थे। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में एमवीए ही चेहरा होगा। मामले में पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि हम चुनाव में बिना सीएम फेस के उतरेंगे और घोषणापत्र के दम पर चुनाव लड़ेंगे। ऐसे में अब संजय राउत ने इसे लेकर मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले उद्धव ठाकरे को सीएम फेस घोषित करना चाहिए।

राहुल गांधी के नेता प्रतिपक्ष बनने से आया बदलाव
संजय राउत ने कहा कि राहुल गांधी को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाने के बाद से ही देश में आत्मविश्वास जगा है। अगर राहुल गांधी लोकसभा चुनाव में विपक्ष का चेहरा होते तो हम लोग आसानी से बीजेपी को हरा सकते थे। ऐसे में विपक्ष और सत्ताधारी पार्टी दोनों को हमेशा से ही चेहरे की जरूरत होती है।

अजगर ने बकरी का बच्चा निगला, वन विभाग की टीम ने किया रेस्क्यू, जांच के बाद जंगल में छोड़ा जाएगा

उज्जैन, 10 अगस्त (एजेंसियां)। उज्जैन जिले के बड़नगर के पास सुनेडा गांव से वन विभाग ने अजगर को पकड़ा है। गांव के जंगल में अजगर ने बकरी का बच्चा निगल लिया था। इसे चरवाहे ने देखा तो ग्रामीण क्षेत्र में हडकंप मच गया। जिला मुख्यालय को सूचना देने के बाद देर शाम उज्जैन से एक दल गांव पहुंचा और रात में ही अजगर को पकड़ लिया गया। जानकारी के अनुसार शुक्रवार शाम को वन विभाग के जिला मुख्यालय को बड़नगर तहसील के सुनेडा गांव में अजगर होने की जानकारी मिली थी। सूचना पर वन्य जीव रेस्क्यू दल संबंधित स्थल के लिए रवाना किया गया। रात में दल ने गांव के जंगल में जाकर अजगर को देखा उसके बाद उसे पकड़ने के प्रयास शुरू किए। प्रभारी रेंजर वन्य जीव मदन मोरे ने बताया कि अजगर को ग्रामीणों की निशानदेही पर तलाश किया

मनु भाकर होंगी 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' की ब्रांड एंबेसडर

हरियाणा के मंत्री असीम गोयल का एलान

अंबाला, 10 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के परिवहन, महिला एवं बाल विकास मंत्री असीम गोयल नन्यौला ने कहा कि ओलंपिक में धाक जमाने वाली खिलाड़ी मनु भाकर को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का ब्रांड एंबेसडर बनानया जाएगा। मनु भाकर ने ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर देश व प्रदेश का नाम रोशन किया है। परिवहन मंत्री अंबाला छावनी जिया वाटिका में आयोजित एक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। यह बात उन्होंने यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही।

'हमें खिलाड़ियों पर गर्व है'
परिवहन मंत्री असीम गोयल ने कहा कि खिलाड़ी मनु भाकर व सरबजोत सिंह की ओलंपिक की

इस उपलब्धि से हर भारतवासी को गर्व है। उन्होंने यह भी कहा कि आज यह दोनों खिलाड़ी हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह से मिले थे और मुख्यमंत्री ने दोनों खिलाड़ियों को सम्मानित किया था। उन्होंने कहा कि मनु को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का ब्रांड एंबेसडर बनाने की मैं घोषणा करता हूं।

खिलाड़ियों को जीवन में आगे बढ़ने की मिलेगी प्रेरणा'
यह उन मां-बाप के लिए गर्व की बात है जिनके पास बेटियां हैं। हरियाणा की बेटी मनु भाकर ने विदेशी धरती पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए देश व प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि इससे निस्संदेह अन्य खिलाड़ियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा मिलेगी। मंत्री असीम गोयल ने विनेश फोगाट के प्रदर्शन की बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रदेश सरकार निरंतर खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है और आज हरियाणा में खिलाड़ियों को बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध करवाने का काम किया जा रहा है।

ग्वालियर एएसपी गजेंद्र वर्धमान की गाड़ी का एक्सीडेंट, ड्राइवर की मौत

ग्वालियर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। एएसपी गजेंद्र वर्धमान शनिवार के दिन हादसे का शिकार हो गए। उनकी गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया और ड्राइवर की मौत हो गई। गाड़ी में सवार एएसपी सहित उनके परिवार के कई लोग घायल हुए हैं। घाटीगांव के पास ट्रक ने एएसपी की गाड़ी को टक्कर मार दी। इस टक्कर के बाद ड्राइवर अजय बसकले की मौके पर ही मौत हो गई। एएसपी और परिवार के लोग भी घायल हुए हैं, जिन्हें एएसपी का परिवार इंदौर से ग्वालियर लौट रहा था।

इसी दौरान उनकी गाड़ी हादसे का शिकार हो गई। एएसपी गजेंद्र वर्धमान ग्वालियर में पदस्थ हैं। हादसा आगरा मुंबई हाइवे पर घाटीगांव थाना क्षेत्र में देर रात हुआ। इंदौर से ग्वालियर जाते समय एएसपी की कार पंचर हो गई थी। पंचर बनवाने के लिए वह सड़क किनारे रुके थे। ग्वालियर से 30 किलोमीटर दूर घाटीगांव में वह पंचर बनवा रहे थे। इसी समय एक ट्रक ने पीछे से उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। गनीमत रही कि एएसपी का परिवार इस हादसे में बच गया। हालांकि, ड्राइवर की मौत हो गई।

इस हादसे में एएसपी गजेंद्र वर्धमान को हल्की चोट आई है, जबकि उनकी पत्नी और बच्चा घायल हैं। सभी घायलों की हालत खतरे से बाहर है और अब घर में ही उनका इलाज होगा। हालांकि, आरक्षक अजय यह गाड़ी चला रहे थे और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। अजय ग्वालियर में ही तैनात थे। एएसपी गजेंद्र अपने परिवार के साथ छुट्टी मनाने घर गए थे और वापस लौटते समय उनके साथ यह हादसा हुआ।

सांसद हिमाद्री सिंह ने की प्रधानमंत्री से मुलाकात आदिवासी क्षेत्र में विकास की बढ़ेगी रफ्तार

शहडोल, 10 अगस्त (एजेंसियां)। आदिवासी क्षेत्रों का विकास हमारी कार्य योजना में प्रमुखता से शामिल है, और आपके क्षेत्र का भी समग्र विकास होगा। यह बातें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह से मुलाकात के दौरान कहीं। दरअसल, सांसद सिंह अपने संसदीय क्षेत्र के विकास के संबंध में चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री से मिलने गई थीं। मुलाकात के दौरान हिमाद्री सिंह ने प्रधानमंत्री के समक्ष अपने क्षेत्र के विकास की योजना प्रस्तुत की। उन्होंने प्रधानमंत्री को याद दिलाया कि वे अपने अल्प प्रवास के दौरान शहडोल जिले के छोटे से गाँव विचारपुर, जिसे 'मिनी ब्राजील' कहा जाता है, के खिलाड़ियों से मिले थे। सांसद ने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि आदिवासी क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन उन्हें उचित मंच नहीं मिल पाता है। इसलिए, उन्होंने अपने क्षेत्र में एक वृहद खेल अकादमी की स्थापना की मांग की। सांसद सिंह ने प्रधानमंत्री के समक्ष घरेलू उड़ानों के लिए एक हवाई अड्डे के निर्माण का मुद्दा भी उठाया। इसके अलावा, उन्होंने शहडोल-नागपुर ट्रेन को अनूपपुर से चलाए जाने की मांग पर भी चर्चा की, जिस पर उन्हें बताया गया कि तीसरी लाइन और लिंक वर्क पूरा होने के बाद इस मांग को पूरा किया जाएगा।

हिमाद्री सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र में सैनिक स्कूल और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स खोलने, और कोयला खदानों के उत्खनन के बाद खाली जमीनों के उपयोग की भी मांग प्रधानमंत्री के सामने रखी। विकास संबंधित चर्चाओं के बाद, सांसद ने प्रधानमंत्री मोदी को माँ नर्मदा उदगम स्थल अमरकंटक का एक तैल चित्र और क्षेत्र की गौरव, पद्मश्री जोधया बाई द्वारा बनाई गई बैगा जनजाति की एक चित्रकारी भेंट की।

सांसद ने प्रधानमंत्री को अमरकंटक आने का निमंत्रण भी दिया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री से हुई बातचीत में उन्हें बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है, जिससे आने वाले समय में आदिवासी क्षेत्र के विकास की गति और तेज होने की उम्मीद है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 140 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **श्रावण शु.7 2081 रविवार, 11 अगस्त-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर * **पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये**

अनंतनाग में आतंकियों से मुठभेड़

2 जवान शहीद, 3 घायल:फायरिंग में 2 नागरिक भी घायल,

अनंतनाग, 10 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में शनिवार (10 अगस्त) को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में 2 जवान शहीद हो गए। 3 जवान जख्मी हैं। इसके अलावा फायरिंग में 2 नागरिक भी घायल हो गए हैं। एनकाउंटर दोपहर 2 बजे से जारी है। आतंकी डोडा से अनंतनाग के इलाके में घुसे थे। ऑपरेशन जिले के कोकेरनाग टाउन में चल रहा है। पुलिस अधिकारियों को आतंकवादियों के छिपे होने का इनपुट मिला था। इसके बाद पुलिस और सिक्योरिटी फोर्सेज की ज्वाइंट टीम सर्च ऑपरेशन में लग गई। इसी दौरान आतंकियों ने हमला कर दिया।

रोड रोलर से कुचले गए 80 मोटरसाइकिलों के साइलेंसर

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा के पुलिस अधीक्षक शरत चंद्र पवार ने शनिवार को बाइक सवारों को चेतावनी दी कि वे अपने वाहन के मफलर हटाकर या उसमें बदलाव करके सार्वजनिक सड़कों पर न दौड़ें, क्योंकि इससे शहर में ध्वनि प्रदूषण बढ़ रहा है। शोर नियमों को लागू करने और इस खतरे के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से एक विशेष अभियान के तहत, पुलिस ने 80 से अधिक वाहनों के साइलेंसर जब्त किए, जो चलते समय कष्टप्रद ध्वनि तरंगें पैदा कर रहे थे और इस तरह ध्वनि प्रदूषण बढ़ा रहे थे। घंटाघर केंद्र पर लोगों और वाहनों के मालिकों के सामने एक रोड रोलर चलाकर सभी साइलेंसर को कुचल दिया गया।

तीन करोड़ नए घर बनेंगे

मोदी कैबिनेट से 8 रेलवे प्रोजेक्ट भी मंजूर, एससी/एसटी रिजर्वेशन में क्रीमी लेयर लागू नहीं होगा

6 आकांक्षी जिलों (पूर्वी सिंहभूम, भदाद्री कोत्तागुडेम, मल्कानगिरी, कालाहांडी, नबरंगपुर, रायगढ़ा), 510 गांवों और लगभग 40 लाख आबादी को कनेक्टिविटी मिलेगी।

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय कैबिनेट ने प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 योजना को मंजूरी दे दी है। योजना के तहत 3,60,000 करोड़ रुपये की लागत से तीन करोड़ घर बनेंगे।

वहीं कनेक्टिविटी में सुधार करने के लिए आठ रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी मिली है। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट में लिए फैसलों की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने कहा, एस/एसटी के लिए आरक्षण संविधान के अनुसार ही होना चाहिए। संविधान में अनुसूचित जाति (एससी) और जनजाति (एसटी) के लिए क्रीमी लेयर का प्रावधान नहीं है।

आठ रेलवे प्रोजेक्ट्स को मंजूरी, 64 नए स्टेशन बनेंगे

8 रेलवे प्रोजेक्ट्स पर करीब 24,657 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। 2030-2031 तक इसके पूरे होने की उम्मीद है। नए प्रोजेक्ट 7 राज्यों में 14 जिलों को कवर करेंगे। इसमें ओडिशा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, झारखंड, बिहार, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। इन परियोजनाओं के साथ 64 नए स्टेशनों का निर्माण होगा। इससे 6 आकांक्षी जिलों (पूर्वी सिंहभूम, भदाद्री कोत्तागुडेम, मल्कानगिरी, कालाहांडी, नबरंगपुर, रायगढ़ा), 510 गांवों और लगभग 40 लाख आबादी को कनेक्टिविटी मिलेगी। यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट अजंता केव्स भारतीय रेलवे नेटवर्क से जुड़ जाएगी। इससे बड़ी संख्या में पर्यटकों को सुविधा मिलेगी। इसके अलावा, नए प्रोजेक्ट से लॉजिस्टिक कॉस्ट कम होगी और ऑयल इंपोर्ट (32.20 करोड़ लीटर) भी कम होगा।

तीन करोड़ नए घरों को मंजूरी, 3,60,000 करोड़ खर्च होंगे

कैबिनेट ने घर की जरूरत पूरी करने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 योजना को मंजूरी दे दी है। इसके तहत 3.60 लाख करोड़ रुपये की लागत से तीन करोड़ नए घर शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में बनाए जाएंगे। कैबिनेट ने पीएम-आवास शहरी 2.0 के तहत 3,60,000 करोड़ रुपये के 3 करोड़ नए घरों को मंजूरी दी है। 2 करोड़ घर ग्रामीण क्षेत्रों में और 1 करोड़ घर शहरी क्षेत्रों में होंगे। 5 वर्षों में 1 लाख शहरी गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को वित्तीय सहायता दी जाएगी।

योजना के अनुसार ईडब्ल्यूएस/एलआईजी/मिडिल इनकम ग्रुप (एमआईजी) सेगमेंट से संबंधित परिवार जिनके पास देश में कहीं भी कोई पक्का घर नहीं है, वे पीएमएवाई-यू 2.0 के तहत घर खरीदने या निर्माण करने के पात्र हैं। ईडब्ल्यूएस 3 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले परिवार हैं। एलआईजी वे परिवार हैं जिनकी वार्षिक आय 3 लाख रुपये से 6 लाख रुपये तक है। एमआईजी परिवार 6 लाख रुपये से 9 लाख रुपये तक की आय वाले परिवार हैं।

हॉर्टिकल्चर प्लांट पर रोगाणु हमलों से निपटने के लिए एक नए क्लीन प्लांट प्रोग्राम को मंजूरी दी गई है, जो किसानों की आय के लिए महत्वपूर्ण हैं। इससे प्रोडक्टिविटी और क्वालिटी में बहुत ज्यादा फर्क आएगा। इस पर 1766 करोड़ रुपये खर्च होंगे। नौ संस्थान हॉर्टिकल्चर प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए इस प्रोग्राम को लागू करेंगे। बीते 10 सालों में प्रोडक्ट का एक्सपोर्ट 50 हजार करोड़ हो गया है।

इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम का विस्तार किया है। 10 साल पहले 1.5 प्रतिशत इथेनॉल की ब्लेंडिंग होती थी, अब ये 16 प्रतिशत हो गई है। प्रोग्राम के लॉन्ग टर्म ऑब्जेक्टिव को सपोर्ट करते हुए पीएम जीवन योजना अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाई गई है।

नशा छोड़ने को कहने पर पिता की कुल्हाड़ी से हत्या

नागर कर्नूल, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के तेलकापल्ली मंडल के अंतर्गत गट्टुनेलीकुडुरु गांव में एक व्यक्ति ने अपने पिता की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी, क्योंकि उसने उसे शराब और अन्य व्यसनों को छोड़ने के लिए कहा था। यह घटना शनिवार तड़के उस समय घटी जब 50 वर्षीय सुल्तान घर में सो रहे थे।

उसका बेटा मल्लेश शराब के नशे में घर पहुंचा और किसान सुल्तान पर कुल्हाड़ी से हमला कर उसकी हत्या कर दी। रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मल्लेश को हिरासत में ले लिया।

शव को पोस्टमार्टम के लिए जिले के सरकारी सामान्य अस्पताल ले जाया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुल्तान द्वारा मल्लेश को शराब और अन्य व्यसनों को छोड़ने के लिए कहने के बावजूद भी वह नहीं माना। रिपोर्ट के अनुसार, अपने पिता द्वारा बार-बार सुधार करने के लिए कहे जाने से नाराज होकर मल्लेश ने सुल्तान की हत्या कर दी।

सीएम रेवंत के एमओयू के खिलाफ राहुल गांधी से शिकायत

एनआरआई कांग्रेस ने की है शिकायत

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा संदिग्ध कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की होड़ को अब पार्टी के भीतर से ही विरोध का सामना करना पड़ रहा है, जहां अमेरिका में अनिवासी भारतीय कांग्रेसियों ने राहुल गांधी को सार्वजनिक रूप से पत्र लिखकर कहा है कि वे रेवंत रेड्डी द्वारा अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित सभी समझौता ज्ञापनों की जांच करें तथा यह सुनिश्चित करें कि इसमें कोई पारिवारिक संलिप्तता या अनियमितता नहीं है।

यह तब हुआ जब बीआरएस ने सीएम के भाई ए जगदीश्वर रेड्डी की कंपनी स्वच्छ बायो के साथ 1,000 करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर के पीछे संभावित घोटाले का पर्दाफाश किया। शनिवार को फ्रेंड्स ऑफ कांग्रेस यूएसए द्वारा संचालित एक फेसबुक पेज ने राहुल गांधी को एक खुला पत्र पोस्ट किया, जिसमें उनसे तेलंगाना के मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की गई। उन्होंने कहा कि हस्ताक्षरित सहमति पत्रों (एमओयू) पर 'बड़े पैमाने पर आरोप' लगे हैं और एक महत्वपूर्ण सौदा मुख्यमंत्री के भाई की कंपनी के साथ हुआ है, जिसका गठन पिछले महीने हुआ है और जिसकी वेबसाइट भी नहीं है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि आईटी सचिव जयेश रंजन को बर्खास्त करने के लिए कई अपील की गई थी, जो पिछली बीआरएस सरकार का हिस्सा थे। नए सचिवालय को लेकर उनके खिलाफ कई आरोप कुछ समय पहले ही सामने आए थे, लेकिन तेलंगाना सरकार ने उन पर कोई ध्यान नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि समझौता ज्ञापनों पर आमतौर पर सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री द्वारा हस्ताक्षर किए जाते हैं और मुख्यमंत्री शायद ही कभी इसमें शामिल होते हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने यह भी कहा कि कांग्रेस समूहों में पूर्व टीडीपी के लोग और भाजपा के गुप्तचर भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी करदाताओं के पैसे पर अपने पूर्ववर्ती टीडीपी और अब भाजपा से जुड़े करीबी एनआरआई लोगों के साथ अमेरिका का दौरा कर रहे हैं, जो कांग्रेस समूहों में छिपे हुए हैं, जो चिंताजनक है।

जीएचएमसी ने झील में अवैध निर्माणों को किया ध्वस्त

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने शनिवार को शास्त्रीपुरम बहादुरपुरा में रुक्न-उद-दौला पर अतिक्रमण करके अवैध रूप से बनाए गए घरों को ध्वस्त कर दिया। साइबराबाद पुलिस अधिकारियों के सहयोग से जीएचएमसी की टीमें सुबह-सुबह बहादुरपुरा के शास्त्रीपुरम किंग्स कॉलोनी पहुंचीं। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की और भारी मिट्टी हटाने वाले उपकरणों की सहायता से जीएचएमसी की टीमों ने रुक्न-उद-दौला झील के पूर्ण टैंक स्तर में बनाए गए कुछ ढांचों को ध्वस्त कर दिया।

पुलिस ने किसी भी बाहरी व्यक्ति को कॉलोनी में प्रवेश की अनुमति नहीं दी तथा स्थानीय लोगों को उस स्थान के पास जाने से रोक दिया गया जहां पर तोड़फोड़ की जा रही थी। सदियों पुरानी रुक्न-उद-दौला झील के पूर्ण टैंक स्तर (एफटीएल) में अनधिकृत घरों का निर्माण किया गया था। कई कार्यकर्ता झील को अतिक्रमणकारियों और भूमि हड़पने वालों से बचाने की कोशिश कर रहे हैं। बहादुरपुरा के विधायक मोहम्मद मुबीन को पुलिस ने तब हिरासत में लिया जब उन्होंने तोड़फोड़ को रोकने की कोशिश की।

एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी करने वाले 2 यात्रियों सहित 6 गिरफ्तार

लखनऊ, 10 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीसीएसआई) हवाई अड्डे के माध्यम से संचालित एक तस्करी गिरोह में शामिल 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में 2 यात्री, 2 ग्राउंड स्टाफ सदस्य और तस्करी गिरोह के पीछे का मास्टरमाइंड और उसका साथी शामिल हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, ऑपरेशन के दौरान, अधिकारियों ने 213,000 अमेरिकी डॉलर मूल्य का 3 किलोग्राम तस्करी का सोना जब्त किया। 6,440 थाई बाट और 1,00,000 रुपये, कुल अनुमानित मूल्य 3.96 करोड़ रुपये है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि सिंडिकेट के सभी 6 सदस्यों को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है।

सुपरनोवा बिल्डिंग में रेव पार्टी, नशे में धुत मिले लड़के-लड़कियां

नोएडा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक बार फिर हाई प्रोफाइल रेव पार्टी की मामला सामने आया है। नोएडा के सेक्टर 94 स्थित हाईराइज सुपरनोवा बिल्डिंग में ये रेव पार्टी चल रही थी, जहां पुलिस ने छापेमारी कर दर्जनों को लड़के-लड़कियों को ड्रग और शराब पार्टी करते हुए पकड़ा है। ये छात्र अलग-अलग नामी कॉलेज और यूनिर्सिटी के बताए जा रहे हैं। सोसाइटी के लोगों की शिकायत के बाद ये कार्रवाई की गई है। खबर के मुताबिक नोएडा सेक्टर 94 की सुपरनोवा बिल्डिंग में ये पार्टी 19वें फ़्लोर पर एक फ्लैट में चल रही थी। पार्टी के दौरान किसी शराब के नशे में ऊपर से शराब की बोतल नीचे फेंक दी थी, जिसके बाद सोसाइटी के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने जब मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की तो पुलिस भी हैरान रह गई। सोसाइटी के लोगों की शिकायत पर पुलिस ने बिल्डिंग के एक-एक फ्लैट की तलाशी की। इसके बाद पुलिस जब 19वें फ्लोर पर पहुंची तो वहां एक फ्लैट में दर्जनों नौजवान लड़के-लड़किया रेव पार्टी करते मिले। ये सभी अलग-अलग नामी संस्थानों के छात्र बताए जा रहे हैं।

बिहार के बेगूसराय में परिवार के 4 लोगों को धारदार हथियार से काटा

बेगूसराय, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के बेगूसराय जिले में एक ही परिवार के चार लोगों को अज्ञात बदमाशों ने धारदार हथियार से काट डाला। जिसमें से तीन लोगों की मौत हो गई जबकि एक की हालत नाजुक है। मामला बछवारा थाना क्षेत्र के रसीदपुर पंचायत के वार्ड संख्या 12 का है। जानकारी के अनुसार, अज्ञात लोगों ने शनिवार की सुबह पति-पत्नी, पुत्र व पुत्री पर जानलेवा हमला किया और धारदार हथियार से उनके शरीर पर कई वार किए। बताया जा रहा है कि परिवार को किसी धारदार हथियार से काटा गया है। इस घटना में पति, पत्नी और बेटी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप घायल 7 वर्षीय बेटे की हालत चिंताजनक है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां पर तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने मृतकों की पहचान नागो महतो, उनकी पत्नी संजीता देवी और पुत्री सपना कुमारी के रुप में की गई है। इस घटना में घायल हुए गंभीर रूप 7 वर्षीय बेटे अंकुश कुमार की स्थिति चिंताजनक है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। अभी तक हत्यारों का सुराग नहीं लग पाया है।

पेड़ों की अंधाधुंध कटाई पर एचसी ने लगाई रोक

कहा- 'पर्यावरण की रक्षा करना राज्य का दायित्व'

प्रयागराज, 10 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अगले साल प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ की तैयारियों के लिए की जा रही पेड़ों की अंधाधुंध कटाई पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष को इस मामले को लेकर होने वाली अगली सुनवाई में वीडियो कान्फ्रेंसिंग या व्यक्तिगत रूप से शामिल होने का निर्देश दिया और कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना राज्य दायित्व हैं। इस मामले में आनंद मालवीय व अन्य की ओर से महाकुंभ की तैयारी में सड़क चौड़ीकरण की जद में आ रहे सड़क किनारे के पेड़ों को काटने के खिलाफ याचिका दाखिल की गई थी। शुक्रवार को जस्टिस एम के गुप्ता और जस्टिस मनीष कुमार निगम की डिवीजन बेंच में इस पर सुनवाई हुई। जिसके बाद कोर्ट ने पेड़ों की कटाई पर रोक लगा दी है। इस मामले पर अगली सुनवाई 20 अगस्त को होगी।

कोर्ट ने पेड़ों की कटाई पर लगाई रोक

इससे पहले पीडीए (प्रयागराज डेवलपमेंट अथॉरिटी) उपाध्यक्ष ने कोर्ट को आश्वासन

दिया था इसके लिए जितने पेड़ काटे जायेंगे उसके दस गुना अधिक पेड़ लगायें जायेंगे। इस पर कोर्ट ने कहा था महात्मा गांधी मार्ग व सरदार पटेल मार्ग सहित विभिन्न मार्गों पर बरसात में छायादार वृक्ष लगाए जायें। कोर्ट ने यह भी कहा था संविधान के अनुच्छेद 47के तहत पर्यावरण की रक्षा करना राज्य का संवैधानिक दायित्व है। कोर्ट ने कहा, सरकार प्रदूषण मुक्त वातावरण रख लोक स्वास्थ्य में बढ़ोतरी करे। किसी को मानव प्रजाति को प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। यह अनुच्छेद 21 के जीवन के अधिकार का हिस्सा है। याची का कहना है कि सड़क किनारे खड़े पेड़ रिहायशी लोगों की लाइफ लाइन है। स्मार्ट सिटी परियोजना में सरकार पेड़ों की कटाई कर रही है लेकिन, नये पेड़ नहीं लगाये जा रहे हैं।

बिना अनुमति काटे जा रहे पेड़

बिना किसी पर्यावरण अध्ययन के बदले में पेड़ लगाने की योजना बगैर पेड़ों को काटने की अनुमति दी जा रही है। सी वाई चिंतामणि रोड व गोविन्द पुर में भारी संख्या में पेड़ काटे जा रहे हैं। कोर्ट के आदेश पर एडीएम प्रशासन की अध्यक्षता में गठित कमेटी मनमानी कर रही है। इसकी संस्तुति पर डीएम प्रयागराज ने 1341 पेड काटे जाने की अनुमति दी है। जिसमें से सी वाई चिंतामणि रोड पर 148 पेड़ इसकी जद में आ रहे हैं। पीडीए ने कहा था कि शांतिपुरम कुंभ मेला रोड से बेला कछार क्षेत्र में 700 पेड़ लगेंगे। मुख्य स्थाई अधिवक्ता कुणाल रवि ने कहा था कि सी वाई चिंतामणि रोड पर 148 के बजाय अब केवल 78 पेड ही काटे जायेंगे। जुलाई अगस्त में नीम, कचनार, गुलमोहर, अर्जुन, अमलतास आदि पेड़ लगाने की योजना है। याचिका पर वरिष्ठ अधिवक्ता अमरेन्द्र नाथ सिंह ने कहा 30 मई के आदेश से कोर्ट ने उपाध्यक्ष को निर्देश जारी किए थे। जिनका अब तक पालन नहीं किया गया है।

अध्यापकों के ट्रांसफर पर लगी रोक हाईकोर्ट ने हटाई

हाईकोर्ट ने शिक्षकों के समायोजन और तबादले की कार्यवाही प्रक्रिया पूरी करने की छूट दी

प्रयागराज, 10 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा लखनऊ व सचिव बेसिक शिक्षा परिषद प्रयागराज के हलफनामे में दी गई स्कीम के तहत परिषदीय स्कूलों में छात्र अध्यापक अनुपात में मानक में सरप्लस अध्यापकों के समायोजन व तबादले की कार्यवाही प्रक्रिया पूरी करने की छूट दी है। साथ ही स्थानांतरण पर लगी रोक समाप्त कर दी। यह आदेश न्यायमूर्ति एसडी सिंह तथा न्यायमूर्ति डोनादी रमेश की खंडपीठ ने नीरजा व 50 अन्य की याचिका पर दिया। याचिका की अगली सुनवाई 14 अगस्त को होगी।

कोर्ट के आदेश पर प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा व सचिव बेसिक शिक्षा बोर्ड ने व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर कोर्ट में समय बद्ध कार्य योजना पेश की। कहा 30 जून 24 तक पंजीकृत छात्र संख्या का डाटा स्टेट प्रोजेक्ट आफिस उ प्र के पोर्टल पर अपडेट किया गया है। एनआईसी की मदद से स्क्रूटनी पूरी हो चुकी है। 26 जून 24 के शासनादेश व कोर्ट के आदेश के अनुक्रम में अधिक व कम अध्यापक वाले विद्यालयों को चिन्हित गया है। तदनुसार समायोजन की कार्यवाही की जाएगी। अधिक शिक्षक या शिक्षिका की गणना 13 व 14 अगस्त को कर ली जायेगी और 16 व 17 अगस्त को सूची जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के लागिन में प्रदर्शित होगी। जिसमें अंतिम डाटा उपलब्ध होगा।

चुनाव से पहले सीएम नीतीश का बड़ा दांव

38 जिलों में किया समिति का गठन सम्राट को मिली अहम जिम्मेदारी

पटना, 10 अगस्त (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभी 38 जिलों में जिला स्तरीय कार्यक्रम कार्यान्वयन (20 सूत्री) समिति का गठन कर दिया है। सभी जिलों में प्रभारी मंत्री अध्यक्ष बनाये गये हैं। वहीं एनडीए सरकार में शामिल भाजपा और जदयू समेत अन्य सहयोगी दलों के 2 जिलाध्यक्षो को 2 उपाध्यक्ष बनाया गया है। हर जिला समिति में एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष समेत कुल 25 सदस्य मनोनीत किए गए हैं। संबंधित जिला के लोकसभा सांसद पदेन सदस्य होंगे। राज्यसभा सांसद अपने गृह जिला में पदेन सदस्य होंगे। जबकि जिला के सभी विधायक पदेन सदस्य होंगे। विधान पार्षद अपने गृह जिला जिला परिषद अध्यक्ष, महापौर, नगर अध्यक्ष भी पदेन सदस्य होंगे। संबंधित जिला के डीएम सदस्य सचिव होंगे। जिलों के अन्य आला अधिकारी भी पदेन सदस्य होंगे। मंत्रिमंडल सचिवालय ने देर रात इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी।

पटना जिला समिति में सम्राट चौधरी को अहम जिम्मेदारी

अधिसूचना के मुताबिक पटना जिला समिति में अध्यक्ष उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपाध्यक्ष अशोक कुमार व अभिषेक कुमार समेत कुल 25 होंगे। इनमें अशोक चंद्रवंशी, आसिफ कमाल, रमेश ठाकुर,देवेन्द्र प्रसाद,देवन्ति देवी, लालती देवी, पवन कुमार, अनिल रविदास, रामईश्वर मांझी, मो।शहीद, धर्मेन्द्र कुमार, अरूण कुमार, सीताराम पाण्डेय, आशुतोष कुमार, मंयक जायसवाल, दीपक कुशवाहा, रुपेश कुमार सिंह, श्याम सुंदर रजक, आशा किरण, रणविजय कुमार, खुर्शीद अहमद एवं अभिषेक सिंह सदस्य के रूप में शामिल हैं।

पीएम मोदी ने पूरी कर दी मायावती और चंद्रशेखर आजाद की मांग

लखनऊ, 10 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कहा कि भीम राव आंबेडकर के दिए संविधान में अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के आरक्षण में 'मलाईदार तबके' (क्रीमी लेयर) के लिए कोई प्रावधान नहीं है। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कैबिनेट द्वारा हुए इस फैसले से बीएसपी चीफ मायावती और चंद्रशेखर की मांग पूरी हो चुकी है। दरअसल, बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद बीएसपी चीफ ने अनुसूचित जातियों (एससी) के भीतर उप-वर्गीकरण की अनुमति देने वाले सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले का विरोध किया था। मायावती ने कहा, 'एससी और एसटी के आरक्षण के भीतर उप-वर्गीकरण की अनुमति दी गई है, हमारी पार्टी इससे सहमत नहीं है।'

दोनों ने किया था विरोध

उन्होंने कहा, एससी और एसटी के लोगों द्वारा अपने ऊपर किए गए अत्याचारों का सामना एक समूह के रूप में किया गया है और यह समूह समान है, इसमें किसी भी तरह का उप-वर्गीकरण करना सही नहीं होगा। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की थी। दूसरी ओर ऐसी ही मांग नगीना के सांसद चंद्रशेखर आजाद ने भी रखी थी। नगीना के सांसद ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट से जब भी आरक्षण के संदर्भ में निर्णय आया एससी और एसटी के खिलाफ आया है। हम अपने लोगों को बंटने नहीं देंगे। क्योंकि, हमें अपने लोगों की चिंता है। बाबा साहब अंबेडकर ने कहा था कि जब उनके निजी हित और राष्ट्रीय हित के बीच टकराव होगा, तो वे राष्ट्रीय हित को चुनेंगे। ऐसे में जब भी समुदाय के हित और राष्ट्रीय हित के बीच टकराव होगा, तो वे समुदाय के हित को ही चुनेंगे। मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए निर्णयों के बारे में बताते हुए कहा कि बी आर आंबेडकर के दिए संविधान के अनुसार, एससी-एसटी आरक्षण में 'क्रीमी लेयर' के लिए कोई प्रावधान नहीं है। एससी-एसटी आरक्षण का प्रावधान संविधान के अनुरूप होना चाहिए।

छपरा में कटिहार के 12 मवेशी तस्कर गिरफ्तार

छपरा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में मवेशी तस्कर गैंग काफी सक्रिय हैं। मवेशियों की तस्करी के रोज नए मामले आते रहते हैं। इस पर नियंत्रण को लेकर कई जिलों में अभियान भी चलाया जा रहा है। उसी तरह सारण में भी पशु तस्करों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में छपरा जिला के अवतारनगर थाना क्षेत्र के एनएच 19 स्थित बोधा छपरा टोल प्लाजा पर मवेशियों से लदा दो ट्रकों को बरामद किया गया है।

बता दें कि छपरा में अवैध रूप से दो ट्रकों में भारी संख्या में मवेशियों को भरकर तस्करी किया जा रहा था। अवतारनगर थाना क्षेत्र द्वारा सघन वाहन चेकिंग कर मवेशियों से लदा दो ट्रकों को पकड़ा गया। दोनो ट्रकों से कुल 62 गाय और 35 बछड़ों को बरामद किया गया है। साथ हीं इस तस्करी में संलिप्त 12 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों से सख्ती से पूछा गया तो उन्होंने बताया की हमलोग चोरी कर मवेशी को छपरा से कटिहार ले जा रहे थे। अवतार नगर थाना द्वारा इन तस्करों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

अमेजन-माइक्रोसॉफ्ट की नाक में किया दम, 15 ठग गिरफ्तार

नोएडा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने तकनीकी सहायता की पेशकश के नाम पर और प्लान अपग्रेड के लिए आकर्षक प्रस्ताव का लालच देकर अमेरिका स्थित दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी अमेजन और माइक्रोसॉफ्ट के ग्राहकों से धोखाधड़ी करने के आरोप में 10 कॉल सेंटर के संचालकों पर मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने माइक्रोसॉफ्ट की शिकायत पर 10 कॉल सेंटर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी,

शाहरुख खान की फैन हैं कैराना सांसद इकरा हसन

बोलीं, लंदन में भी बॉलीवुड एक्टर के दीवाने

शामली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। कैराना से सपा सांसद इकरा हसन के सोशल साइट्स पर लाखों फैन है। युवा वर्ग से लेकर बुजुर्ग महिलाओं तक उनको काफी पसंद करते हैं, लेकिन जब एक इंटरव्यू में इकरा हसन से फेवरेट एक्टर के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि मेरे फेवरेट एक्टर शाहरुख खान है। सांसद इकरा ने कहा कि शाहरुख खान के जैसी फिल्में आज तक कोई नहीं बना सका, मेरे अलावा भी उनके करोड़ों फैन है। सांसद बोलीं कि न केवल भारत जब मैं लंदन में रहती थी तो वहां भी लोग शाहरुख खान का जिक्र करते थे। जब-जब हिंदुस्तान का नाम लिया जाता था तो लोग शाहरुख खान और उनकी फिल्मों की भी तारीफ करते थे। जिस इंटरव्यू में सांसद इकरा हसन ने शाहरुख खान की तारीफ की है। वह वीडियो इंस्टाग्राम और फेसबुक आदि सोशल आकाउंट पर खूब प्रसारित हो रही है। इकरा हसन के पेज से भी वीडियो को प्रसारित किया गया।

संसद में इकरा की तारीफ कर चुके हैं शिक्षा मंत्री

इकरा हसन की फैन फॉलोइंग के साथ ही लोग उनके भाषण की तारीफ भी करते हैं। जब पहली बार इकरा हसन ने संसद में अपनी बात रखी तो सपा सांसद डिंपल यादव समेत कई लोगों ने उनकी वीडियो को इंटरनेट मीडिया पर साझा करते हुए इकरा हसन को शुभकामनाएं दी थी। दूसरे भाषण के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धमेंद्र प्रधान ने संसद में उनकी तारीफ की।

अखिलेश यादव ने साधा निशाना

बोले- भाजपा के 10 साल के शासनकाल में महंगाई और बेरोजगारी चरम पर

लखनऊ, 10 अगस्त (एजेंसियां)। महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने फिर से भाजपा पर हमला बोला। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के 10 साल के शासनकाल में महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि देश की अर्थव्यवस्था दुनिया में पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था हो गयी है तो महंगाई इतनी ज्यादा क्यों है ? उत्तर प्रदेश में बिजली सबसे महंगी है जिसके कारण कोई उद्योग नहीं आ रहा है।

निवेश और विदेशी निवेश को लेकर बड़े-बड़े आयोजन हुए लेकिन उत्तर प्रदेश में एक प्रतिशत भी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नहीं आया है। एक बयान जारी करते हुए उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री देता है, लेकिन यूपी में एफडीआइ नहीं आया है। भाजपा के लोगों ने मां गंगा के नाम पर झूठ बोला। प्रधानमंत्री ने वाराणसी को क्योटो बनाने का सपना दिखाया लेकिन आज सड़कों पर सांड़ घूम रहे हैं। भाजपा ने किसानों, नौजवानों, व्यापारियों सभी से झूठे वादे किए। किसानों की आय दोगुणी नहीं हुई है। खेती की लागत लगातार बढ़ रही है।

अखिलेश बोले-सपा का काम संस्कृति के नाम

जिस गोमती रिवर फ्रंट के घोटाले की जांच सीबीआइ कर रही है, वहां दो युवतियों ने शास्त्रीय नृत्य करते हुए इसका वीडियो इंटरनेट पर प्रसारित कर दिया। इस वीडियो के साथ अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा कि सार्वजनिक स्थलों का सुंदरीकरण समाज को सकारात्मक रूप से प्रेरित करता है। सपा का काम संस्कृति के नाम बताते हुए अखिलेश ने लिखा कि सपा दोनों कलाकारों को सम्मानित और पुरस्कृत करेगी।

वजन 50 ग्राम, कीमत 850 करोड़ रुपये

परमाणु हथियार बनाने में होता है इस्तेमाल बिहार पुलिस को 3 तस्करों से मिला ऐसा पदार्थ

गोपालगंज, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार पुलिस को एक कार में ऐसी चीज हाथ लगी जिसके बारे में जानकर उसके होश उड़ गए। जो पदार्थ पुलिस को मिला उसका वजन केवल 50 ग्राम था। लेकिन उसकी इंटरनेशनल मार्केट में कीमत करोड़ो में पाई गई। बरामद पदार्थ जिस उपयोग में आता है उसे जान पुलिस भौचक्क रह गई। मामला हाई प्रोफाइल होने के बाद अब पुलिस गंभीरता से इस मामले की जांच कर रही है। घटना राज्य के सीमावर्ती गोपालगंज जिले की है। पुलिस के मुताबिक, गोपालगंज जिले के उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे चेक पोस्ट पर पुलिस वाहनों को जांच कर रही थी। पुलिस को इस रूट के माध्यम से कुछ पदार्थ ले जाने की गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी। इसी क्रम में एक कार को जांच के लिए रोका गया। कार में तलाशी के दौरान पुलिस को कुछ ऐसा पदार्थ मिला जिसे देख पहले वह सोच में पड़ गई, लेकिन जब इस बरामद पदार्थ के बारे में पुलिस को जानकारी हुई तो उसके हाथ पांव फूल गए। दरअसल जांच के दौरान पुलिस को कैलिफोर्नियम नामक पदार्थ बरामद हुआ। जिसकी मात्रा करीब 50 ग्राम थी। इतनी कम मात्रा में प्राप्त पदार्थ के कीमत का आंकलन जब पुलिस अधिकारियों ने इंटरनेशनल मार्केट में किया तो सबके होश उड़ गए। दरअसल, इंटरनेशनल मार्केट में इसकी कीमत करीब 850 करोड़ रुपये आंकी गयी। इतनी बड़ी कीमत का पदार्थ बरामद होने पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। इसकी जानकारी पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। बरामद किए गए रेडियो एक्टिव पदार्थ कैलिफोर्नियम की जांच के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा बडा कदम उठाया गया है। एसपी ऑफिस के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, बरामद किए गए कैलिफोर्नियम रेडियोएक्टिव पदार्थ की जांच के लिए एफएसएल की विशेष टीम को बुलाया गया है। साथ ही डिपार्टमैंट आफ एटॉमिक एनर्जी को भी सूचित किया गया है। पुलिस ने तीन तस्करों को गिरफ्तार है। उनके पास से 50 ग्राम कैलिफोर्नियम के साथ ही चार मोबाइल फोन और एक बाइक भी बरामद की गई है। इनकी पहचान समीपवर्ती उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के तमकुही राज के परसौनी बुजुर्ग के छोटेलाल प्रसाद, गोपालगंज के ही वार्ड नंबर 22 के चंदन गुप्ता तथा गोपालगंज के थाना मोहम्मदपुर के कुछ कुशहर मठिया के चंदन राम के रुप में हुई है। अब कैलिफोर्नियम की बरामदगी के बाद कई सवाल भी उठ रहे हैं। सबसे बडा सवाल यह कि आखिर तस्कर इस पदार्थ का क्या करने वाले थे। इस मामले में तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को जो कैलिफोर्नियम पदार्थ मिला है वह एक बहुमूल्य रेडियो एक्टिव पदार्थ है। इसका प्रयोग न्यूक्लियर पावर के उत्पादन और ब्रेन कैंसर के इलाज में किया जाता है।

गर्भ में लड़का है या लड़की, महज कुछ रुपयों में बताने वाले गैंग का भंडाफोड़, इंटर पास करता था अल्ट्रासाउंड

आगरा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। किराए के कमरे में भ्रूण लिंग परीक्षण का गोरखधंधा चल रहा था। गर्भ में लड़की होने पर यह गैंग गर्भपात करा देता था। सिकंदरा पुलिस ने शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ छापा मारकर मौके से पांच युवकों और एक महिला को गिरफ्तार कर लिया। मौके पर मिलीं दो गर्भवती महिलाओं से पूछताछ में गैंग का पर्दाफाश हो गया। पकड़े गए आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इंस्पेक्टर नीरज कुमार शर्मा ने बताया कि किराए के कमरे में पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन के माध्यम से योगेंद्र उर्फ बनिया जांच करता था। मशीन को आरोपित कार से लेकर पहुंचते थे। एजेंट यहां गर्भवती महिलाओं को लेकर आते थे। अल्ट्रासाउंड करने के एवज में आठ से 10 हजार रुपये लिए जाते थे। इसके बाद अगर गर्भ में लड़की होती तो मनमाफिक फीस लेकर योगेंद्र और उसका साथी मोहन सिंह गर्भपात करा देते। भ्रूण लिंग परीक्षण और भ्रूण हत्या करने वाले गिरोह का सरगान योगेंद्र उर्फ बनिया और मोहन सिंह उर्फ बंटी तीसरा बार पकड़ा गया है। गिरोह में डाक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों के नाम भी सामने आए हैं, ये गर्भस्थ शिशु के लड़की होने पर डॉक्टर की मौजूदगी में गर्भपात कराते थे। स्वास्थ्य कर्मियों के माध्यम से गर्भवती से भ्रूण लिंग परीक्षण कराने के लिए संपर्क किया जाता था। गिरोह से जब्त किए गए मोबाइल की कॉल डिटेल और वाट्सएप चैट से कई राज खुलेंगे।

'वक्फ बोर्ड संशोधन बिल' पर बोले टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा- जब ये विधेयक जेपीसी से आएगा, तब बड़ा खेला होगा

पटना, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मशहूर अभिनेता और टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा शाम पटना पहुंचे। पटना एयरपोर्ट पर उन्होंने पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान वक्फ बोर्ड विधेयक मामले पर शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि काफी विरोध है। रूलिंग पार्टी का भी विरोध है। कुछ अपने वोट बैंक के चलते विरोध नहीं कर रहे हैं, लेकिन विपक्ष का काफी विरोध है। खासकर इंडिया ब्लॉक का। धार्मिक रूप से विभाजन करने की नीति है, ऐसा इंडिया ब्लॉक का मानना है। 'कोर्ट का मामला है, ज्यादा बोलना ठीक नहीं।।।' टीएमसी सांसद ने कहा कि बहुत से लोगों को इस मामले मे शामिल करने की जरूरत थी, जिसे नहीं किया गया और इससे की बात बिगड़ सकती है। इसे तत्काल जेपीसी के पास भेजा गया है, लेकिन जब ये आएगा तो बहुत बड़ा खेला होगा। बिहार मे मंदिर मठो के पंजीकरण के मामले पर सांसद ने कहा मुझे जानकारी नहीं है, लेकिन किसी भी राज्य में विभाजन की नीति नहीं है। सब धर्म संभाव का है और अभी जो बांग्लादेश मे देख रहे है वहां भी ये चीजें बढ़ रही है, लेकिन नई सरकार आई है और उनसे उम्मीद है सब सही होगा। आरक्षण के मामले पर बिहार मे मांझी और चिराग के बीच के बयानों पर सांसद ने कहा कि कोर्ट का मामला है, ज्यादा बोलना ठीक नहीं, लेकिन चिराग भी कोर्ट ही जा रहे है। अच्छी बात है, चिराग पासवान सुलझे नेता है। 'जल्द ही सत्येंद्र जैन और केजरीवाल को भी मिलेगा न्याय' दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आप नेता मनीष सिसोदिया को जमानत मिलने पर टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि बड़ी खुशी की बात है, बहुत देर से हुआ लेकिन न्याय हुआ।

रीवा में दर्दनाक हादसा

सेप्टिक टैंक में डूबने से तीन बहनों की मौत

रीवा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। यहां सेप्टिक टैंक में डूबने से तीन बहनों की मौत हो गई। घटना के बाद से गांव में मातम छाया हुआ है। बता दें कि रीवा जिले में 10 दिन पहले ही दीवार गिरने से 4 बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई थी। जबकि दो दिन पहले भी नहर में डूबने से दो बच्चियों की मौत हुई थी और अब टैंक में डूबने से तीन बच्चियों की मौत हो गई है। घटना रीवा जिले के तमरा गांव की है। तमरा गांव में नाग पंचमी पर कपड़े की गुड़िया बनाकर पूजा करने और उन्हें पानी में विसर्जित करने की परंपरा है। गांव के ही राजकुमार रजक की तीन बेटियां 9 वर्षीय सोनाली, 7 वर्षीय तन्वी और 6 वर्षीय जान्हवी और 6 वर्षीय खेल-खेल में कपड़े से बनी गुड़िया को लेकर पानी से भरे टैंक में उतरी थीं। इस दौरान तीनों गहराई में चली गई और उनकी डूबने से मौत हो गई।

रक्षाबंधन से पहले छाया मातम

राजकुमार रजक की छह बेटियां हैं। बड़ी बेटी निधि रजक के अनुसार सोनाली कक्षा चौथी में पढ़ती है, जबकि तन्वी और जान्हवी दूसरी और तीसरी कक्षा में पढ़ती थी। हर साल हम नाग पंचमी पर गुड़िया बनाकर विसर्जित करने जाते हैं, लेकिन इस बार तीनों बहनें घर से बिना किसी को बताए ही चली गई। मृतक बच्चियों की दादी गुड्डी रजक ने कहा कि हमारे घर में रक्षाबंधन से पहले ही मातम छा गया। बेटियां मुझे दादी अम्मा कहकर बुलाती थी। मां-बाप डांटे तो मुझसे शिकायत करती थी।

अरब सागर के नीचे 7 किलोमीटर की सुरंग

चीन नहीं, भारत कर रहा ये मुश्किल काम

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई से अहमदाबाद के बीच बन रहे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का काम जोर-शोर से चल रहा है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन इस 508 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर का निर्माण कर रहा है। इस कॉरिडोर का 21 किलोमीटर का हिस्सा भूमिगत होगा। खास बात यह है कि भूमिगत हिस्से में ही समुद्र के नीचे सुरंग बनाई जा रही है। अरब सागर के नीचे सात किलोमीटर लंबी यह सुरंग भारत की पहली अंडरसी रेलवे सुरंग होगी। इस सुरंग की गहराई जमीन 25 से 65 मीटर तक होगी। सुरंग के निर्माण के लिए तीन 'दैत्याकार' मशीनों का इस्तेमाल होगा।

इन मशीनों को काम पर लगाने के लिए घंसोली, शिल्फाटा, और विक्रोली में खुदाई चल रही है। इस साल के अंत तक पहली टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) के काम शुरू कर देने की उम्मीद है। 21 किलोमीटर लंबे इस भूमिगत मार्ग के निर्माण में कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। खासकर, समुद्र के नीचे वाले 7 किलोमीटर के हिस्से में। यहां समुद्र तो तगड़ी चुनौती देगा ही, साथ ही कई तरह की तकनीकी

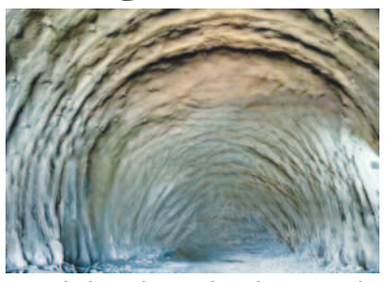

दिक्कतों से भी दो-चार होना होगा। समुद्र के नीचे बन रही यह सुरंग एक सिंगल ट्यूब सुरंग होगी। इसमें बुलेट ट्रेन के आने और जोन के लिए दो ट्रैक बिछाए जाएंगे। खास बात यह है कि समुद्र के नीचे से भी बुलेट ट्रेन अपनी फुल स्पीड, यानी 320 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से ही चलेगी।

खास सुरंग बनाने में विशेष तकनीक और मशीनों का इस्तेमाल

21 किलोमीटर लंबा यह भूमिगत मार्ग महाराष्ट्र बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स से शिल्पाता तक बनाया जा रहा है। ठाणे क्रीक (इंटरटाइडल ज़ोन) में समुद्र के नीचे 7 किलोमीटर लंबी सुरंग बनाई जाएगी। कुल 21 किलोमीटर में से 16 किलोमीटर के हिस्से में खुदाई के लिए 13.1 मीटर व्यास वाले कटर हेड लगी टनल बोरिंग मशीन का इस्तेमाल होगा। आम तौर पर मेट्रो के लिए सुरंग बनाने को 5-6 मीटर व्यास वाले कटर हेड का इस्तेमाल किया जाता है। 16 किलोमीटर में खुदाई को तीन टनल बोरिंग मशीनों का इस्तेमाल किया जाएगा। बाकी बचे 5 किलोमीटर के हिस्से की खुदाई न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड (एनएटीएम) के जरिए होगी। देश में पहली बार समुद्र के नीचे सुरंग बनने जा रही है। इसलिए अभी तक इस तरह की टनल बोरिंग मशीन नहीं है, अब अलग-अलग देशों से टीबीएम के पार्ट्स मंगाए जा रहे हैं और यहीं पर असेंबल किए जाएंगे। इसके बाद खुदाई का काम शुरू हो जाएगा।

तीन जगह हो रही है खुदाई

सुरंग बनाने को तीन स्थानों, घंसोली, शिल्फाटा, और विक्रोली में खुदाई हो रही है। घंसोली में, पहली टीबीएम के इस वर्ष के अंत तक स्थापित किए जाने की योजना है। यह मशीन 39 मीटर गहरे एक शाफ्ट से थाणे क्रीक की ओर खुदाई करेगी। इंजीनियरों ने पहले ही विस्फोट कर ब्रांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स की और 120 मीटर और शिल्फाटा में 110 मीटर की खुदाई पूरी कर ली है।

शरद पवार पर पीएम मोदी के 'भटकती आत्मा' बयान पर अजित पवार का यू-टर्न

कहा- 'मैंने ऐसा कुछ नहीं कहा

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने उस बयान को खारिज कर दिया है, जिसमें पीएम नरेंद्र मोदी ने शरद पवार को भटकती आत्मा बताया था। उन्होंने पीएम मोदी से शरद पवार के बारे में बात न करने का अनुरोध करने की बात का भी खंडन किया है। अजित पवार ने कहा, "मैंने ऐसा कुछ नहीं कहा। मुझे ऐसा कुछ कहते हुए एक वीडियो दिखाओ। तब मेरे नाम पर भी लिखा था कि मैं भेष बदलकर दिल्ली जा रहा हूं। मैंने उनसे सीसीटीवी वीडियो दिखाने को कहा। लेकिन उन्होंने सबूत नहीं दिया।"पहले ऐसी खबर आ रही थी कि अजित पवार ने पीएम नरेंद्र मोदी से अनुरोध किया था कि वह शरद पवार के बारे में कुछ ना कहें। अजित पवार ने यह स्वीकारा था कि लोकसभा चुनाव में शरद पवार पर किए गए बयान से महायुति प्रभावित हुई। हालांकि अब अजित पवार का कहना है कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं कहा था और संविधान के मुद्दे के कारण लोकसभा चुनाव पर असर पड़ा। अनिल देशमुख और जयंत पाटिल पर परमबीर सिंह के आरोप पर अजित पवार ने कहा, "मैंने अपना मन बना लिया है। आने वाले विधानसभा चुनाव में आप जो भी सवाल पूछेंगे, मैं विकास पर बोलूंगा। मैं ऐसे सवालों की गहराई में नहीं जाना चाहता।

क्योंकि सिर्फ आरोप ही लगाए जाते हैं। इससे बहुत कुछ नहीं निकलता। इसलिए इस पर मेरी कोई टिप्पणी नहीं है।" उन्होंने साफ कर दिया है कि एनसीपी भी राज्यसभा सीट पर चुनाव लड़ेगी। एनसीपी की स्थापना के बाद से सतारा जिले से सांसद रहे हैं। अजित पवार ने कहा, हमने लोकसभा में बीजेपी से कहा था कि एनसीपी के गठन के बाद से उस जिले में हमारा एक सांसद है।

तमिलनाडु के 13 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

दिल्ली-यूपी समेत 10 राज्यों में बरसेंगे बादल

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। देश के कई राज्यों में 9 अगस्त को झमाझम बारिश हुई। इसका सिलसिला आज यानी अगस्त में भी जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली-यूपी, तमिलनाडु समेत कई राज्यों में आज तेज बारिश के लिए अलर्ट जारी किया है। बता दें कि कई राज्यों में भारी बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। आइये जान लेते है आज कैसे रहेंगे देशभर में मौसम के हालात?

कहां-कहां होगी बारिश?

मौसम विभाग के मुताबिक, आज तमिलनाडु, केरल, बिहार, पश्चिम झारखंड, उत्तर और चरम दक्षिण-पूर्व हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू, उत्तरी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तरी महाराष्ट्र, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, पूर्वोत्तर असम और मेघालय में कुछ स्थानों पर गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

दिल्ली में कैसा रहेगा मौसम?

स्काईमेट वेदर की एक रिपोर्ट के अनुसार, आज दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश हो सकती है। वहीं, 11 अगस्त को भी मौसम के ऐसे ही हालात रहने की संभावना है। ये सिलसिला 15 अगस्त तक जारी रह सकता है। इसके साथ ही दिल्ली के तापमान में भी कमी आएगी। अधिकतम तापमान 32 से 33 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

तमिलनाडु के 13 जिलों में बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने तमिलनाडु में दक्षिण पश्चिम मानसून तेज होने के कारण 13 जिलों में भारी बारिश होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून और पश्चिम से चलने वाली हवाओं की गति में बदलाव के कारण तमिलनाडु में लंबे समय तक बारिश होने की संभावना है। कोयंबटूर, नीलगिरी, थेनी, डिंडीगुल, तेनकासी, तिरुनेलवेली, कन्याकुमारी, मदुरै, शिवगंगा, रामनाथपुरम, थूथुकुडी, पुदुकोट्टई, तंजावुर जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है।

हिमाचल से लेकर राजस्थान में बारिश का अलर्ट

स्काईमेट के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पूर्वोत्तर राजस्थान, हरियाणा के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। वहीं, सिक्किम, पूर्वोत्तर भारत, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, विदर्भ, पंजाब, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, तटीय कर्नाटक, लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में भी हल्की बारिश होने की संभावना है।

रिमोट का बटन दबाते ही दो हिस्सों में बंटा ट्रक मिला 1.94 करोड़ का 'माल'; हैरान कर देगा तस्करी का यह तरीका

आगर मालवा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की आगर जिला पुलिस ने 1 करोड़ 94 लाख रुपये का गांजा जब्त किया है। आरोपी तस्कर ट्रक में छिपाकर 2 क्विंटल 90 किलो गांजा ले जा रहे थे। पुलिस को इसकी जानकारी लगी तो उसने मौक पर पहुंचकर ट्रक जांच की, लेकिन वह खाली मिला, जिसे देखकर पुलिस भी हैरान रह गई। लेकिन, पुलिस ने गहनता से ट्रक की जांच की और सख्ती से पूछताछ की तो तस्करी का एक हैरान कर देने वाला तरीका सामने आ गया। चालक ने जैसे ही एक रिमोट का बटन दबाया तो ट्रक का पिछला हिस्सा दो हिस्सों में बंटकर अलग हो गया। जिसके बाद 2 क्विंटल 90 किलो जब्त किया गया।

विधायक के बेटे ने कलेक्टर-एसपी को लगवा दी दौड़

काफिले के साथ पहुंचे महाकाल लोक तक पहुंचे, प्रशासन ने रोका

उज्जैन, 10 अगस्त (एजेंसियां)। महाकाल लोक में उज्जैन कलेक्टर व एसपी व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे थे। इसी दौरान देवास से बीजेपी विधायक गायत्री राजे के बेटे विक्रम सिंह गाडिय़ों के काफिले के साथ आए और महाकाल लोक में घुस गए। कलेक्टर-एसपी ने दौड़ लगाकर इन गाडिय़ों को रोका। इसके बाद वाहनों को जब्त कर थाने पहुंचाया गया है। इधर कांग्रेस विधायक महेश परमार का कहना है कि इससे छवि खराब होती है। नागपंचमी के पर्व के चलते देश भर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उज्जैन पहुंचे थे। ऐसे में व्यवस्थाएं बनाने के लिए मार्गों को वन वे और कुछ पर गाडिय़ों की एंट्री बंद कर दी गई थी। कंट्रोल रूम के पास कलेक्टर नीरज सिंह और एसपी प्रदीप शर्मा सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे थे। अफसरों के सामने ही विधायक पुत्र विक्रम सिंह दोपहर नीलकंठ द्वार से महाकाल लोक तक घुस गए। यह देख वहां खड़े सुरक्षाकर्मियों में अफरा-तफरी मच गई। गाडिय़ों के काफिले को देख कलेक्टर-एसपी ने दौड़ लगाकर गाडिय़ों के पास पहुंचे। उन्होंने गाड़ी ड्राइवर पर नाराजगी जताते हुए क्लास लगा दी। उज्जैन कलेक्टर नीरज सिंह के अनुसार गाडिय़ों के काफिले ने अनाधिकृत प्रवेश किया है, जिस पर सभी जब्त कर थाने पहुंचाया गया है सभी पर चालानी कार्रवाई की जाएगी। कांग्रेस विधायक महेश परमार का कहना है कि भक्त लंबी-लंबी लाइनों में लगे रहते हैं, वह घंटों कतार में खड़े रहते हैं। ऐसे में बीजेपी विधायक का बेटा आता है और महाकाल लोक के अंदर तक ले जाता है। हालांकि इस दौरान अफसरों ने गाडिय़ों को रोका और एक्शन लेते हुए चालानी कार्रवाई भी की है, लेकिन भगवान के मंदिर में इस तरह की घटना से छवि खराब होती है। इस घटना के बाद विधायक पुत्र विक्रम सिंह ने माफी मांगी है। विक्रम सिंह के अनुसार गलती से नो एंट्री में घुस गए। उन्होंने कहा कि गलती तो हुई है। सभी पुलिस वाले पहचानते थे। हमने कहा कि जो भी फाइन होता है, वह ले लीजिए।

'हमें भारत आने दो' पानी में खड़े होकर बीएसएफ से मिन्नतें कर रहे हजारों बांग्लादेशी हिंदू

कूचबिहार, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में भले ही नई सरकार बन गई है, लेकिन वहां हिंसा अभी भी जारी है। प्रदर्शनकारी, अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बना रहे हैं। बांग्लादेश से कई हिंदू परिवार अपने घर छोड़कर भारत आना चाहते हैं। हजारों की तादाद में हिंदू समुदाय के लोग भारत-बांग्लादेश सीमा पर मौजूद हैं। बंगाल के कूचबिहार के सितालकुची में करीब 1000 बांग्लादेशी जलाशय में खड़े होकर बीएसएफ से अनुरोध कर रहे हैं कि उन्हें भारत में प्रवेश की इजाजत दी जाए। हालांकि, सीमा सीमा सुरक्षा को लेकर बीएसएफ भी अलर्ट है। बीएसएफ अधिकारियों ने बताया कि अब तक भारत में प्रवेश करने की कोशिश करने वालों का यह सबसे बड़ ग्रुप है।

कूचबिहार के काशियार बरुनी इलाके के पठानटुली गांव में सीमा पार करने की कोशिश कर रहे लोगों में इतनी हताशा थी कि वे बाड़ के पार जलाशय में घंटों इंतजार करते रहे। कुछ लोग 'जय श्री राम' और 'भारत माता की जय' के नारे लगा रहे थे। बीएसएफ कर्मियों ने इन लोगों को सीमा के जीरो पॉइंट (नो मैन्स लैंड) से 150 गज की दूरी पर बाड़ पार करने से रोक दिया । बीएसएफ जवानों की कई बार की गई अपील के बावजूद ये लोग बांग्लादेश के रंगपुर जिले के दोई खावा और गेंदुगुरी गांवों में अपने घरों को लौटने के लिए तैयार नहीं थे। बीएसएफ की एक विज्ञप्ति में कहा गया है, "यह उभरती चुनौती बीएसएफ के लिए नई है। बंगाल के उत्तर 24 परगना के पेट्रापोल में पिछले कुछ दिनों से बांग्लादेश से लोगों का आना जारी है।

बता दें कि सीमा पर नजर रखने की खातिर सरकार ने एक समिति का गठन किया है। सीमा सुरक्षा बल के पूर्वी कमान के एडीजी को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। इससे पहले बांग्लादेश सीमा पर सीमा सुरक्षा बल ने सतर्कता बढ़ा दी है।

स्कूल में औचक निरीक्षण करने पहुंचे विधायक तो रोने लगी छात्राएं, बताया उनके साथ क्या-क्या होता है

शिवपुरी, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी में पोहरी विधानसभा से विधायक कैलाश कुशवाह ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का औचक निरीक्षण किया तो वह दंग रह गए। छात्राओं ने विधायक को अपनी समस्याओं से अवगत कराया और विद्यालय के हॉस्टल के बारे में बताया तो विद्यायक भी सन्न रह गए। छात्राओं ने बताया कि उनके साथ जेल में बंद कैदियों से भी बदतर सलूक किया जाता है। वार्डन छात्राओं से नहाने के लिए पानी भरवाता है। उनसे कपड़े धुलवाए जाते हैं। जब छात्राओं को भूख लगती हैं तो उन्हें सड़े हुए फल दिए जाते हैं। यह सब बताते हुए एक छात्रा तो रोने भी लगी। छात्राओं ने रो-रोकर विधायक को अपना दर्द सुनाया। छात्राओं ने बताया कि उन्हें खराब नाश्ता दिया जाता है। जब वह उसे खाने से मना करतीं हैं तो उन्हें पीटकर जबरन खिलाया जाता है। उन्होंने खुद अपनी आंखों से वहां के हालातों को देखा। वह खुद कह उठे ये छात्रावास से अधिक जेल है। जहां बच्चों को पढ़ाने के बहाने यातनाएं दी जा रही हैं।

हॉस्टल में झाड़ू-पोंछा लगवाने का आरोप

विधायक के सामने छात्राओं ने जब कुछ बोलना चाहा तो वहां मौजूद स्टाफ ने उन्हें आंखें दिखाकर डराना चाहा। विधायक कैलाश कुशवाह ने जब यह देखा तो स्टाफ को वहां से हटा दिया फिर उन्होंने छात्राओं से निडर होकर अपनी समस्या बताने को कहा। पीड़ित छात्राओं ने विधायक को बताया कि छात्रावास में उनसे पीने और नहाने का पानी भरवाया जाता है। इसके अलावा हॉस्टल में झाड़ू-पोंछा भी उन्हीं से करवाई जाती है।

छात्रावास में मारपीट करने का आरोप

छात्राओं ने विधायक को यहां तक बताया कि उनसे कपड़े भी धुलवाए जाते हैं। उन्होंने खुलकर स्वीकार किया कि छात्रावास अधीक्षिका कभी भी हॉस्टल में नहीं रुकती हैं। वह उन्हें सड़े हुए फल खाने को देती है। कुछ छात्राओं ने यहां तक बताया कि उनको नाश्ते में जो पोहा दिया जाता है उसमें झल्ली और कीड़े निकलते हैं। यह नाश्ता उन्हें जबरन खिलाया जाता है। कुछ छात्राओं ने छात्रावास में उनके साथ मारपीट करने की बात भी विधायक को बताई गई।

यूएसए में रहते हुए भारत के सरकारी स्कूल से लेती सैलरी, गुजरात शिक्षा विभाग की गजब लापरवाही

बनासकांठा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यह मामला बनासकांठा जिले के अंबाजी के पास के एक सरकारी स्कूल से जुड़ा हुआ है। यहां पर एक शिक्षिका काम करती है जो बरसों से अमेरिका में रहती हैं लेकिन वह इस स्कूल की शिक्षिका भी हैं। मजेदार बात यह है कि वह सैलरी भी ले रही हैं। सवाल खड़ा हो रहा है क्या स्थानीय अधिकारियों की बिना मिलीभगत के यह संभव है? जांच में सामने आया है कि उनकी जब इच्छा होती है तो वह दिवाली पर 10 महीने बाद आ जाती हैं और फिर एक महीने के लिए पढ़ाती है। मामले का खुलासा होने के बाद से ही अधिकारियों में हड़कंप मचा हुआ है। जांच में यह भी सामने आया है कि वह 11 महीने अमेरिका में और एक महीना भारत में रहती है। बनासकाठा जिले की दांता तहसील में स्थित अंबाजी मंदिर के पास स्थित पंचा प्राथमिक स्कूल है। स्कूल की शिक्षिका भावनाबेन पटेल पिछले 8 साल से अमेरिका में रह रही हैं। वे साल में एक बार कभी-कभी ही स्कूल में आती है। भावना पटेल के पास अमेरिका का ग्रीन कार्ड भी है, फिर भी भारत के इस सरकारी स्कूल में शिक्षक के रूप में उनका नाम दर्ज है, स्कूल बोर्ड पर नाम अंकित है। आरोप है कि इस संबंध में कई बार ज्ञापन देने के बाद भी अधिकारियों की ओर से कोई सुनवाई नहीं हुई है। स्कूल के प्रभारी शिक्षक का कहना है कि यह शिक्षक साल में एक बार दिवाली के समय आती हैं। स्कूल की शिक्षिका पारूलबेन के अनुसार भावना बेन पटेल को स्कूल के बच्चों ने दो साल पहले देखा था। वे जिस क्लास की मुख्य अध्यापिका हैं, उस क्लास के बच्चे अब पांचवी कक्षा में पहुंच चुके हैं लेकिन वे बच्चों को नहीं दिखी, वे लंबे समय से अनुपस्थित चल रही हैं।

मुंबई हिट एंड रन केस: आरोपी मिहिर शाह ने एक्सीडेंट के वक्त क्या शराब पी रखी थी? आ गई फॉरेंसिक रिपोर्ट

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पुलिस को वर्ली हिट एंड रन के आरोपी मिहिर शाह की फॉरेंसिक रिपोर्ट मिल गई है। मिहिर की ये रिपोर्ट नेगेटिव आई है। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि आरोपी मिहिर शाह ने घटना के वक्त शराब नहीं पी रखी थी। वर्ली पुलिस ने बताया कि आरोपी मिहिर शाह को घटना के 58 घंटे बाद विरार फाटा से गिरफ्तार किया गया था। आरोपी की गिरफ्तारी के वक्त तक काफी लंबा वक्त हो चुका था, जिसकी वजह से आरोपी की गिरफ्तारी से पहले उसके शरीर से शराब निकल चुकी थी। हालांकि, गिरफ्तारी के बाद जांच अधिकारियों के निर्देशानुसार, आरोपी की मेडिकल जांच कराई थी। जांच के लिए मिहिर शाह के खून और पेशाब के सैंपल जांच के लिए फॉरेंसिक लैब (एफएसएल) भेजे गए थे। वहीं, फॉरेंसिक रिपोर्ट से पुलिस को बड़ा झटका लगा है। रिपोर्ट में आरोपी मिहिर के शरीर में शराब न पाया जाने के कारण अब पुलिस को परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर ये मामला अदालत में पेश करना होगा। फॉरेंसिक जांच के अनुसार, आरोपी मिहिर की शराब की रिपोर्ट पॉजिटिव आती तो पुलिस के लिए ये मामला आसान हो जाता, लेकिन अब रिपोर्ट के नेगेटिव आने के कारण पुलिस के लिए कोर्ट में मामले के साबित करने का चैलेंज है।

ये दुर्घटना 7 जुलाई को हुई थी, जब एक बीएमडब्ल्यू कार ने स्कूटर पर सवार दो लोगों को 'एनी बेसेंट रोड वर्ली' में टक्कर मारी थी। जिसमें महिला स्कूटर के साथ 1.5 किलोमीटर तक घिसटते हुए गई थी और इस दौरान उसकी मौत हो गई थी। मृत महिला का नाम कावेरी नाखवा था। जिस समय कार ने स्कूटर को टक्कर मारी उस समय कावेरी के साथ उनके पति प्रदीप भी थे। जो इस सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे। पुलिस के अनुसार कथित तौर पर जैसे ही घटना हुई मिहिर के पिता के कहने पर राजर्षि बिदावत, सीट बदलकर ड्राइवर की सीट पर आ गया। इस घटना के बाद मिहिर शाह ने पुलिस से बचने के लिए अपनी दाढ़ी को कटवा लिया और पूरी तरह से भेष बदलकर पुलिस की निगाहों को चकमा देने का प्रयास करने लगा।

'सौतेले भाइयों' से सावधान रहें

मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना को लेकर एकनाथ शिंदे का विपक्ष पर हमला

ठाणे, 10 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विपक्षी दलों पर 'लड़की बहिन' योजना के बारे में अफवाह फैलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने लोगों से ऐसे 'सौतेले भाइयों' से सावधान रहने के लिए कहा है। रात अपने गृह क्षेत्र ठाणे में बोलते हुए शिंदे ने कहा कि उनकी सरकार चुनावों को ध्यान में रखकर काम नहीं करती, बल्कि लोगों के कल्याण के लिए काम करती है। बता दें कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव इस साल अक्टूबर में होने की संभावना है। चुनावों से महीनों पहले शिंदे सरकार ने 'मुख्यमंत्री मांझी लड़की बहिन योजना' की घोषणा की थी, जिसका अर्थ है 'मुख्यमंत्री की मेरी प्यारी बहन योजना', जिसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री शिंदे ने यहां येऊर में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, 'राज्य के नागरिकों, विशेषकर महिलाओं को 'सौतेले भाइयों' से सावधान रहना चाहिए, जो लड़की बहिन योजना के बारे में तरह-तरह की अफवाहें फैलाते हैं। अब तक मेरी केवल एक बहन थी। अब पूरे राज्य में मेरी लाखों बहनें हैं।' शिंदे सरकार ने आगे कहा कि 'हम चुनाव को ध्यान में रखकर काम नहीं करते। हमारा उद्देश्य केवल राज्य के नागरिकों को लाभ पहुंचाना है और हम इसके लिए प्रतिबद्ध हैं।'

1200 से ज्यादा बचावकर्मी, 100 से ज्यादा एंबुलेंस

वायनाड में केंद्र सरकार का राहत और बचाव कार्य

वायनाड, 10 अगस्त (एजेंसियां)। केरल के वायनाड में लगातार हो रही बारिश का परिणाम 30 जुलाई को आया भूस्खलन था, जिसकी वजह से वायनाड जिले के मुंदक्की, चूरलमाला, वेल्लारीमाला गांव में तबाही मच गई। इस तबाही में सैकड़ों लोगों की जान चली और कई लोग लापता हो गए। केंद्र सरकार ने स्थिति का जायजा लेते हुए तुरंत ही इलाकों में बचाव अभियान शुरू कर दिया। भूस्कलन से मची तबाही के तुरंत बाद घटनास्थल पर रेस्क्यू टीम को तैनात कर दिया गया, इतना ही नहीं मोदी सरकार ने तत्काल रूप से मेडिकल हेल्प और ट्रीटमेंट के लिए डॉक्टरों की टीम भी राहत कार्य के लिए भेज दी। इलाके में रेस्क्यू के लिए एनडीआरएफ, भारतीय सेना, वायु सेना, नौसेना, अग्निशमन सेवाओं, नागरिक सुरक्षा के साथ 1200 से ज्यादा बचावकर्मी काम में जुटे हुए हैं। केंद्र सरकार ने घटनास्थल पर 100 से ज्यादा एंबुलेंस भी उपलब्ध कराए हैं। भूस्खलने की वजह से आने जाने के रास्ते पूरी तरह से खराब हो गए हैं, जिसकी वजह से भारतीय सेना ने वायनाड में एक बेली ब्रिज बनाया है, इसकी लंबाई 190 फीट है। इस ब्रिज के जरिए भारी मशीनरी और एम्बुलेंस को लाने और ले जाने में सुविधा हो गई है, जानकारी के मुताबिक, इस ब्रिज को 71 घंटे में बनाकर तैयार किया गया है, जिससे बचाव कार्य में तेजी आई है। अब तक एनडीआरएफ रेस्क्यू टीम ने कुल 30 लोगों को बचाया गया है, 520 लोगों को निकाला गया है और 112 शव बरामद किए गए हैं। केंद्र सरकार ने राज्य के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए इंटर मिनिस्टिरिएल सेंट्रल टीम (आईएमसीटी) का गठन किया है।

यह टीम 8-10 अगस्त तक प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहा है। केंद्र सरकार ने केरल को राहत राशि राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष एसडीआरएफ प्रदान की है। सरकार ने इस आपदा में मदद करने के लिए 145.60 करोड़ रुपये से ज्यादा 31 जुलाई को अग्रिम रूप से जारी की गई थी।

सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है : राम प्रसाद बिस्मिल

अतुल कुमार

देश की स्वतंत्रता के लिये कई पीढियों ने कुर्बानी दी । इस संघर्ष में सभी पेशों के लोगों ने भाग ले स्वतंत्रता प्राप्ति के लिये शंख नाद किया उनकी असंख्य आहुतियों और अथक संघर्षों का परिणाम है कि 15 अगस्त 1947 को देश स्वतंत्र हुआ ।सदियों की अंग्रेज़ों की गुलामी को झेल इस स्वर्णिम दिन का अवतरण हुआ । अंग्रेज़ शासकों के अमानवीय अत्याचारों और अनाचारों से देश की जनता में आक्रोश था उन्होंने संकल्प लिया कि देश की आज़ादी के लिये किसी भी त्याग के लिये तैयार हैं इसके लिये उस समय की युवा पीढी ने अपना सर्वस्व छोड यही लक्ष्य रखा कि अपने देश की स्वतंत्रता को हासिल करना है । इसके लिये अटूट प्रयास किये कई शहीद हुए , कइयों ने मुस्कुराते हुए फांसी के फंदों को चूमा और कइयों ने चोटें खायी लेकिन आज़ादी के सपने को नहीं छोडा देश प्रेम में अपनी पूरी जवानी को झोंका ।

उन्हीं के त्याग और बलिदान के कारण आज हम सिर उठा खुली हवा में सांस ले रहे हैं । इस आंदोलन में लोकमान्य बालगंगाधर तिलक ने कहा " स्वराज्य हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है और हम इसे ले कर रहेंगे " और शहीद भगत सिंह ने कहा " ज़िंदा रहने की हसरत मेरी भी है लेकिन मैं कैद रह अपना जीवन बिताना नहीं चाहता " इन सब महापुरुषों के बीच वीर सेनानी राम प्रसाद बिस्मिल ने कहा " सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है / देखना है ज़ोर कितना बाज़ू–ए–कातिल में है // आज़ादी का संघर्ष जितना मुश्किलों भरा था उतना ही ह्रदय विदारक भी ।जिसकी गाथाओं को सुन आज भी आंखें नम होती हैं। तो दिल कांप उठता है और खून खौल उठता है । अंग्रेज़ हुक्मरानों ने आंदोलन को दबाने की हर कोशिश की लेकिन स्वतंत्रता सेनानियों के जज़्बे के सामने उनको घुटने टेकने पडे किसी ने खूब लिखा " जंग लडे वो वीरों की तरह / जब खून खौल कर फौलाद हुआ / मरते दम तक डटे रहे वो देश तभी तो यारों आज़ाद हुआ //

स्वतंत्रता आंदोलन की क्रांतिकारी विचारधारा के प्रमुख वीर सेनानियों में एक मुख्य नाम राम प्रसाद बिस्मिल का है उनके एक हाथ में कलम थी तो दूसरे हाथ में हथियार। अपनी ओजस्वी रचनाओं से लोगों के दिलों में देश की आज़ादी की लौ जलायी तो हथियारों से गोरे शासकों के इरादों को नेस्तेनाबूद किया । संस्कृत ,हिंदी , उर्दू और अंग्रेज़ी के ऐसे विद्वान कि फिरंगी भी उनके अंगार की तरह दहकते खयालों को सुन दहशत में पडते ।अपने संबोधनों और रचनाओं से आज़ादी की ऐसी अलख जगायी कि अंग्रेज़ी शासकों के खेमों में घबराहट और बेचैनी फैल गयी । अंग्रेज़ों द्वारा ढहाये जा रहे ज़ुल्मों को देख 19 साल की उम्र में ही फैसला किया कि देश को स्वतंत्र कर ही दम लेंगे ।बतौर लेखक और कवि इसके लिये ऐसी चमक बेखेरी कि उनकी रचनाएं इतिहास में यादगार बन गयीं । लिखा कि " मैं अपनी मातृ भूमि के लिये हज़ारों बार मरने को तैयार हूं बिना यह सोचे कि मुझे कितना दर्द होगा । हे भगवान ! मरने के बाद भी बार – बार जन्म लेने की अनुमति देना ताकि हर बार देश के लिये बलिदान दे सकूं ।" सोचिये ! कितना ज़बर्दस्त जज़्बा था ।

सच तो यह है कि देश के लिये प्राण न्योछावर करने वाले ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानियों की आज याद तक नहीं होती , कई लोग इन महान वीरों के नाम से भी अंजान और बेखबर हैं ।क्यों कि रियल हीरोस को समाज में महापुरुषों के रूप में स्थापित कर उनके ऐतिहासिक योगदानों को दर्शाने , और बताने की कोशिश ही नहीं हुई ।पहले भारतीय भाषाओं के माध्यम के स्कूलों कालेजों में महान स्वतंत्रता सेनानियों , साहित्यकारों, मनीषियों और पर्वों आदि पर विद्यार्थियों के लिये वाद

विवाद ,भाषण और निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित होतीं जिससे उनकी जानकारियां बढतीं ।लिखने , बोलने और पढने की प्रवृत्ती बढती । और आज ? यह उदासीनता समझ से परे हैं जब कि आज 40 की उम्र के ऊपर के 80 % लोगों की पढाई उनकी मातृभाषाओं के माध्यम से हुई और वो अपने क्षेत्रों में कामयाब हैं ।

यह रिडेवलेपमेंट का दौर है जिसमे पुरानी चीज़ें तो टूटती हैं लेकिन ज़मीन नहीं यहां ज़मीन से कटने और छोडने की भूल हुई ।जिसमें हमारे संस्कार , संस्कृति और सभ्यता को भुला दिया गया । आधुनिक बनने चक्कर में मिला क्या ! रिश्तों की टूटन , खुदगज़ी और वृद्धाश्रम ! वीर सेनानियों ने देश को आज़ाद करने के लिये अपने प्रभावी कैरीयरों को त्याग ज़िंदगी का सिर्फ एक ही मकसद रखा आज़ादी । सोचिये ! कितने मतवाले लोग थे जिन्होंने इस संघर्ष में हिस्सा ले देश को गुलामी की बेडियों से मुक्त किया । कवि पं प्रदीप ने खूब लिखा " जो शहीद हुए हैं उनकी ज़रा याद करो कुर्बानी जब तक सांस थी लडे वो फिर अपनी लाश बिछा दी "

राम प्रसाद बिस्मिल प्रतिभाशाली कवि और शायर थे जिन्होंने अपनी देश भक्ति से ओत प्रोत रचनाओं से जन सामान्य को स्वतंत्रता आंदोलन में कूदने के लिये प्रेरित किया । बहुभाषी व्यक्तित्व के धनी थे जिससे उनका परिचय विराट और साहसी देश भक्त का बना ।उनको क्रांतिवीर भी कहा गया बिस्मिल उनका उप नाम था ।उनका काव्य संग्रह " मन की लहर " " स्वाधीनता की देवी " और " स्वदेशी रंग " आदि हैं अच्छे अनुवादक भी थे अंग्रेज़ी पुस्तक " द ग्रैंड मदर आफ रशियन रेवोल्यूशन " का हिंदी में अनुवाद किया । वह पुस्तकें इसलिये लिखते थे कि उनसे होने वाली आय को आज़ादी की लडाई में लगाया जा सके । उनका जन्म 11 जून 1897 को शाहजहांपुर उत्तर प्रदेश में हुआ ।आंदोलन को तेज़ करने के लिये कुछ लोगों के साथ मिल 9 अगस्त 1925 को लखनऊ के काकोरी नामक स्थान पर देश भक्तों ने रेल विभाग की संग्रहित धन राशि को लूटा जिससे अंग्रेज़ी शासकों में गुस्सा और हडकंप मच गया । काकोरी प्रकरण से लोगों में अंग्रेज़ों के विरुद्ध आवेशित वातावरण बना । सभी को मृत्यु दंड देने का फैसला हुआ ।सज़ा को बदलने के लिये कई अनुरोध हुए लेकिन अंग्रेज़ों ने एक न मानी ।

बिस्मिल महाप्रयाण की तैयारी करने लगे जीवन के अंतिम दिनों में गोरखपुर जेल में आत्म कथा लिखी ।फांसी के तख्ते पर झूलने के तीन दिन पहले तक इसे लिखते रहे जिसमे लिखा कि 19 दिसंबर 1927 को छः बजे प्रातः इस शरीर को फांसी पर लटका देने की तिथि निश्चित हुई है ।पर देश को आज़ाद करने का जज़्बा कम नहीं हुआ है ।दिल को छूने वाला प्रसंग है " पिता को सूचना मिली तो एक दिन पहले अंतिम मुलाकात के लिये गोरखपुर गये मां का ह्रदय इस आघात को सहन नहीं कर पाएगा सोच उनको साथ नहीं ले गये । लेकिन यह देख आश्चर्य चकित रह गये कि बिस्मिल की मां वहां पहले ही पहुंची हैं । मां को देखते ही बिस्मिल रो पडे उनका मातृ स्नेह उमड पडा लेकिन वीर जननी मां ने एक वीरांगना की तरह चिल्लाते हुए उनको कर्तव्य का बोध करवाते हुए कहा " मैं तो समझती थी कि मेरा बेटा बहादुर है ,जिसके नाम से पूरी अंग्रेज़ हुकूमत कांपती है मुझे नहीं पता था कि वह मौत से डरता है ,यदि तुम्हें रो कर ही मरना था तो व्यर्थ इस काम में क्यों आये ! तब बिस्मिल ने कहा यह मौत के डर के आंसू नहीं हैं यह मां का प्यार है जिससे दो चार आंसू निकल आये । मौत से नहीं डरता मां , तुम विश्वास करो । चट्टान बनी मां ने कहा जीवन भर देश की स्वतंत्रता के लिये लडते रहे अब मां के लिये रोने की ज़रूरत नहीं है इस कायरता से क्या होगा ? बेटे तुमको वीर की तरह हंसते हुए प्राण देते हुए तुम्हें देश की आज़ादी के लिये प्राण देते हुए मैं अपने को धन्य मानूंगी मुझे गर्व है कि मेरा बेटा देश की बलि वेदी पर अपने प्राण न्यौछावर कर रहा है ।मेरा काम तुम्हें पाल पोस कर बडा बनाना था ।तुम देश की चीज़ थे देश के काम आ गये मुझे इस बात का गर्व है और रहेगा कि मैं देश भक्त शहीद राम प्रसाद बिस्मिल की मां हूं ।

30 वर्षीय इस सेनानी को 19 दिसंबर 1927 को फांसी के दिन ले जाया गया तब गाते रहे " मालिक तेरी रज़ा रहे और तू ही तू रहे / बाकी मैं रहूं न मेरी आरज़ू रहे / जब तक कि तन में जान रगों में लहू रहे / तेरा ही ज़िक्र या तेरी ही जुस्तजू रहे // फांसी के तख्ते के पास पहुंचे , तख्ते पर चढने के पहले उनकी अंतिम इच्छा पूछी गयी तो कहा " मैं ब्रिटिश शासन का नाश और देश की स्वतंत्रता चाहता हूं " इसके बाद उनको फांसी दे दी गयी । उस दिन जेल के बाहर लाखों की संख्या में जन समुदाय खडा था जो अपने वीर सेनानी के अंतिम दर्शन करने और उनकी अर्थी को कंधा देने के लिये व्याकुल था । पूरे शहर में शव यात्रा घूमी जिसमें लोगों ने उन पर पुष्प , पैसे और सुगंधों की वर्षा की । वास्तव में यह उस वीर स्वतंत्रता सेनानी की अंतिम यात्रा थी जिसकी रगों में बसा था " सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है ,देखना है ज़ोर कितना बाज़ू – ए – कातिल में है "।

काव्य कुंज

संजीव ठाकुर, रायपुर

रिमझिम वर्षा

गीता अग्रवाल हैदराबाद

रिमझिम वर्षा लगे है प्यारी
पर हमको तो मिलने न दे,
बगिया की भीगी क्यारी
रास्ते सब तर तर कर दे,
विनती है तुझसे ओ वर्षा
धूप थोड़ी देर गर कर दे।
पंछी के पर हो गए गीले
घोंसले भी हैं ढीले ढीले,
जी रहे चूजे डर डर के
भय से हो गए पीले पीले,
कुछ पल उड़ान भरने दे
मां बाप को घर लौटने दे,
तुमसे है जीवन का सार
पर उजड़े नहीं छत घर से!
धूप थोड़ी देर गर कर दे!!
भीग भीग कर काम करूं तो
स्वास्थ्य बिगड़ सकता है,
खुली हवा न लगे तो
बच्चों का मन तरसता है,
मौसम तुम्हारा,जमके बरसो
पर कुछ देर तो खुलने दे,
तुम बिन बाग, बगीचे सूने
पर अति को तो न बढ़ने दे,
धूप थोड़ी देर गर कर दे।
कहीं पर ज्यादा,कहीं पर कम
यह तो कोई इंसाफ नहीं,
बहती बस्ती, बहती जानें
थोड़ा सा भी लिहाज नहीं,
भूल हुई तो क्षमा है करना
हम तेरे खिलाफ नहीं,
जान तो है सबको प्यारी
जान पर न बनने दे ,
धूप थोड़ी देर गर कर दे।

इत्तफाक

प्रतिमा सिंह हैदराबाद

क्या जीवन एक इत्तफाक है??
जो पल में अंबर को छुआ दे,
और गिरा दे अवनि पर पल में,
मोल नहीं अश्रु,रक्त, स्वेद का,
मोल नहीं गहन ताप - गृह में,
तन को, कितना जला दिया ।
मोल नहीं उसे घोर तप का,
जो अन्न - जल का त्याग किया।
मोल नहीं उसे केश कुंतल का,
जो तुमने मंजिल पथ पर अर्पण किया।
मोल नहीं उसे अटल संकल्प का,
जिस पर तुमने सब वार दिया ।
विकट परिश्रम, विकट प्रयास,
विकट मनोबल, विकट साहस ,
सब कुछ निष्फल बेकार हुआ।
पौन इंच के इत्तफाक ने,
उन सपनों को निस्तार दिया।
कुछ भी नहीं अपने वश में है,
सब कुछ इत्तफाक है ।
सब कुछ इत्तफाक है।।

गूगल भी हारा

पूजा महेश हैदराबाद

एक बात पूछूं
सच सच बताना
गूगल ज्ञान का है खजाना
यहीं तो कहता है जमाना
हां, मैंने भी यही सुना
और यही सुनकर ही
अपने सवाल के जबाब के लिए
गूगल को ही चुना
सवाल मेरा कुछ खास नहीं था
हां,लोगों पर विश्वास नहीं था
मैंने गूगल पर डाला
शराफत, इंसानियत और सच्चाई
कहां मिलेगी भाई?
पता हो तो बताओ
बहुत दिनों से ढूंढ रही हूं
मेरी शंका का समाधान तो कराओ
बहुत देर तक कोई जवाब नहीं आया
ऐसा पहली बार हुआ था
इसलिए मेरा सिर चकराया
मैं बार-बार कोशिश करती रही
अपने सवाल को मैं बार-बार भरती रही
बहुत कोशिश करने के बाद
गूगल के संदेश में
एक इमोजी बना था
दुखी मुद्रा में हाथ माथे पर धरा था
पहली बार मैं नाकाम हुआ हूं
अपनी नाकामी पर बहुत शर्मिन्दा हूं
लेकिन कहीं तुम्हें पता मिलें तो
मुझे भी बताना
ताकि भविष्य में कोई पूछे तो
ना पड़े फिर से शर्माना।।

झंडा ऊंचा रहे हमारा

टी तारासिंह हैदराबाद

आओ बच्चे प्यार से बोले
झंडा ऊंचा रहे हमारा
मातृभूमि के है हम रखवाले
खून की आखरी बूंद तक लडेंगे
शत्रु को रण मे परास्त्र करेंगे
विजयी बन कर ही दम लेगे
भारतमाता की जय जय कार करेगे
प्यार-प्रेम ही सबके मन मे बसायेगे
वीरो को याद हर साल करेगे
उनको दिल से नमन करेगे
प्यारा देश भारत देश हमारा
विजयी विश्व का तिरंगा प्यारा
झंडा ऊंचा रहे हमारा ।।

हर तरफ़ गिद्ध ही गिद्ध बैठे हैं

एक युवा दे रहा इस उम्मीद में साक्षात्कार।
उसका होगा चयन,
मिलेगा नौकरी का उपहार।
पूछ रहा था समय,
होकर वो निर्भय।
नौ घंटे का उसे समय देना हैं,
चार अंकों में सैलरी पाना है।
ज़ब जाहिर हुई शर्तें,
तब खुली अंदर की परतें।
अवकाश लेने की,
हमें पूर्व सूचना देनी होगी।
गर पाँच मिनट देरी हुई,
तब एक छुट्टी कट जाएगी।
बिना सूचित किए
अगर की छुट्टी तो दो दिन की
तनख्वाह लेंगे हम काट,
माह के अंत में लेंगे बाँट।
क्योंकि पीएफ भारी हैं,
दोनों तरफ़ का लेंगे काट।
युवा ने सोचा सभी
एक से एक सिद्दहस्त बैठे हैं,
ये सभी नियोक्ता नहीं।
नोचने को यारों
हर तरफ़ गिद्ध ही गिद्ध बैठे हैं।

संजय एम. तराणेकर

जल रहा है बांग्लादेश

कुमुद बाला, हैदराबाद

भारत के ही दिल का
एक टुकड़ा है बांग्लादेश,
आज धर्म की आग
में जल रहा है बांग्लादेश।
अबतक सुना था धर्म,
दिल जोड़ता है तोड़ता नहीं,
जो रास्ता मंज़िल तक पहुँचता,
बीच से मुड़ता नहीं,
फिर क्यों जल रहे हैं आज , धर्म के अंधे ठेकेदार,
विचारों के पँख कतर रहे , जो पंछी सा उड़ता नहीं,
आस्थाओं से खिलवाड़ कर रहा है बांग्लादेश,
भारत के ही दिल का एक टुकड़ा है बांग्लादेश।
आज धर्म की आग में जल रहा है बांग्लादेश।।
मानव हो गया है अमानुष , अपनों को मार रहा है,
सहयोग तीसरे विश्वयुद्ध को,हँस-हँस कर दे रहा है,
कैसी है मनोवृत्ति और कैसी गंदी यह राजनीति,
धर्म की आड़ में अंधविश्वास के , भुट्टे सेंक रहा है,
तख्ता पलट,क्या साबित कर रहा है बांग्लादेश,
भारत के ही दिल का एक टुकड़ा है बांग्लादेश।
आज धर्म की आग में जल रहा है बांग्लादेश।।
आतंकी गतिविधियों को ईश्वर की मज़ी बतला रहा,
कैसी मूर्खतापूर्ण हरकतों को , सही ठहरा रहा,
प्रदूषित प्रकृति करने वाले , नीच मानव,सुन ज़रा,
देश को बर्बाद कर,बच्चों का भविष्य नर्क बना रहा,
आज़ादी किस काम की,जब जल रहा है बांग्लादेश,
भारत के ही दिल का एक टुकड़ा है बांग्लादेश।
आज धर्म की आग में जल रहा है बांग्लादेश।।
भारत के ही दिल का एक टुकड़ा है बांग्लादेश।
आज धर्म की आग में जल रहा है बांग्लादेश।।

वक़्त

जे गंगाधर 'गंध' जियागुडा,हैदराबाद

वक़्त, वक़्त का वक़्त है,
हर वक़्त कुछ खास है,
वक़्त को वक़्त दिया करो,
वक़्त की कद्र किया करो।
हर एक का भी वक़्त आता है,
अभी उनका चल रहा है वक़्त,
कभी अपना भी आता है वक़्त,
सच है बीता हुआ लौट आता नहीं,
संभल जाओ वक़्त अभी है सहीं।
सबसे बड़ी दौलत भी यही है वक़्त,
सबसे बड़ी ताकत भी है वक़्त,
सोच समझकर संभलकर देना वक़्त,
यूँ ही व्यर्थ में बिगाड़ देना नहीं वक़्त।
कई गुलाम है इसके, सलाम है वक़्त को
ना वह अच्छा होता है ना बुरा वक़्त,
वक़्त तो वक़्त होता है, वक़्त को जानो,
वक़्त का स्वागत किया करो वक़्त को मानो।

हे ईश्वर...

डॉ डी डी देसाई

हे ईश्वर.. तूने जो ठानी...
वही है होनी..
धरा से ऊपर नारियल में पानी।
मेरी हो या तुम्हारी...
सबकी यही कहानी
दर्द का समंदर और आँखों मे पानी।
कोई जीतेजी भुगतेगा...
तो कोई भुगतते जिएगा,
कोई दाने दाने के लिए तरसेगा
तो कोई खा खा के मरेगा।
कोई अपनी पहचान बनाएगा..
तो कोई अपना वजूद खोयेगा।
कड़वों के कड़वे बोल...
तो किसी की मीठी वाणी।
राजा को रंक बनाया..
नौकर को मालिक बनाया।
छप्पन भोग की कदर नहीं जिसे...
दाने दाने को मोहताज बनाया।
तेरे आगे न किसी की चली..
न बिगड़ी किसी की बनी।
धुप मे रन रन करती धरती..
सावन मे बूंदों से हरियाली सनी।
हे ईश्वर.. तूने जो ठानी... वही है होनी..।
होटों पर मुस्कान.. और आँखों मे पानी।

संदेशा

रमेश गायकवाड रागा, हैदराबाद

ओ श्याम रंग के कितने शाम ढल गए
तेरे नजरों से हम कितने दूर हो गए
आजा मेरे प्रिये मेरे बाहों में
फिर से उन श्याम रंग के शामों में
काले काले बादल ललचा रहे
गाने रंग रंग के गीत तेरे संग
आंसू बहा रहे बादल तुझे पाने
बागों में कलियां पुकार रही
कोयल कूकने लगी हैं
बाग की कलियां खिलने लगी है
नदियां बहने लगी है
लहरें दिल को छूने लगी
आजा मेरे प्रिये मेरे बाहों में
मैंने तुझे पुकारा बार-बार
फिर से लौट आने
भेजा संदेशा भी ठंडी हवाओं से
पल पल नया मोड़ लाने
हर पल तेरे गीत गाने
युग युग तेरी प्रतीक्षा में बिता रहा हूं
आजा मेरे प्रिये मेरे बाहों में।।

बादलों भरी चांदनी

अन्जू परिहार भोपाल

श्वेत प्रभा की फैली है किरणें,
चारों तरफ उधम मचाती हिरणें।
गरज-गरज करती गर्जना,
बिजली का यूँ कड़ कड़ाना।
बिजली लेके अंगड़ाईयाँ,
नापे समुद्र की गहराईयाँ।
बादल गरजे और रेन बरसे,
तेरे दरस को नैनन है तरसे।
रिम झिम करके बरसे बादल,
ओढ़ ली हरियाली की चादर।
रात्रि की देख ये मधुशाला,
लहरों का पानी लगे मतवाला।
सन-सन करती तेज हवायें,
महक उठी ये सारी फिजायें।
छिपा है बादलों की आड़ लिए,
चन्दा निकल आया चांदनी लिए।
सांझे सकारे चंदा उजियारे,
चारु चांदनी की छटा निहारे।
जीवन की चांदनी ऐसी चमकती,
आंखों में आरजू लिए झलकती।
स्वरचित व मौलिक कविता।

बचपन वाली बारिश...

दर्शन सिंह हैदराबाद

जब कभी बचपन की सुनहरी यादें आती हैं
पतंग उड़ाना, खो खो,लट्टू घुमाना,कंचे टकराना ...
क्रीड़ाएं मन मस्तिष्क पर छा जाती हैं
बारिश का मौसम हो तो
सोने में सुहागा होता है
पानी में भींगना,
दोस्तों के साथ हंसना,
खेलना,मुस्कराना...
ऊपर से नीचे तक सुकून होता है
लेकिन जैसे ही
समय ने आगे कदम बढ़ाया
बेमतलब की गुत्थियों में उलझ गए
बचपन वाली बारिश...
हम खुद अब कागज की नाव बनाना भूल गए
मां का कथन
ज्यादा वक्त गीले कपड़ों में रहना
विभिन्न बीमारियों को आमंत्रित करता है
लेकिन अनगैली कर,
बस नटखटपन, शैतानियों से प्रभावित रहता है
अबोध जो थे,नहीं आता था क्रोध
जैसे ही अच्छे बुरे का बोध हुआ
करने लग गए शोध
परिणाम,मुस्कराहटों को पीछे छोड़ गए
बचपन वाली बारिश...
जब कभी बारिश मूसलाधार होती थी
कभी रामू तो कभी जुबैर के घर
दोस्तों की बारात सज जाती थी
निर्बोध थे, हसना हसाना,नाचना ,
गाना चलता रहता था, कब संध्या हुई,
वक्त का पता नहीं चलता था
लंबा सफ़र तय कर आए
लेकिन कहीं भावनाएं प्रदूषित हुई
चित भी मेरी पट भी मेरी समझ गए
बचपन वाली बारिश...

इश्क

इश्क के नगमे हवाओं में लहरा देना तुम।।
गर हाले दिल न सुना सको ज़माने के बीच
चलते चलते राहों में पलकें झुखा देना तुम।।
हमसे न मिल सको तो ना मिलो सरे राह,
खूबसूरत दुपटटा हवाओं में लहरा देना तुम ।।
किस्मत में तुमारा दीदार नहीं वक्त से पहले,
अपना तस्सवुर हवाओं में बिखरा देना तुम।।
याद है वो पूरा चाँद और चाँदनी के ख्वाब,
दूब का बिछौना ओश की ओढनी बिछा देना तुम।
राह में मिल जाएँ कहीं काँटे या पत्थर,
अपनी नर्म साँसों से मखमल बना देना तुम।
आती जाती हवाएँ कर जाती है तेरा जिक्र,
इश्क के नगमे हवाओं में फैला देना तुम।।
बेवजह सँवरने में वक्त जाया न किया करो,
रात में रस्कजदा चाँद को मुँह चिड़ा देना तुम।।
होश नहीं रख पाता कोई तुम्हे देखने के बाद.,
ऐसे दीवानों को उम्र कैद की सजा देना तुम।।
चले आओ सितारों में खो जाये कही हम,
रूह को मेरी अपनी रूह में मिला देना तुम।।
दुश्मन है जमाना रुस्वाइयां है हजार,
खतों को मेरे गंगा में बहा देना तुम।

खरीदार

हेमंत सुराना, उदयपुर

हे कोई खरीदार इस जहां में,
जो बंजर जमीन को गुलजार बना दे
हे कोई खरीदार इस बाजार में,
जो मेरे गम को खरीद ले
हे कोई खरीदार इस संसार में,
जो मेरे बेगुनाह गुनाहों को खरीद ले
हे कोई ताकतवर इस जगत में ,
अपनी दृढ़ता से शिखर पर पहुंचा दे
हे कोई हिम्मतवर इस दुनिया में,
अपनी पतवार से कश्ती मेरी पार करा दे
हे कोई अपना इस मेले में,
वक्त की गिरफ्तारी से आजाद करा दे
सुकून की तलाश में,
बाजार हम निकले
हे कोई खरीदार इस बाजार में,
हे कोई किरदार इस बाजार में
जो बिक गया हो,
वह खरीदार नहीं हो सकता
जो बिक गया हो
वह खरीदार नहीं हो सकता।।

तिरंगे का संदेश

आज़ादी के राष्ट्र पर्व पर
हर्ष की सुगंध बरसाने में अंबर व्यस्त,
चेतनशील भानु की किरणों से
उदय हुआ पंद्रह अगस्त,
अंतरंगों में बह रही आनंद की गंगा
आओ, लहराते राष्ट्र तिरंगा।

केएल प्रभाकर प्राण

स्वेच्छा के आकाश में
लहरता तिरंगा सुना रहा है
नव संकल्पों का संदेश
जिसमें निहित है
राष्ट्र प्रगति की परिभाषा।
आओ, सब मिलकर
लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाएँ
अपने भारत को खूब सजाएँ,
विश्वगुरु की कीर्ति है
आज़ादी की स्फूर्ति है,
हमने समझा आज़ादी का सार
अब हो, राष्ट्र प्रगति का विस्तार
विकसित भारत का सपना साकार हो
विश्व पटल पर भारत की जय-जयकार हो।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम
रविवार 11, अगस्त 2024

ढाका की दीवारों पर लिखा है किलर हसीना

संसद से लूटा सामान लौटा रहे लोग, 560 मौतों के बाद बांग्लादेश में क्या बदला?

5 अगस्त को जो हुआ, उसने बांग्लादेश को बदलकर रख दिया है। छात्रों के आंदोलन के नतीजे ने पूरी दुनिया को चौंका दिया, चौंकाने से ज्यादा डरा दिया। शेख हसीना के देश छोड़ने के पांच दिन बाद भी हिंसा के निशान बाकी हैं। इनमें संसद भवन, पीएम हाउस, शेख हसीना का ऑफिस और वो जगह भी शामिल है, जहां बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान की स्टैच्यू गिरा दी गई। इस आंदोलन में 560 मौतें हो गईं, सरकारी इमारतों में आग लगा दी गई, पुलिस स्टेशन जला दिए गए।

5 अगस्त को बांग्लादेश की संसद में हजारों की भीड़ संसद में घुस गई थी। खूब तोड़-फोड़ हुई। अंदर लगे पंखे, लाइट और कुर्सियां, जो हाथ आया, लोग सब चुराकर ले गए। हिंसक भीड़ का उन्माद ऐसा था कि लगा जैसे बांग्लादेश के हालात अब काबू में नहीं आएंगे। अब नजारा बिल्कुल अलग है। पार्लियामेंट का गेट बंद मिला, सामने की सड़क पर अच्छा खासा ट्रैफिक था। हर तरफ चहल-पहल है। पार्लियामेंट के सामने एक तख्ती लगी है, जिस पर लिखा है- जो सामान घर ले गए हैं, यहां आकर लौटा दें। यहां के निवासी रबी शहरयार 12वीं में पढ़ते हैं। माथे पर बांग्लादेशी झंडा बांधा है। रबी एक तख्ती लेकर खड़े हैं। लिखा है- गणभवन और संसद का सामान वापस करें। वे कहते हैं, 'शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया। वे देश छोड़कर चली गईं। ये हम स्टूडेंट्स की जीत है। फिर भी मुझे इस बात का बुरा लगा कि भीड़ ने इतना उत्पात मचाया, लूटपाट की। रबी जिस जगह खड़े हैं, वहां कुछ पंखे, लाइट और बाकी सामान रखा है। ये सामान लोग लूटकर ले गए थे, लेकिन बाद में लौटा गए। रबी के साथ खड़े स्टूडेंट रिजाबुल हक कहते हैं, 'अब हमें बांग्लादेश 2.0 बनाना है। इसके लिए जरूरी है कि आंदोलन के दौरान जो भी गलत हुआ है, उसे ठीक करें।' किसी भी पार्लियामेंट के बाहर आमतौर पर भारी सुरक्षा, पुलिस या आर्मी के जवान होते हैं। लेकिन यहां कोई सुरक्षा नहीं है। सुरक्षा से लेकर सारी व्यवस्थाएं स्टूडेंट ही देख रहे हैं। वे सड़कों पर ट्रैफिक कंट्रोल कर रहे हैं। गाड़ियां एक लाइन में चलें, ये भी देख रहे हैं। इनमें कॉलेज के साथ स्कूल के स्टूडेंट भी हैं। स्टूडेंट गाड़ियां रोक-रोककर लोगों से सीट बेल्ट बांधने के लिए कह रहे हैं। फिलहाल पूरा ढाका शहर बिना ट्रैफिक पुलिस और सुरक्षाकर्मियों के चल रहा है।

ढाका के बिजोयशरणी चौक पर शेख मुजीबुर्रहमान की स्टैच्यू थी। 5 अगस्त को प्रदर्शन कर रही भीड़ से कुछ लोग निकले और स्टैच्यू पर चढ़ गए। हथौड़े से स्टैच्यू तोड़कर धराशायी कर दी। अब भी स्मारक के आसपास आगजनी के निशान हैं। शेख मुजीब की याद में बने इस स्मारक की दीवारों पर प्रदर्शनकारियों ने लिख दिया- 'किलर हसीना', 'स्टूडेंट पावर', 'वी लव बांग्लादेश।' यहां मौजूद स्टूडेंट्स ने बताया कि इस जगह गिरा मलबा हमने खुद साफ किया है। हाल में स्कूल की पढ़ाई पूरी करने वालीं शिफा स्मारक के सामने की दीवार पर पेंटिंग कर रही थीं। उनके साथ पूरा ग्रुप है। शिफा कहती हैं कि दुनिया को दिखाना चाहते हैं कि हम तोड़ने वाला नहीं, जोड़ने वाला बांग्लादेश चाहते हैं। जिस नेता ने जुल्म किया, उसे सजा मिल गई है। अब हमें खुद हाथ से हाथ जोड़कर काम करना होगा। इसलिए मैं कॉलेज छोड़कर यहां आई हूं।

5 अगस्त को शेख हसीना के इस्तीफे और देश छोड़ने की खबरें मिलने के बाद भीड़ हिंसक हो गई थी। प्रदर्शन कर रहे लोग अवामी लीग की चेयरपर्सन शेख हसीना के ऑफिस में घुस गए और यहां आग लगा दी। ये ऑफिस धनमंडी एरिया में है। ऑफिस के बगल वाली बिल्डिंग में कवि और राइटर यूसुफ बन्ना रहते हैं। वे कहते हैं, 'देश में ऐसा माहौल इससे पहले कभी नहीं देखा था। मेरी आंखों के सामने करीब 2 हजार लोगों की भीड़ शेख हसीना के ऑफिस में घुस गई। इसे आग के हवाले कर दिया।

शेख हसीना के हेलिकॉप्टर से जाने की तस्वीरें सामने आईं थी, तब सभी को यही लगा था कि बांग्लादेश में कुछ बड़ा हो चुका है। इसके बाद भीड़ बंग भवन, यानी पीएम हाउस के गेट तोड़ते हुए अंदर घुस गई। अंदर लूटपाट और आगजनी की गई। बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान जिस घर में रहते थे, उसे बाद में म्यूजियम बना दिया गया था। 5 अगस्त को इस म्यूजियम में भी तोड़फोड़ हुई। भीड़ ने इसे भी जला दिया।

वॉलंटियर के तौर पर काम कर रहे अहनाफ और तहसीना अंजुम भाई-बहन हैं। दोनों म्यूजियम की दीवारें साफ कर रहे हैं। यहां प्रदर्शनकारियों ने आपत्तिजनक नारे लिख दिए थे। वॉलंटियर तोड़फोड़ के बाद जमा मलबा भी हटा रहे हैं। तहसीना कहती हैं, 'हम ये धब्बे हटाने की कोशिश कर रहे हैं। बंगबंधु म्यूजियम के क्यूरेटर एनआई खान कहते हैं, 'हमारी राष्ट्रीय धरोहर कुछ लोगों की नासमझी की वजह से तोड़ी जा रही थी। तब मैं कैसा महसूस कर रहा था उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता। अब लोग बर्बाद हुए म्यूजियम को देखने के लिए आ रहे हैं। महुआ सुल्ताना भी इनमें शामिल हैं। वे कहती हैं, 'माना कि हसीना तानाशाह थी, लेकिन लोग हमारे ऐतिहासिक म्यूजियम को क्यों बर्बाद कर रहे हैं। आखिर ऐसा करके क्या हासिल हो जाएगा।' जिन सड़कों पर गोलियां और स्मोक बम चले थे, वहां अब इनके निशान मिटाए जा रहे हैं। स्टूडेंट अलग-अलग तरह की पेंटिंग्स और आर्ट बना रहे हैं।

सरकार विरोधी आंदोलन के दौरान भीड़ ने कई पुलिस स्टेशन में आग लगा दी थी। हमले की वजह से पुलिसवाले थाना छोड़कर भाग गए थे। इसके बाद भीड़ ने सब लूट लिया। तभी से पुलिस स्टेशन खाली पड़े थे। अब सेना की मदद से धीरे-धीरे इन्हें दोबारा खोला जा रहा है। अब तक 29 पुलिस स्टेशन खोले जा चुके हैं।

प्रोटेस्ट के दौरान 4 दिन में ही 400 से ज्यादा लोग मारे गए थे। इनमें कई पुलिसवाले भी हैं। अंतरिम सरकार के नए चीफ मोहम्मद यूनुस ने देश में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति जल्द सुधारने के आदेश दिए हैं। इसके बाद धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हो रही है। हालांकि, अब भी ढाका में पुलिसवाले कम ही दिखाई दे रहे हैं। बताया जाता है कि हमले की धमकी के बाद से पुलिस अफसर अंडरग्राउंड हो गए हैं।

25 ईस्ट बंगाल रेजिमेंट के कंपनी कमांडर शाखावत खांडाकर कहते हैं, 'हमने देखा कि अपराधी किस तरह लोगों की हत्या कर रहे हैं। इनमें पुलिसवाले भी शामिल हैं। इसलिए हमने फैसला लिया कि पुलिसवालों को बचाना बहुत जरूरी है। आज हमने सेना की मदद से सभी पुलिस एक्टिविटी शुरू कर दी हैं। मैं सभी लोगों से पुलिस स्टेशन आने की अपील करता हूं।'

चीन पर काबू रखना जरूरी

ढाका में शेख हसीना शासन के पतन और उसके अंतरराष्ट्रीय प्रभाव को देखते हुए चीन का मुकाबला करने के लिए भारत एवं अमेरिका को एक संयुक्त रणनीति बनाने की सख्त जरूरत है, जिसने पहले ही अपनी विस्तारवादी नीति के जरिये हमारे अधिकांश पड़ोसियों को फंसा लिया है और बांग्लादेश उस सूची में शामिल होने वाला एक नया नाम है।

विदेश नीति के विशेषज्ञों का मानना है कि पारस्परिक हित और बाध्यता के सिद्धांत के कारण भारत और अमेरिका को बांग्लादेश के प्रति अपनी मौजूदा नीति में बदलाव लाना होगा, जो चीन और पाकिस्तान की राह पर चल रहा है और जिससे दक्षिण एशिया में सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना आरोप लगा रही हैं कि उनकी सरकार को अस्थिर करने में अमेरिका का हाथ रहा है। लेकिन भारत बांग्लादेश की नई सरकार से अलग-थलग नहीं रह सकता है, जिसका नेतृत्व वही खालिदा जिया कर सकती हैं, जो खुद को भारत-विरोधी खेमे का मानती हैं।

ढाका की नई सरकार पर खालिदा जिया और कट्टरपंथी हावी हो सकते हैं, जिससे भारत के लिए सिरदर्द पैदा हो सकता है। अमेरिका को हसीना शासन के निष्कासन से खुश नहीं होना चाहिए, क्योंकि इससे चीन मजबूत होगा, जो महाशक्ति देश के रूप में अमेरिका की जगह लेना चाहता है। इसलिए अमेरिका को भारत की मदद से चीन का मुकाबला करने की जरूरत है, क्योंकि भारत विश्व मंच पर आर्थिक ताकत के रूप में उभर रहा है। साथ ही भारत को चीन के बढ़ते प्रभाव पर नजर रखनी होगी, जिसने पहले ही मालदीव, नेपाल, म्यांमार, पाकिस्तान और श्रीलंका तक को अपने पाले में मिला लिया है। बांग्लादेश भी उसके पिछलग्गू बन सकते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि चीन का मुकाबला करने के लिए भारत को अपने 'पड़ोसी पहले' की नीति में भू-राजनीतिक बदलाव की जरूरत है। चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर तनाव पैदा किया है और भारत को कमजोर करने के लिए भारत विरोधी ताकतों को बढ़ावा दिया है। भारत अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए स्वतंत्र विदेश नीति का पालन करता है। लेकिन कई क्षेत्रों में अमेरिका की करीबी देखते हुए उस पर भरोसा किया जा सकता है, जो पारस्परिक विश्वास और लाभ के सिद्धांत पर आधारित होगा। आलोचकों का मानना है कि भारत को अपनी विदेश नीति में भारी बदलाव लाने की जरूरत है, अन्यथा चीन हावी हो सकता है, जो बीआरआई के जरिये हरेक देश में भारत विरोधी ताकतों की मदद करता है, जैसा कि बांग्लादेश में दिखाई दे रहा है।

क्या मनीष अब केजरीवाल का चार्ज संभालेंगे?

सुप्रीम कोर्ट ने किस आधार पर जमानत दी; लाखों मुकदमों पर पड़ेगा इसका असर

दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया 17 महीने बाद जेल से बाहर आ गए हैं। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथ ने दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े सीबीआई और ईडी, दोनों केस में राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने किस आधार पर जमानत दी, क्यों ये फैसला बेहद अहम है, शराब नीति मामले में आगे क्या होगा? इसकी पडताल करती रिपोर्ट।

कोर्ट ने माना कि ईडी और सीबीआई अभी तक इस केस में चार्जशीट फाइल नहीं कर पाई है। इस कारण सुनवाई ही शुरू नहीं हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एमएमएलए में ट्रायल में देरी और लंबी जेल मनी लॉन्ड्रिंग केस में जमानत देने का लीगल बेस है।

कोर्ट ने कमेंट किया कि ट्रायल पूरा होने की उम्मीद में किसी आरोपी को लंबे समय तक जेल में रखना उसके मौलिक अधिकारों का हनन है। मौजूदा मामले में 493 गवाहों के नाम हैं। हजारों पेज के दस्तावेज और एक लाख से ज्यादा पेज के डिजिटल दस्तावेज भी हैं। इससे साफ है कि निकट भविष्य में इस मुकदमे के खत्म होने की दूर-दूर तक संभावना नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमारे विचार में मुकदमा जल्दी पूरा करने की उम्मीद में अपीलकर्ता को अनलिमिटेड टाइम तक सलाखों के पीछे रखना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार से वंचित करना है। कोर्ट ने कहा कि सिसोदिया की 'समाज में गहरी जड़ें' है। इससे उनके भागने का खतरा नहीं है।

31 मार्च को ट्रायल कोर्ट ने सिसोदिया की जमानत खारिज करते हुए कहा था कि पहली नजर में मनीष सिसोदिया ही साजिशकर्ता हैं। सिसोदिया ने पत्नी की खराब तबीयत का हवाला भी दिया था। जिस पर कोर्ट ने कहा था कि ये तथ्य गलत है उनका (सिसोदिया) एक बेटा है, जो उनकी पत्नी की देखभाल कर सकता है।

इसके बाद 30 मई 2023 को दिल्ली हाईकोर्ट ने जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था कि आपके खिलाफ कदाचार के गंभीर आरोप हैं। जस्टिस दिनेश कुमार शर्मा ने कहा था कि सिसोदिया वह एक असरदार व्यक्ति हैं। इस मामले में ज्यादातर गवाह सरकारी कर्मचारी हैं। ऐसे में सिसोदिया गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। परिस्थितियों को देखते हुए कोर्ट समझता है कि सिसोदिया जमानत के हकदार नही हैं।

आज 9 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की बेंच ने कमेंट किया, लगता है ट्रायल कोर्ट और हाईकोर्ट जमानत देने के मामलों में सुरक्षित खेलने का प्रयास करते हैं। अब अदालतो को यह समझने का समय आ गया है कि जमानत एक नियम है और जेल एक अपवाद है।

ईडी और सीबीआई की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश होने वाले सरकारी वकील और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने मनीष सिसोदिया के जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में

महत्वपूर्ण तर्क दिए।

सुनवाई के दौरान ही जस्टिस विश्वनाथन ने सरकारी वकील के तर्क पर सवाल उठाते हुए कहा कि आपने मनीष सिसोदिया के खिलाफ अंतिम चार्जशीट 28 जून को दाखिल की थी। उस दिन आपने कहा कि जल्द दूसरी सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल करेंगे, मतलब आप मानते हैं कि जब तक सभी चार्जशीट दायर न हो जाए उन पर मुकदमा नहीं चलाएंगे। चार्जशीट दायर करने में अभी लंबा समय लगेगा तो क्या ऐसे में सिसोदिया तब तक जमानत नहीं दी जानी चाहिए? मनीष सिसोदिया के जमानत मामले में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में कई राउंड की मुकदमेबाजी के बाद मनीष सिसोदिया को जमानत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के बाद तीन बातों को ध्यान में रखकर मनीष सिसोदिया को जमानत दी है। 1. ट्रायल कोर्ट को मामले की मेरिट, 2. ट्रायल में देरी , 3. जल्द न्याय का अधिकार। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य मामले की मेरिट पर कोई कमेंट नहीं किया है। संविधान के अनुच्छेद- 20, 21 और 22 के अनुसार जीवन का अधिकार और व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अनुच्छेद-21 के अनुसार जल्द न्याय के अधिकार को मान्यता देते हुए कोर्ट ने यह जमानत दी है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले में इन सभी पहलुओं का जिक्र है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले संविधान के अनुच्छेद-141 के तहत देश का कानून माने जाते हैं और सभी अदालतों के लिए बाध्यकारी होते हैं। इसलिए इस फैसले के बाद लाखों अन्य कैदियों की जमानत का रास्ता खुल सकता है। मनीष सिसोदिया को दिल्ली लीकर मामले के मुख्य आरोपियों में से एक माना गया था। उनके मामलों में सॉलिसिटर जनरल ने कहा था कि 28 जून 2024 तक मामलों की जांच पूरी हो जाएगी। सिसोदिया के खिलाफ कुल मिलाकर 69 हजार पेज की चार्जशीट फाइल की है, जिसमें 493 गवाह हैं।

जांच एजेंसियों की ओर से एएसजी राजू ने दलील दी कि सिसोदिया की तरफ से कुल 27 अर्जियां दायर की गई हैं। उन्होंने अनेक बार डॉक्युमेंट मांगने की अर्जी भी लगाई है। सिसोदिया की वजह से मामले के ट्रायल में देरी हो रहा है, इसलिए इस आधार पर उन्हें जमानत नहीं मिलनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार सिसोदिया लगभग 17 महीने से जेल में हैं और घोंघे की रफ्तार से चल रहे ट्रायल का जल्द खत्म होना मुश्किल है, इसलिए उन्हें जमानत मिलनी चाहिए।

मुख्य और सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर करने के बाद इस फैसले के आधार पर केजरीवाल भी जमानत की मांग कर सकते हैं। उनके जमानत मिलने की संभावना अब ज्यादा है। हालांकि, जमानत याचिका पर उनके तर्कों को सुनने के बाद कोर्ट तय करेगी कि उन्हें जमानत देनी है या नहीं। मनीष सिसोदिया और केजरीवाल दोनों को सजा नहीं हुई है, इसलिए उनके विधायक होने में कोई अयोग्यता नहीं है। विराग के मुताबिक सिसोदिया जेल से बाहर आकर मंत्री या उपमुख्यमंत्री बन सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत की शर्तों में उनके सचिवालय जाने पर भी कोई रोक नहीं लगाई है।

ईडी और सीबीआई के मामलों के पहले सिसोदिया उप-मुख्यमंत्री रहकर मुख्यमंत्री की भूमिका का निर्वहन कर रहे थे, इसलिए पुरानी व्यवस्था फिर से बहाल हो सकती है। सिसोदिया डिप्टी-सीएम रहते हुए सीएम के दायित्व निभा सकते हैं।

केदारनाथ में फिर कुपित हो गये भोलेनाथ !

जयसिंह रावत

सदी की भयंकर मानसूनी आपदाओं में से एक सन् 2013 की केदारनाथ आपदा के 11 साल बाद 31 जुलाई की रात एक बार फिर केदार घाटी में जलप्रलय का जैसा माहौल पैदा हो गया। केदार धाम से लेकर नीचे घाटी में फंसे 15 हजार से अधिक तीर्थ यात्रियों को सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ,डीडीआरएफ, और वायएमएफ सहित थल और वायुसेना के साझा बचाव अभियान के तहत सुरक्षित निकाला जा सका। तीन यात्रियों के शव भी मलबे में बरामद हुये हैं।

केदारनाथ क्षेत्र की विशिष्ठ भौगोलिक और भूगर्वीय स्थिति ऐसी है कि वहां भूस्खलन, भूकम्प और बादल फटने जैसी प्राकृतिक घटनाओं के साथ चलने की कला सीखनी ही होगी। अगर हमने प्रकृति के प्रतिकूल जिद नहीं छोड़ी तो भगवान केदारनाथ के कोप का बार-बार भाजन बनना ही होगा मगर हमारे नीति नियंता, शासक और योजनाकार इस सच्चाई को स्वीकारने के लिये कतई तैयार नहीं हैं।

भारतीय अन्तरिक्ष संगठन (इसरो) ने 2023 में देश के भूस्खलन संवेदनशील 147 जिलों का जोखिम मानचित्र तैयार किया था जिसमें सबसे ऊपर रुद्रप्रयाग जिले को रखा था जहां 31 जुलाई को आयी आपदा के कारण इन दिनों हजारों तीर्थयात्रियों की जानें संकट में फंसी रही या अब भी फंसी हैं। दूसरे नम्बर पर उत्तराखण्ड का ही टिहरी जिला अत्यंत जोखिम की श्रेणी में रखा गया था जहां गत 26 एवं 27 जुलाई की रात को भूस्खलन से तिनगढ़ गांव तबाह हो गया और मां-बेटी जिन्दा दफन हो गये। इसरो के जोखिम मानचित्र पर पश्चिमी घाट पर्वत श्रेणी से लगे केरल के वायनाड सहित सारे 14 जिले शामिल किये गये थे।

2013 की आपदा के बाद, शासन स्तर पर केदारनाथ में डॉप्लर रेडार लगाने की बात कही गई थी जिससे मौसम का सटीक पूर्वानुमान मिल सके और इस तरह की मुश्किलों से निपटने के लिए पहले से इंतजाम किए जा सकें। उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा ने डॉप्लर रेडार लगाने के लिए ग्लोबल स्तर पर निविदा प्रक्रिया की बात भी कही थी लेकिन एक दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद भी केदारनाथ क्षेत्र में अर्ली वार्निंग सिस्टम स्थापित नहीं हो सका। विशेषज्ञों का कहना है कि केदारनाथ

में डॉप्लर रेडार स्थापित होता तो बीते 31 जुलाई को पैदल मार्ग पर बादल फटने के बाद उपजे हालात से निपटने के लिए शासन, प्रशासन को इतनी कड़ी मशक्कत नहीं करनी पड़ती।

लेकिन भारतीय भूगर्व सर्वेक्षण विभाग, उत्तराखण्ड अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र तथा गढ़वाल विश्व विद्यालय के भूवैज्ञानिकों ने केदार घाटी जो कि सबसे संवेदनशील एमसीटी के दायरे में आती है, तथा केदारनाथ धाम जो स्वयं एक मलबे पर स्थित है, वहां भारी निर्माण की सख्त मनाही कर रखी है लेकिन वहां फिर भी सौंदर्यीकरण और सुरक्षा के नाम पर बहुत भारी निर्माण कर दिया गया जो कि अब भी जारी है। यही नहीं सन् 2013 में चोराबाड़ी ग्लेशियर पर बादल फटने और ग्लेशियल झील के टूटने के कारणों भयंकर अनदेखी की गयी। दरअसल हमारे योजनाकार ही नहीं बल्कि आपदा प्रबंधक भी जलतंत्र की अनदेखी करने की भयंकर भूल कर रहे हैं। हिमालय पर ऊपर चढ़ते समय वर्षा कम होती जाती है और स्थाई हिमाच्छादित क्षेत्र में बादल बारिस की जगह वर्फ बरसाते हैं। लेकिन 2013 में ऐसा नहीं हुआ जो कि जलवायु परिवर्तन का स्पष्ट संकेत था। केदार घाटी बहुत तंग है और उसके अंत में 3,583 मीटर ऊंचा केदार पर्वत या केदार डोम है जिसे अलकनन्दा घाटी की ओर से चले बादल पार नहीं कर पाते हैं और वहीं बरस जाते हैं। तंग घाटी होने के कारण बादलों का वेग भी बहुत अधिक होता है जो कि अचानक पहाड़ से टकरा कर बादल फटने की जैसी स्थितियां पैदा हो जाती है। इसीलिये इस घाटी में निरन्तर बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं होती रहती हैं।

एक स्वेच्छिक संगठन की याचिका पर सुप्रीमकोर्ट ने 2018 में केदारनाथ की बेहद सीमित धारण क्षमता को अनुभव करते हुये वहां प्रतिदिन 5000 से कम यात्रियों को जाने की सीमा तय की थी लेकिन यात्रियों के भारी दबाव को देखते हुये राज्य सरकार ने 2022 में बदरीनाथ के लिये 16 हजार, केदारनाथ के लिये 13 हजार, गंगोत्री के लिये 8 हजार और यमुनोत्री के लिये 5 हजार तय की। सरकार पर यात्रियों से ज्यादा हितधारकों और राजनीतिक दबावों के चलते इस साल सीमा को बढ़ा कर बदरीनाथ के लिये प्रतिदिन 20 हजार, केदारनाथ 18 हजार, गंगोत्री 11 हजार और यमुनोत्री के लिये 9 हजार यात्री कर दिया गया। इससे भी दबाव कम नहीं हुआ तो सरकार ने जून में सारी सीमाएं हटा दीं। उसका नतीजा यह हुआ कि 4 अगस्त 2024 तक केदारनाथ जाने वाले यात्रियों की संख्या 10,91,316 तक और बदरीनाथ जाने वालों की संख्या 8,88,494 तक पहुंच गयी। गौर करने वाली बात यह है कि पहले सदैव बदरीनाथ जाने वाले यात्रियों की संख्या केदारनाथ से बहुत अधिक रहती थी। बदरीनाथ के लिये सीधे वाहनों से जाया जाता है जबकि केदारनाथ के लिये लगभग 21 किमी की कठिन पैदल यात्रा भी है लेकिन अब केदारनाथ में बदरीनाथ से अधिक भीड़ जा रही है। उत्तराखण्ड राज्य गठन से पूर्व पूरे सीजन में केदारनाथ के यात्रियों की संख्या औसतन 1 लाख तक और बदरीनाथ जाने वालों की संख्या 9 लाख तक होती थी। पिछले साल केदारनाथ में 19,61,277 तक तीर्थ यात्री पहुंच चुके थे। दरअसल 2013 की आपदा को अवसर में बदलने की रणनीति का ही नतीजा यात्रियों का यह सैलाब है जो कि केदारनाथ की धारण क्षमता से अत्यधिक अधिक होने से आपदा का एक कारण बन रहा है। बहुत संवेदनशील पारितंत्र वाले इन धामों में वाहनों की बाढ़ झौंकी जा रही है। केदारनाथ की जड़ में इस साल 4 अगस्त तक 1,69,575 और सीधे बदरीनाथ तक 1,01,002 वाहन पहुंच चुके थे। यही नहीं, अति संवेदनशील गोमुख तक भी इस साल अब तक 6,309 यात्री पहुंच गये जिनमें ज्यादातर कांवड़िये ही थे। प्रकृति के साथ अगर ऐसी ज्यातियां होती रहेंगी तो मानवीय संकट का टाला नहीं जा सकेगा।

आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिये विकास की अत्यन्त आवश्यकता है और हर सरकार अपने नागरिकों के लिये यही प्रयास करती भी है लेकिन इसका यह मतलब कतई नहीं कि हम प्रकृति के साथ इतनी छेड़छाड़ कर दें कि अपने ही नागरिकों को जान के लाले पड़ जांय जैसे कि अभी केदार घाटी में हो रहा है और फरबरी 2021 में उच्च हिमालयी क्षेत्र नीती घाटी में धौलीगंगा और ऋषि गंगा की बाढ़ में हो गया। इन आपदाओं के लिये हर बार वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों के सुझावों और चेतावनियों की अनदेखी को जिम्मेदार माना जा सकता है। आज धंसते हये जोशीमठ की भविष्यवाणी 1975 में मिश्रा कमेटी ने कर दी थी। लगता है कि हमारे नीति नियंताओं और शासकों ने वैज्ञानिक चेतावनियों की अनदेखी करने की कसम खा रखी है।

भारत का ऐसा रहस्यमयी मंदिर जहां तैरती है ईंटें

भारत में कई अद्भुत मंदिर हैं। उनमें से एक है काकतीय रुद्रेश्वर मंदिर, जिसे रामप्पा मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इसका निर्माण 1213 ई. में हुआ था। यह मंदिर तेलंगाना के मुलुगु जिले के पालमपेट गांव में स्थित है और भगवान शिव को समर्पित है। इसे 13वीं शताब्दी का इंजीनियरिंग चमत्कार माना जाता है, जो यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल सूची में भी शामिल है। इस मंदिर की कई चमत्कारी विशेषताएं हैं, जिन्हें जानकर आप भी हैरान हो जाएंगे!

मंदिर को पूरा करने में लगे 40 सालः प्रसिद्ध मूर्तिकार रामप्पा इस मंदिर के मुख्य वास्तुकार थे। इसका निर्माण पूरा करने में उन्हें 40 वर्ष (1173 से 1213 ई.) लगे। उन्हीं के नाम पर इस मंदिर का नाम रामप्पा रखा गया। मंदिर के निर्माण में बलुआ पत्थर, ग्रेनाइट, डोलराइट और चूने का उपयोग किया गया था। यह मंदिर अपनी जटिल नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है, जिसे आप इसकी मूर्तियों, दीवारों, स्तंभों और यहां तक कि छत पर भी देख सकते हैं।

मंदिर की चमत्कारी विशेषताएं

1- तैरती ईंटें: मंदिर का शिखर या गोपुरम बहुत विशेष ईंटों से बना है, जो इतनी हल्की हैं कि पानी पर तैर सकती हैं, जिनका वजन 0.85 से 0.9 ग्राम/सीसी है, जो पानी के घनत्व (1 ग्राम/) के समान है। cc).) से कम है इन ईंटों को बबूल की लकड़ी, भूसी और हरड़ (एक फल) की मिट्टी को मिलाकर बनाया गया था, जो इसे स्पंज जैसा बनाता है, जिससे ये ईंटें पानी पर तैर सकती हैं।

2- संगीत के स्तंभ: मंदिर के स्तंभ बेहद खास होते हैं। एक स्तंभ पर भगवान कृष्ण की मूर्ति है। उन्हें एक पेड़ पर बैठकर बांसुरी बजाते हुए देखा जा सकता है, जो गोपिका वस्त्रपहन के मिथक को दर्शाता है। भगवान की मूर्ति पर थपथपाने से सात स्वर (सा, रेगा, मा, पा, द और नी) सुनाई देते हैं।

3- ऑप्टिकल इल्यूजनः मंदिर में एक नक्काशी है जहां बीच में तीन नर्तकियां हैं, लेकिन पैर केवल चार हैं। यदि आप मध्य नर्तक के शरीर को बंद करते हैं, तो आप दो लड़कियों को नृत्य करते हुए देख सकते हैं, लेकिन जब आप लड़कियों के शरीर को दोनों तरफ से बंद करते हैं, तो मध्य पैर मध्य नर्तक के पैर बन जाते हैं।

4- गर्भ तक पहुंचती है रोशनी: मंदिर के इष्टदेव भगवान शिव हैं। दिन का प्रकाश गर्भगृह में चार ग्रेनाइट स्तंभों द्वारा प्रतिबिंबित होता है, जो आंतरिक गर्भगृह की ओर झुकते हैं, जिससे यह पूरे दिन प्रकाशित रहता है।

5- हार की छाया: मंदिर के खंभों पर मंदाकिनी की 12 काले पत्थर की मूर्तियां नृत्य करती हैं। प्रत्येक आकृति की एक अलग विशेषता होती है। काम इतना जटिल है कि वह एक मंदाकिनी पर जो हार पहनती है वह एक छाया है, जो प्राकृतिक दिखती है, लेकिन वास्तव में नक्काशीदार है। हम उसके शरीर पर छाया देख सकते हैं।

6- 13 सुई छेदः एक स्तंभ पर बारीक नक्काशी की गई है, जिसका आकार चूड़ी जैसा है। इसमें 13 छेद हैं, केवल एक छोटा सा धागा या सुई ही मूर्ति के छेद से गुजर सकती है। यह स्पष्ट नहीं है कि 13वीं शताब्दी में इसे तराशने के लिए इस्तेमाल किए गए उपकरण कितने विशिष्ट थे।

7- भूकंपरोधी: यह मंदिर अपनी भूकंपरोधी वास्तुकला के लिए भी जाना जाता है। मंदिर के निर्माण में सैंड बॉक्स तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिससे यह भूकंप की तरंगों को चमत्कारिक ढंग से अवशोषित कर सकता है।

बड़ा ही रहस्यमयी है मंदिर

कभी धरती के अंदर समा गया था इसके पीछे का पूरा गांव

यूपी का महाराजगंज जिला पड़ोसी देश नेपाल से सीमा साझा करता। इसके साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में काफी जंगल है। इन जंगलों के बीच बहुत से मंदिर और गांव भी हैं। जंगलों में मौजूद इन मंदिरों और अन्य जगहों की अपनी अलग-अलग कहानी है। निचलौल के नजदीकी जंगलों में स्थित इस मंदिर की भी एक रहस्य से भरी कहानी है।

मंदिर के पीछे हुआ करता था पूरा एक गांव

मंदिर के पुजारी बताते हैं कि इस मंदिर के पीछे एक समय में पूरा गांव हुआ करता था। फिर एक समय ऐसा आया जो पूरा गांव जमीन के भीतर धंस गया, लेकिन मंदिर वहीं का वहीं रहा। इस गांव के धंसने की वजह पूछने पर उन्होंने बताया कि गांव के लोगों की क्रियाकलाप और नियत सही न होने की वजह से ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई।

इस मंदिर का है अलग रहस्य

पहले यह मंदिर इस तरह का मंदिर ना होकर एक अत्यंत साधारण मंदिर हुआ करता था। लोगों का ऐसा मानना है कि पुजारी के सपने में मां दुर्गा आई थी, जिसके बाद इस मंदिर का निर्माण हुआ। दूर-दूर से लोग इस मंदिर के रहस्य को जानने और और मंदिर में दर्शन के लिए आते रहते हैं।

घर का नक्शा बनवाते समय किन- किन बातों का रखें ध्यान

हम जब भी अपने घर नक्शा बनवाते हैं तो हमें कुछ बातों का भी विशेष तौर पर ध्यान रखना चाहिए। वर्ना फिर वही आगे चलकर वही हमारी परेशानी का कारण बनता है और हम कुछ कर भी नहीं पाते।

सबसे पहले करें अपने घर के लिये एक अच्छे जमीन का चयन

आप जब भी अपना घर बनवाने के लिये जमीन का चयन करें, तो इस बात का सबसे पहले ध्यान रखें की जमीन अच्छी और अच्छी जगह पर होनी चाहिए साथ ही अपनी जरूरत के हिसाब से ही प्लाट का चयन करें।

वास्तु शास्त्र का रखें ध्यान

अगर आप वास्तु शास्त्र को ध्यान में रखकर अपने घर का नक्शा बनवाते हैं तो आपको ही फायदा होने वाला है, क्योंकि वास्तु के हिसाब से बनाया गया नक्शा और उस नक्शे से बनाये गए घर लोग खरीदना ज्यादा पसंद करते हैं ।

कमरों के साइज का रखें ध्यान

आप जब भी अपने घर का नक्शा बनवा रहें हो तो इस बात का विशेष ध्यान रखें की कमरों का साइज़ मध्यम ही रखना सही होगा।

क्योंकि ऐसा करने से एक्स्ट्रा स्पेस भी नहीं लगेगा और काम आसानी से हो जायेगा।

घर के नक्शे में रोशनी का रखें भरपूर ध्यान

घर के नक्शे में सबसे ज्यादा ध्यान देने वाली बात यही है की घर में हमेशा रोशनी का भरपूर स्रोत बनाए रखना के लिए खिड़कियों तथा रोशनदान में खुला स्पेस अवश्य रखें, जिससे प्राकृतिक हवा रोशनी घर में आराम से प्रवेश कर सके ।

रोगियों के लिए दवा का काम करता है गुरुग्राम का ये शिव कुंड

भारत देश में अलग-अलग संप्रदाय (धर्म) के लोग रहते हैं। जिस कारण पूरे देश में विभिन्न प्रकार के मंदिर व धार्मिक स्थल देखने को मिलते हैं। जिनका अपना ही एक खासा महत्व है। आज हम आपको एक ऐसे ही मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसकी बहुत मान्यता है। तो चलिए देर न करते हुए आपको बताते हैं इस मंदिर के बारे में जहां एक ऐसा कुंड है जिसमें स्नान करने से लोगो के स्किन संबंधित रोग दूर हो जाते हैं।

अगर बात करें आस्था और विश्वास की तो कहा जाता है कि ये हर सवाल और संदेह से कोसों परे है। यही कारण है कि कहते हैं कि अगर मनुष्य को किसी वस्तु पर आस्था हो तो उसे किसी पर भी विश्वास हो सकता है। लेकिन हमारे बीच में से ऐसे कई लोग होंगे जो इन बातों में यकीन नहीं रखते होंगे। मगर आस्था और विश्वास ऐसी चीज़ है जिसको करनी है वो करेगा ही।

आज हम आपको एक मंदिर के ऐसे ही जल कुंड के बारे में बताने जा रहे हैं जिससे बहुत से लोगों की आस्था और विश्वास जुड़ा हुआ है। मान्यताओं के यहां स्नान करने से त्वचा संबंधित बीमारियां खत्म हो जाती हैं। बता दें कि इस कुंड को शिवकुंड के नाम से जाना जाता है। शिवकुंड नई दिल्ली से लगभग 60 कि.मी. दूर हरियाणा सीमा पर स्थित है। यह शिवकुंड अरावली पर्वतमाला की तलहटी में बसे सोहना कस्बे की पहचान है। यह गुरुग्राम जिसे गुड़गांव के नाम से भी जाना जाता है से 25 कि.मी दूर है। शिव के रूप में विख्यात धार्मिक तीर्थ स्थल श्री शिव कुंभ साख्मजती अघमर्षन कुंड की गाथाएं दूर-दूर तक फैली हैं। यहीं कारण है कि यहां बहुत बड़ी संख्या में शिवभक्त देखने को मिलते हैं।

आध्यात्मिक दृष्टि के साथ-साथ यह शिवकुंड वैज्ञानिक दृष्टि से भी बहुत ही महत्वपूर्ण है। यहां वैज्ञानिक समय-समय पर आकर शोध करते हैं। कहते हैं इस कुंड से निकलने वाले जल में गंधक है, इसी प्राकृतिक गंधक के उचित मात्रा में होने के कारण त्वचा संबंधित रोगों में लाभ मिलता है। इसके अलावा शिव भक्तों का कहना है कि इस कुंड पर भगवान शिव की विशेष कृपा है। उन्हीं के आशीर्वाद से इस कुंड का गर्म जल रोगों से ठुटकारा दिलाता है।

बंजारे ने की थी इस कुंड की खोज

माना जाता है कि 900 साल पहले राजा सावन सिंह ने सोहना बसाया था। मंदिर के महंत विष्णु प्रसाद ने बताया कि चतुर्भुज नाम के एक बंजारे ने इस कुंड की खोज की और गुंबद बनवाया था। कुंड पर सोहना सहित मंदिर, भवन बनवाए और तभी से इस कुंड का नाम शिव कुंड पड़ा।

धर्मशाला का निर्माण जयपुर निवासी हरनंद राय गुलाब राय खेतान ने 1637 पिता की स्मृति में कराया था। 1542 में सरकार की ओर से लोगों को इस धार्मिक स्थल की देखभाल का कार्यभार सौंपा गया, तभी से इस कुंड की देखभाल शिव कुंड कमेटी द्वारा की जा रही है। हालांकि साल 2002 में यहां से निकलने वाले नेचुरल झरने को बंद कर दिया गया था। इसके बाद शिव कुंड मंदिर कमेटी केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत ने कुंड के लिए बोरिंग कराई थी। तभी से कुंड के नजदीक लगे ट्यूबवेल से ही गर्म पानी निकलता रहता है। इस गर्म पानी को लेकर यहां वैज्ञानिक कई बार रिसर्च भी कर चुके हैं।

काशी के अलावा कन्नौज में विराजमान हैं बाबा विश्वनाथ, सैकड़ों वर्ष पुराना है यह मंदिर

सावन का महीना चल रहा है जो कि शिव साधना का उत्तम माह माना जाता है इस पूरे महीने भक्त भोलेनाथ की भक्ति में डूबे रहते हैं और पूजा पाठ व व्रत आदि करते हैं ऐसे में आज हम आपको शिव के एक चमत्कारी मंदिर के बारे में बता रहे हैं जो कि सैकड़ों वर्ष पुराना माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में एक शिव मंदिर है जो कि बनारस के बाबा विश्वनाथ मंदिर का प्रतिबिंब माना जाता है इस मंदिर की खास बात यह है कि इस शिव मंदिर का नाम भी बाबा विश्वनाथ मंदिर है।

भगवान शिव का यह मंदिर कन्नौज के रेलवे स्टेशन से करीबी 4 किलोमीटर की दूरी पर चौधरियां पुर गांव में स्थिति है जो कि 400 साल से भी अधिक पुराना बताया जा रहा है। मान्यता है कि जो भी भक्त इस मंदिर में सच्चे मन से पूजा अर्चना करता है भगवान शिव उसकी सारी मनोकामनाओं को जरूर पूरा कर देते हैं मंदिर के पुजारी के अनुसार शिव मंदिर बनारस के बाबा विश्वनाथ मंदिर का दूसरा रूप है।

सावन के पवित्र महीने में यहां भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है भक्त यहां भगवान शिव के दर्शन व पूजन के लिए आते हैं और अपनी सभी इच्छाओं की पूर्ति का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। पुजारी के अनुसार यह शिवलिंग गंगा से बहकर यहां पर आया था। उस समय गंगा की धारा यहां तक बहती थी।

उसी दौरान बनारस के मुख्य पुजारी को एक सपना आया कि एक शिवलिंग गंगा में बहकर कन्नौज आया है इसकी स्थापना करनी है। इसके बाद शिव का आदेश समझकर भक्तों व पुजारियों ने मिलकर इस शिवलिंग की खोज की जिसके बाद शिवलिंग की स्थापना कन्नौज में की गई और तभी से शिवलिंग की पूजा अर्चना की जानें लगी।

राजस्थान का ऐसा चमत्कारी मंदिर जिसके कुंड में स्नान मात्र से ठीक हो जाती है हर बीमारी

बाबा श्याम को कलयुग का अवतार माना जाता है। श्याम को हारे का सहारा भी कहा जाता है। हर साल लाखों भक्त बाबा श्याम के दरबार में शीश जलाने आते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि बाबा श्याम कौन हैं... और खाटूश्याम जी में बाबा श्याम का मंदिर क्यों बनाया गया है... जो पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। महाभारत में उल्लेख है कि भीम के पुत्र घटोत्कच थे और उनके पुत्र बर्बरीक थे। बर्बरीक देवी माँ के भक्त थे। बर्बरीक की तपस्या और भक्ति से प्रसन्न होकर देवी माँ ने उन्हें तीन बाण दिये, जिनमें से एक से वह संपूर्ण पृथ्वी को नष्ट कर सकते थे। ऐसे में जब महाभारत का युद्ध चल रहा था तो बर्बरीक ने अपनी मां हिडिम्बा को युद्ध लड़ने का प्रस्ताव दिया. तब बर्बरीक की माँ ने सोचा कि कौरवों की सेना बड़ी है और पांडवों की सेना छोटी है, इसलिए शायद कौरव युद्ध में पांडवों पर भारी पड़ जायेंगे। तब हिडिम्बा ने कहा कि तुम हारने वाले पक्ष की ओर से लड़ोगे। इसके बाद माता की आज्ञा मानकर बर्बर लोग महाभारत के युद्ध में भाग लेने के लिए निकल पड़े। लेकिन, श्री कृष्ण जानते थे कि यदि बर्बरीक युद्ध स्थल पर पहुँच गए तो जीत पांडवों की होगी, वे कौरवों की ओर से युद्ध लड़ेंगे। इसलिए भगवान कृष्ण ने एक ब्राह्मण का रूप धारण किया और बर्बरीक के पास पहुंचे।

तब भगवान श्रीकृष्ण ने बर्बरीक से उसका शीश दान में मांग लिया। बर्बरीक ने दान स्वरूप अपना शीश बिना किसी प्रश्न के भगवान कृष्ण को दान कर दिया। इस दान के कारण श्री कृष्ण ने कहा कि कलयुग में तुम मेरे नाम से पूजे जाओगे, कलयुग में तुम श्याम के नाम से पूजे जाओगे, तुम कलयुग के अवतार कहलाओगे और हारे का सहारा बनोगे।

जब घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक ने अपना शीश भगवान श्री कृष्ण को दान में दे दिया, तो बर्बरीक ने महाभारत का युद्ध देखने की इच्छा व्यक्त की, तब श्री कृष्ण ने बर्बरीक का शीश एक ऊँचे स्थान पर रख दिया। तब बर्बरीक ने संपूर्ण महाभारत युद्ध देखा। युद्ध की समाप्ति के बाद भगवान कृष्ण ने बर्बरीक का सिर गर्भवती नदी में फेंक दिया। इस प्रकार बर्बरीक यानि बाबा श्याम का शीश गर्भवती नदी से खाटू (उस समय खाटुवांग शहर) में आ गया। आपको बता दें कि खाटूश्यामजी में गर्भवती नदी 1974 में लुप्त हो गई थी.

स्थानीय लोगों के अनुसार, पीपल के पेड़ के पास एक गाय प्रतिदिन अपने आप दूध देती थी, ऐसे में जब लोगों ने उस स्थान की खुदाई की तो वहां से बाबा श्याम का सिर निकला। बाबा श्याम का यह शीश फाल्गुन माह की ग्यारस को प्राप्त हुआ था इसलिए बाबा श्याम का जन्मोत्सव भी फाल्गुन माह की ग्यारस को मनाया जाता है। खुदाई के बाद ग्रामीणों ने बाबा श्याम का सिर चौहान वंश की नर्मदा देवी को सौंप दिया। इसके बाद नर्मदा देवी ने बाबा श्याम को गर्भ गृह में स्थापित कर दिया और जिस स्थान पर बाबा श्याम को खोदा गया था, वहां पर एक श्याम कुंड बनाया गया।

करोड़ों का बंगला ही नहीं

एक आइलैंड की भी मालकिन हैं जैकलीन

बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीस आज यानि 11 अगस्त को अपना 39वां बर्थडे सेलिब्रेट करेंगी। इस मौके पर हम आपको उनकी लग्जरी लाइफ से रूबरू करवाएंगे।

जैकलीन फर्नांडीज़ ने श्रीलंका से इंडिया आकर अपना एक्टिंग करियर शुरू किया था। हालांकि ग्लैमर वर्ल्ड में एक्ट्रेस ने सबसे पहले मॉडलिंग में कदम रखा था। फिर साल 2009 में उन्हें सुजॉय घोष की फिल्म 'अलादीन' से बॉलीवुड में डेब्यू करने का मौका मिला। इसके बाद एक्ट्रेस कई हिट फिल्मों में काम कर चुकी हैं। यही वजह है कि आज वो अपार संपत्ति की मालकिन भी बन गई हैं। जैकलीन फर्नांडीज़ ने साल 2006 में मिस श्रीलंका यूनिवर्स की प्रतियोगिता जीतकर मुंबई अपना करियर बनाने आई थी। फिर कुछ ही सालों में जैकलीन बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल हो गई। जैकलीन फर्नांडीज ने साल 2021 में मुंबई के जुहू इलाके में एक शानदार 5-बीएचके अपार्टमेंट खरीदा था। खबरों के अनुसार इसकी कीमत 7 करोड़ रुपए है। जैकलीन फर्नांडीज ने साल 2021 में मुंबई के जुहू इलाके में एक शानदार 5-बीएचके अपार्टमेंट खरीदा था। खबरों के अनुसार इसकी कीमत 7 करोड़ रुपए है। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि जैकलीन फर्नांडीज मुंबई के इस आलीशान घर के अलावा श्रीलंका में एक प्राइवेट द्वीप की भी मालिकन हैं। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि जैकलीन फर्नांडीज मुंबई के इस आलीशान घर के अलावा श्रीलंका में एक प्राइवेट द्वीप की भी मालिकन हैं। इतना ही नहीं जैकलीन के कार कलेक्शन पर नजर डालेंगे। तो आप चौंक जाएंगे। एक्ट्रेस के पास कई महंगी कारें हैं। जिनमें रोवर वोग है जिसकी कीमत

11 अगस्त को अपना 39वां बर्थडे सेलिब्रेट करेंगी

2.11 करोड़ रुपये, हम्मर एच2, इसकी कीमत 75 लाख रुपये है। इतना ही नहीं जैकलीन के कार कलेक्शन पर नजर डालेंगे। तो आप चौंक जाएंगे। एक्ट्रेस के पास कई महंगी कारें हैं। जिनमें रोवर वोग है जिसकी कीमत 2.11 करोड़ रुपये, हम्मर एच2, इसकी कीमत 75 लाख रुपये है। इसके अलावा जैकलीन के पास मर्सिडीज मेबैक एस500 भी है। इंडिया में इसकी कीमत करीब 1.86 करोड़ रुपये है।

बात करें जैकलीन की नेटवर्थ की तो मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक्ट्रेस आज करीब 116 करोड़ की संपत्ति की मालकिन बन चुकी हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो जैकलीन आखिरी बार अक्षय कुमार की फिल्म 'रातसेतु' में नजर आई थी। ये फिल्म साल 2022 में रिलीज हुई थी।

अर्जुन रामपाल का एक्स अकाउंट हैक

अभिनेता ने प्रशंसकों को आगाह कर कहा- किसी ट्वीट का जवाब न दें

अभिनेता अर्जुन रामपाल का एक्स अकाउंट (पूर्व में ट्विटर) हैक हो गया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए यह जानकारी प्रशंसकों को दी है। साथ ही उन्होंने प्रशंसकों को आगाह भी किया है कि वे किसी भी ट्वीट और मैसेज पर प्रतिक्रिया न दें।

प्रशंसकों को किया सतर्क

अभिनेता ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने अपने प्रशंसकों को सतर्क करते हुए लिखा है, 'अच्छी खबर नहीं हैं। मेरा एक्स अकाउंट हैक हो गया है। आप किसी भी मैसेज या ट्वीट का जवाब न दें'। पोस्ट पर एक्टर के फैंस भी उन्हें सावधानी बरतने का सुझाव दे रहे हैं।

इन सितारों के अकाउंट भी हुए हैं हैक

सोशल मीडिया पर बॉलीवुड की हस्तियां भी खूब सक्रिय हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम से लेकर एक्स तक लगभग हर प्लेटफॉर्म पर सितारों के अकाउंट हैं। सेलेब्स के अकाउंट पर हैकर्स की नजर रहती है। अर्जुन रामपाल से पहले भी कई स्टार्स के सोशल मीडिया हैंडल हैक हो चुके हैं। अमिताभ बच्चन का एक्स अकाउंट भी हैक हो चुका है। उनके अलावा दीपिका पादुकोण, करण जौहर और नोरा फतेही के अकाउंट पर हैक हुए थे।

पार्टनर गेब्रिएला ने जताई हैरानी

फिलहाल अर्जुन रामपाल ने अपने प्रशंसकों को सतर्क कर दिया है, जिससे कोई अभिनेता के नाम पर हैकर्स के झांसे में न आए। प्रशंसकों के साथ-साथ अभिनेता की पार्टनर गेब्रिएला डेमेट्रिड्स ने भी उनके पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए हैरानी वाला इमोजी पोस्ट किया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो अर्जुन रामपाल को बीते दिनों 'क्रैक - जीतेगा तो जिएगा' फिल्म में देखा गया था। यह फिल्म इस साल फरवरी में रिलीज हुई थी, जिसमें अर्जुन विद्युत जामवाल के साथ नजर आए थे।

मेरे पास 15 साल बचे हैं

किरण राव की 'लापता लेडीज' को प्रोड्यूस करने के पीछे ये था आमिर खान का मकसद

आमिर खान भले ही किसी फिल्म में लंबे वक्त से नजर न आए हों, लेकिन वो इंडस्ट्री में लगातार काम किए जा रहे हैं। आमिर खान का कमबैक काफी वक्त से सुर्खियों का हिस्सा बना हुआ है।

वहीं उनके प्रोडक्शन हाउस में बनी फिल्म लापता लेडीज को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। इस फिल्म को आमिर खान की एक्स वाइफ और डायरेक्टर किरण राव ने डायरेक्ट किया है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में इस फिल्म की स्क्रीनिंग रखी गई, जिसमें आमिर और किरण दोनों ने शिरकत भी की। शुक्रवार को इवेंट के दौरान आमिर ने फिल्म को प्रोड्यूस करने के पीछे का कारण भी बताया। उनका कहना था कि वह नए टैलेंट को एक मंच देकर समाज को कुछ लौटाना चाहते हैं। एक्टर ने अपने कोविड-19 वाले वक्त को याद किया जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री अपना योगदान देने के लिए अगले 15 सालों तक और एक्टिव होकर काम करने का फैसला किया।

15 साल और बचे होंगे – आमिर खान

आमिर खान ने कहा, "कोविड के दौरान, मेरे पास बहुत खाली समय था और मैं सोचता रहता था। मुझे एहसास हुआ कि मेरे पास एक्टिव होकर काम करने के 15 साल और बचे होंगेउसके बाद जिंदगी किसने देखी है। पिछले कई सालों में मैंने जो कुछ भी सीखा है, उसे मैं लोगों को वापस लौटाना चाहता हूं। इंडस्ट्री, समाज और देश ने मुझे बहुत कुछ दिया है।"

मैं नए टैंलेट को एक मंच देना चाहता हूं – आमिर खान

अपनी बात को पूरा करते हुए आमिर ने आगे कहा "मैंने सोचा था कि एक एक्टर के तौर पर मैं साल में एक फिल्म कर सकता हूं, लेकिन एक प्रोड्यूसर के रूप में, मैं कई और फिल्में बना सकता हूं। मैं नए टैंलेट को एक मंच देना चाहता हूं। मैं नए राइटर्स, डायरेक्टर्स और सभी को एक मंच दे कर सकता हूं। इस प्रोसेस में शामिल लापाता लेडीज इस लिहाज से पहला प्रोजेक्ट है। मैं इस तरह के टैंलेंट को बढ़ावा देना चाहता हूं और

उम्मीद है कि मैं एक साल में चार से पांच फिल्मों को प्रोड्यूस कर सकता हूं।" आमिर खान की फिल्म लाहौर 1947 में सनी देओल लीड रोल में नजर आने वाले हैं। आमिर इस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं, लेकिन वो फिल्म से जुड़ी हर छोटी बड़ी चीज़ों पर पूरा ध्यान दे रहे हैं। वहीं सनी देओल को एक बार फिर से बड़े पर्दे पर देखने के लिए फैन्स काफी एक्साइटेड हैं। आमिर खान भी अपने कमबैक की तैयारियों में बिजी चल रहे हैं। सितारे जमीन पर से आमिर एक बार फिर से सिनेमाघरों में दस्तक देंगे।

सास को देख इमोशनल फराह खान, पैर छूकर किया स्वागत, बोलीं- 'एक ही मां बची है'

फराह खान ने पिछले महीने ही अपनी मां को खो दिया। कोरियोग्राफर और फिल्ममेकर की मां मेनका ईरानी ने 26 जुलाई को इस दुनिया को अलविदा कह दिया। वह लंबे समय से बीमार चल रही थीं। मां के निधन के बाद अब फराह खान खुद को समेटने में जुट गई हैं और अब उन्होंने काम पर भी वापसी कर ली है। फराह ने हाल ही में अपना यूट्यूब व्लॉग भी शेयर किया, जिसमें उनके साथ उनकी दूसरी मां यानी सासू मां नजर आ रही हैं। इस व्लॉग में फराह कहीं-कहीं पर इमोशनल होती भी दिख रही हैं। फराह ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें उन्हें अपनी सास के साथ देखा जा सकता है।

फराह से मिलने पहुंचीं सास

वीडियो में जैसे ही फराह की सास उनसे मिलने आती हैं, लेकिन फराह इस दौरान भी अपने उसी अंदाज में दिखाई देती हैं जैसी वह हमेशा होती हैं। कहने को तो फराह ने अपनी सास को खाने के लिए घर बुलाया था, लेकिन जैसे ही वह पहुंचती हैं फराह उल्टा उन्हीं से खाना बनवा डालती हैं। फराह अपनी सास से मैंगलोरियन फिश करी बनवाती हैं। वह जैसे ही घर पहुंचती हैं, कोरियोग्राफर उनके पैर छूती हैं और उनका अपने घर में स्वागत करती हैं। लेकिन, इसके बाद वह कुछ ऐसा कहती हैं, जिसे सुनकर उनके फैंस भी हैरान रह जाएंगे।

फराह ने छुए सासू मां के पैर

सासू मां के आते ही फराह पहले तो उनके पैर छूती हैं और फिर उनसे कहती हैं- 'आप रोज आएंगी तो रोज पैर नहीं छू सकती हैं। जिस दिन कैमरा होगा, बस उसी दिन आपके पैर छूउंगी।' हालांकि, मजाक करते-करते फिर फराह इमोशनल हो जाती हैं और अपनी सासू मां को गले से लगा लेते हैं। इसी के साथ फराह को अपनी मां मेनका ईरानी भी याद आ जाती हैं।

फराह ने सास को लगाया गले

सास को गले लगाकर फराह कहती हैं- 'अब एक ही मां बची है मेरे पास, अब तो मुझे हर वक्त आपके पैर छूने होंगे।' वीडियो से साफ जाहिर है कि फराह अपनी सास के साथ शानदार बॉन्डिंग शेयर करती हैं। दोनों कैमरे पर एक-दूसरे को आम सास-बहू की तरह ताने मारते भी नजर आ रही हैं।

लेकिन, वीडियो से ये भी जाहिर होता है कि दोनों के बीच बेशुमार प्यार है। फराह का ये व्लॉग देखकर उनके फैंस भी काफी इमोशनल हो गए हैं। कई ऐसे यूजर हैं, जो व्लॉग के कमेंट सेक्शन में फराह को हिम्मत देते दिखे और उन्हें स्ट्रॉन्ग रहने के लिए कहा।

होटल रेड में पकड़ी गई, लगा प्रॉस्टिट्यूशन का आरोप, फिर अचानक इंडस्ट्री से हुई गायब, अब इस हाल में है ये एक्ट्रेस

श्वेता बसु प्रसाद ने साल 2002 में आई फिल्म 'मकड़ी' से बॉलीवुड में बतौर चाइल्ड एक्ट्रेस डेब्यू किया था। एक्ट्रेस ने टीवी सीरियल 'कहानी घर-घर की' से भी घर-घर में पहचान बनाई। करियर के अलावा श्वेता कई बार विवादों में भी फंसीं, जिनमें सबसे बड़ा मामला 2014 के दौरान सामने आया था। श्वेता बसु ने छोटी सी उम्र में ही अपनी एक्टिंग से लोगों को अपना दीवाना बनाया है। एक्ट्रेस ने अपना करियर बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट शुरू किया था। टीवी सीरियल 'कहानी घर-घर की' में पार्वती की बेटी बनकर श्वेता बसु ने खूब चर्चा बटोरी थी।

श्वेता बसु ने छोटी सी उम्र में ही अपनी एक्टिंग से लोगों को अपना दीवाना बनाया है। एक्ट्रेस ने अपना करियर बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट शुरू किया था। टीवी सीरियल 'कहानी घर-घर की' में पार्वती की बेटी बनकर श्वेता बसु ने खूब चर्चा बटोरी थी। इसके अलावा श्वेता बसु की फिल्में और वेब सीरीज आई हैं। जिन्हें काफी पसंद किया गया। एक्ट्रेस ने ने साल 2002 में आई फिल्म मकड़ी से बॉलीवुड में बतौर चाइल्ड एक्ट्रेस डेब्यू किया था। इसके अलावा श्वेता बसु की फिल्में और वेब सीरीज आई हैं। जिन्हें काफी पसंद किया गया। एक्ट्रेस ने ने साल 2002 में आई फिल्म मकड़ी से बॉलीवुड में बतौर चाइल्ड एक्ट्रेस डेब्यू किया था। श्वेता बसु खूबसूरती में कई एक्ट्रेसेस को मात देती हैं। एक्ट्रेस होने के साथ-साथ श्वेता लेखिका, डॉक्यूमेंट्री फिल्ममेकर और प्रोड्यूसर भी हैं। बता दें कि 11 जनवरी 1991 के दिन जमशेदपुर में जन्मीं श्वेता बसु बचपन में ही अपने परिवार के साथ मुंबई आ गई थीं। श्वेता बसु खूबसूरती में कई एक्ट्रेसेस को मात देती हैं। एक्ट्रेस होने के साथ-साथ श्वेता लेखिका, डॉक्यूमेंट्री फिल्ममेकर और प्रोड्यूसर भी हैं। बता दें कि 11 जनवरी 1991 के दिन जमशेदपुर में जन्मीं श्वेता बसु बचपन में ही अपने परिवार के साथ मुंबई आ गई थीं। पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ उन्होंने बतौर पत्रकार भी काम किया। अभिनय में रुचि होने के चलते श्वेता बचपन में ही सिनेमा जगत से जुड़ गईं।

शुरुआत में उन्होंने टीवी सीरियल्स में काम किया। पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ उन्होंने बतौर पत्रकार भी काम किया। अभिनय में रुचि होने के चलते श्वेता बचपन में ही सिनेमा जगत से जुड़ गईं। शुरुआत में उन्होंने टीवी सीरियल्स में काम किया। एक्ट्रेस सबसे पहले शाहरुख खान की फिल्म 'फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' में नजर आई थीं। इसके बाद उन्होंने 'मकड़ी' में काम किया, जिसके लिए उन्हें बेस्ट चाइल्ड आर्टिस्ट का अवॉर्ड भी मिला। एक्ट्रेस सबसे पहले शाहरुख खान की फिल्म 'फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' में नजर आई थीं। इसके बाद उन्होंने 'मकड़ी' में काम किया, जिसके लिए उन्हें बेस्ट चाइल्ड आर्टिस्ट का अवॉर्ड भी मिला। लेकिन करियर के अलावा श्वेता कई बार विवादों में भी फंस चुकी हैं, जिनमें सबसे बड़ा मामला 2014 के दौरान सामने आया। उस वक्त श्वेता को हैदराबाद के एक होटल से गिरफ्तार किया गया। उन पर प्रॉस्टिट्यूशन का आरोप लगा। श्वेता बसु स्कैंडल में भी फंसी हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार एक्ट्रेस जिस होटल में ठहरीं थी, पुलिस की उस होटल में रेड पड़ी और वहां से एक्ट्रेस को भी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद उनके कई बयान वायरल हुए, जिनमें उन्होंने ये कबूला था कि वो प्रॉस्टिट्यूशन में शामिल हैं।

कंगना रनौत ने बांग्लादेश तनाव के बीच की खास अपील, 'अपने लोगों' और 'अपनी जमीन' को लेकर कही ये बात

कंगना रनौत सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने पोस्ट्स को लेकर हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं। अभिनेत्री से सांसद बनीं कंगना किसी भी मुद्दे पर अपनी राय रखने से पीछे नहीं हटतीं। अब बांग्लादेश तनाव के बीच फिर कंगना रनौत ने एक पोस्ट शेयर करके फैंस के बीच हलचल पैदा कर दी है। कंगना ने अपने इस पोस्ट के जरिए देश की जनता को खास मैसेज दिया है और उनसे अपील भी की है, अपने लोगों और अपनी जमीन के लिए हमेशा साथ खड़े रहने की, क्योंकि शांति आसानी से नहीं मिलती। उन्होंने बांग्लादेश तनाव के बीच ये पोस्ट शेयर किया है, जिसकी अब हर तरफ चर्चा हो रही है। अपने पोस्ट में कंगना ने लिखा- 'शांति कोई हवा या सूरज की रोशनी नहीं है जिसके बारे में आप सोचते हैं कि यह आपका जन्मसिद्ध अधिकार है और यह आपको मुफ्त में मिलेगी। महाभारत हो या रामायण दुनिया के इतिहास में सबसे बड़ी लड़ाई शांति के लिए लड़ी गई है। अपनी तलवारें उठाएं और उन्हें तेज रखें, प्रतिदिन कुछ युद्ध शैली का अभ्यास करें।'

अपने पोस्ट में उन्होंने आगे लिखा- 'अगर ज्यादा नहीं तो हर दिन आत्मरक्षा के लिए 10 मिनट का समय दें। दूसरों के हथियारों के प्रति आपका समर्पण, लड़ने में आपकी अक्षमता का परिणाम नहीं होना चाहिए। विश्वास में समर्पण करना प्रेम है परन्तु भय में समर्पण करना कायरता है। इजराइल की तरह अब हम भी चरमपंथियों से घिरे हैं।

कौन है वो इकलौता सुपरस्टार, जिसे अपनी फिल्म दिखाते हैं आदित्य चोपड़ा, जॉन अब्राहम ने खोला बड़ा राज

जॉन अब्राहम 'वेदा' के साथ दर्शकों के बीच फिर एंट्री कर रहे हैं। इस फिल्म में जॉन अब्राहम के साथ शरवरी वाघ अहम रोल में हैं। पिछले दिनों ही फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया, जिसे दर्शकों से शानदार रिस्पॉन्स मिला। दूसरी तरफ सेंसर बोर्ड ने भी कुल फिल्म से 9 घंटे के कंटेंट पर कैंची चलाते हुए फिल्म को यूए सर्टिफिकेट दिया है। जॉन भी अपनी अपकमिंग फिल्म को प्रमोट करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इस बीच उन्होंने आदित्य चोपड़ा को लेकर भी एक बड़ा खुलासा किया है। जॉन अब्राहम 2023 में यशराज फिल्म्स की 'पठान' में 'जिम' का नेगेटिव रोल निभाते दिखे थे। अब जॉन ने अपने हालिया इंटरव्यू में फिल्म के प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा को लेकर बात की और खुलासा किया कि वह सिर्फ एक ही सुपरस्टार को अपनी फिल्में दिखाते हैं। कौन है ये सुपरस्टार, चलिए आपको बताते हैं।

जॉन अब्राहम का खुलासा

जॉन अब्राहम ने रणवीर अल्लाबादिया के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान खुलासा किया कि पूरी इंडस्ट्री में इकलौते शाहरुख खान वो शख्स हैं, जिन्हें आदित्य चोपड़ा अपनी फिल्म दिखाते हैं। जब जॉन पठान में काम कर रहे थे तो उन्हें फिल्म कैसे बन रही है, इस पर अपडेट पाने के लिए उन्हें अक्सर शाहरुख को फोन करना पड़ता था, क्योंकि केवल सुपरस्टार के पास ही फिल्म के डेवेलपमेंट के डिटेल की एक्सेस थी।

2023 की सबसे सफल फिल्मों में से एक थी 'पठान'

सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित और आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित 'पठान' 2023 की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर थी। इस फिल्म के साथ शाहरुख खान ने पांच साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की थी। फिल्म में जॉन अब्राहम ने शाहरुख के देशभक्त सैनिक के प्रतिद्वंद्वी की भूमिका निभाई। हालांकि, आदित्य चोपड़ा की अपनी फिल्में शाहरुख खान के अलावा किसी को ना दिखाने की सख्त पॉलिसी के चलते शाहरुख के अलावा किसी को भी इस फिल्म के डेवेलपमेंट को लेकर जानकारी नहीं होती थी।

अपने बनाए नियमों को लेकर बेहद सख्त हैं आदित्य चोपड़ा

जॉन ने कहा- 'आदित्य चोपड़ा अपनी पॉलिसी को लेकर बहुत सख्त हैं। वह शाहरुख खान के अलावा किसी को भी अपनी फिल्में नहीं दिखाते! इसलिए, मुझे जो भी जानकारी मिलती, वह शाहरुख खान से ही मिलती थी। फिल्म से पहले, मैं उन्हें फोन करता था और पूछता था, 'यह कैसा है?' और वह मुझे बताते थे। वह बहुत प्यारे हैं। हमारी एनर्जी शानदार थी।'

जॉन ने की शाहरुख की तारीफ

इस दौरान जॉन अब्राहम ने शाहरुख खान संग अपनी जर्नी के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा- 'जब मेरा करियर शुरू हुआ, तो शाहरुख मेरे जज थे और अब पठान के दौरान, मैं उनके साथ काम कर रहा था। ये मेरे लिए बहुत ही सम्मान और प्यार भरा था। वह एक बेहद स्मार्ट, बुद्धिमान व्यक्ति हैं, लेकिन बहुत देखभाल करने वाले और प्यारे भी हैं। हम वास्तव में साथ रहे।' बता दें, 2023 की शुरुआत में रिलीज हुई शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम स्टारर 'पठान' ने केवल भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ही 500 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया था।

आरबीआई के निदेशक मंडल की बैठक में शामिल हुईं वित्त मंत्री

बोलीं- बैंकिंग कानून में बदलाव जरूरी

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को बैंकों को 'कोर बैंकिंग' पर ध्यान देने की जरूरत पर जोर दिया। वित्त मंत्री ने भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल के सदस्यों की बैठक में यह टिप्पणी की। केंद्रीय बजट 2024-25 के बाद लोकसभा द्वारा वित्त विधेयक पारित करने और संसद में सरकार द्वारा पेश किए गए कुछ संशोधनों के बाद इस बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान सीतारमण ने बैंकों को अपने महत्वपूर्ण कारोबार की प्राथमिकता तय करने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा, आरबीआई और सरकार दोनों चाहते हैं कि बैंक कोर बैंकिंग पर ध्यान दें। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, हम जो बैंकिंग कानून में संशोधन ला रहे हैं। उसके कई कारण हैं। यह कुछ समय से लंबित है, इसका लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था। सहकारी क्षेत्र के बैंकिंग क्षेत्र के संबंध में भी इसमें कुछ बदलाव प्रस्तावित हैं। लोगों को अपने खातों में एक से अधिक लोगों को नॉमिनेट करने की सुविधा मिलेगी। यह एक ग्राहक-अनुकूल कदम है क्योंकि मुझे लगता है कि ग्राहकों के लिए यह विकल्प होना महत्वपूर्ण है और यह भी सुनिश्चित करना है कि नामांकित व्यक्ति को बाद में दावा करने में किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा, 'नामांकन का मुद्दा लंबे समय से

लंबित रहा है और इस बदलाव से कारोबार सुगमता में सुधार होगा। जहां तक दावा न की गई जमाराशियों का संबंध है, पिछले वर्ष हमने एक विशेष अभियान चलाया था जिसके अंतर्गत हमने प्रत्येक बैंक को सलाह दी थी कि प्रत्येक शाखा को अपनी अदावाकृत जमाराशियों के मामले में स्वयं सक्रिय रूप से कार्य करना चाहिए। शीर्ष दस गैर-दावाकृत जमाराशियों की पहचान करने के लिए विशेष कदम उठाने चाहिए और ऐसे वक्तियों तक व्यक्तियों तक पहुंचना चाहिए। प्रगति संतोषजनक रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय में हुई बैठक में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और बैंक के निदेशक मंडल के के अन्य सदस्य मौजूद थे। बैठक में बजट प्रावधानों और देश में मौजूदा आर्थिक स्थितियों पर चर्चा की गई।

इससे पहले 7 अगस्त को केंद्रीय बजट 2024-25 पर विश्वास व्यक्त करते हुए, वित्त मंत्री ने कहा था कि सरकार का दृष्टिकोण कर कानूनों और प्रक्रियाओं मेंअधिक सरलीकरण लाने और देश में विकास और रोजगार को सक्षम करने का रहा है।

आज नए खुलासे का ऐलान! अडानी के बाद अब किसका नंबर

कौन बनेगा हिंडनबर्ग का नया शिकार?

कैलिफोर्निया,10 अगस्त (एजेंसियां)। करीब डेढ़ साल पहले भारत के अग्रणी कारोबारी समूहों में एक अडानी समूह के खिलाफ सनसनीखेज रिपोर्ट लाकर सुर्खियां बटोरने वाली फर्म हिंडनबर्ग फिर से चर्चा में है। अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने भारत में नया खुलासा करने का ऐलान किया है। उसके बाद से कयासों का बाजार गर्म है।

हिंडनबर्ग के अपडेट के बाद तेज हुए कयास

हिंडनबर्ग रिसर्च ने भारतीय समय के अनुसार आज शनिवार की सुबह के करीब साढ़े पांच बजे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक छोटा अपडेट शेयर किया। अमेरिकी फर्म ने बस इतना ही लिखा- भारत, जल्दी ही कुछ बड़ा आने वाला है। यह अपडेट शेयर होते ही चर्चा के केंद्र में आ गया। सुबह के साढ़े नौ बजे तक एक्स पर हिंडनबर्ग के इस अपडेट को डेढ़ मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके थे और करीब साढ़े चार हजार बार रिपोस्ट किया जा चुका था।

पिछले साल आई थी अडानी पर रिपोर्ट

हिंडनबर्ग के इस अपडेट के बाद लोग कयास लगा रहे हैं कि अब उसका नया शिकार कौन होने वाला है। भारत में हिंडनबर्ग रिसर्च का नाम पिछले साल की शुरुआत में उस समय चर्चा में आया था, जब उसने उस समय भारत व एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अडानी के कारोबारी समूह के खिलाफ विवादास्पद रिपोर्ट जारी की थी। हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपनी उस रिपोर्ट में अडानी समूह के ऊपर कई

सनसनीखेज आरोप लगाए थे, जिनमें शेयरों के भाव में हेर-फेर करने से लेकर कारोबार में गलत तरीके अपनाने जैसे आरोप शामिल थे।

अडानी का कर दिया 86 बिलियन डॉलर का नुकसान

अडानी समूह पिछले साल जनवरी में आई उस रिपोर्ट के बाद परेशानियों में घिर गया था। डेढ़ साल गुजर जाने के बाद भी अडानी समूह अभी तक हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों से हुए नुकसान की पूरी तरह भरपाई नहीं कर पाया है। रिपोर्ट के चलते अडानी समूह के सभी शेयरों के भाव धराशाई हो गए थे। कई शेयरों पर तो एक महीने से ज्यादा समय तक लगभग हर रोज लोअर सर्किट लगता रहा था। समूह को बाजार पूंजीकरण में उस समय 86 बिलियन डॉलर का भारी-भरकम नुकसान उठाना पड़ गया था।

अब तक नहीं साबित हुए एक भी आरोप

हालांकि हिंडनबर्ग रिसर्च के तमाम आरोपों को अडानी समूह ने सिरे से खारिज किया था और उसे भारत के ऊपर हमला बताया था। बाद में बाजार नियामक सेबी ने हिंडनबर्ग के आरोपों की जांच शुरू की, जिसकी निगरानी सुप्रीम कोर्ट ने की। अब तक हिंडनबर्ग के द्वारा अडानी पर लगाए गए एक भी आरोप साबित नहीं किए जा सके हैं। इस कारण कई लोग ऐसा मानने लगे हैं कि हिंडनबर्ग रिसर्च ने जानबूझकर अडानी समूह को निशाना बनाया था और उसमें उसके निहित स्वार्थ थे।

यूजर करने लगे हिंडनबर्ग पर बैन की मांग

शॉर्ट सेलर फर्म के नए अपडेट पर खास तौर पर भारतीय यूजर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। कुछ यूजर तो यहां तक मांग कर रहे हैं कि भारत सरकार को हिंडनबर्ग रिसर्च का एक्स हैंडल भारत में बैन कर देना चाहिए, क्योंकि अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म सिर्फ सनसनी बनाकर लोगों को नुकसान पहुंचाती है।

हैदराबाद में सोने का भाव

हैदराबाद,10 अगस्त (एजेंसियां)। सोने की कीमत 24 कैरेट के लिए 70,090 प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 64,250 है।

आजादी के बाद यूं बदलती गई देश की इकोनॉमी

पहले स्वतंत्रता दिवस से अब तक हुए ये बड़े बदलाव

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। आजाद भारत में लगभग 6 दशक बाद ऐसा होने जा रहा है जब देश का प्रधानमंत्री लगातार 11वीं बार लाल किले से राष्ट्र को संबोधित करने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अगस्त को 78वें स्वतंत्रता दिवस पर ये कीर्तिमान बनाने जा रहे हैं और एक बार फिर वह भारत को विकसित बनाने के अपने संकल्प के बारे में बात करने वाले हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि आज भारत इतनी बड़ी आर्थिक शक्ति कैसे बना है? अंग्रेजों से आजाद होने के बाद 1947 से अब तक देश की इकोनॉमी कैसे बदली है? चलिए जानते हैं इसके बारे में...ये बात आपने कहीं ना कहीं जरूर सुनी या पढ़ी होगी कि अंग्रेजों ने भारत का कितना शोषण किया था।

जब देश आजाद हुआ था, तो उसकी हालत खस्ता थी। ऐसे में तब देश के पहले प्रधानमंत्री बने पंडित जवाहर लाल नेहरू के सामने भारत को एक देश के तौर पर दोबारा खड़े करने की चुनौती थी। देश की अर्थव्यवस्था को नए सिरे से बनाना था। इसलिए उस

दौर में मिश्रित अर्थव्यवस्था के मॉडल को चुना गया, जिसे आम भाषा में नेहरू मॉडल भी कहते हैं। देश की आजादी से अब तक इसी तरह के कई बदलाव इकोनॉमी ने देखे हैं।

नेहरू मॉडल और अर्थव्यवस्था

आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू को देश की इकोनॉमी को उस दौर में दोबारा खड़ा करना था, जब दुनिया पूंजीवाद और साम्यवाद के दो धड़ों में बंटी थी और शीत युद्ध लड़ रही थी। ऐसे में भारत जैसे बड़े देश के लिए उन्होंने खुद का आर्थिक मॉडल बनाया और मिश्रित अर्थव्यवस्था को चुना।पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू ने सरकार के खर्च पर बड़े-बड़े कॉरपोरेशन, पेट्रोलियम और स्टील कंपनियां बनाईं। वहीं बड़े-बड़े रिसर्च और एजुकेशनल इंस्टीट्यूट भी खड़े किए। प्राइवेट सेक्टर को भी सरकार की निगरानी में काम करने की छूट दी गई और सभी को पंचवर्षीय योजना के लक्ष्यों के साथ राष्ट्र निर्माण के धागे में पिरोया गया।अंग्रेजों के देश में पैर जमाने से पहले साल 1700 में वर्ल्ड इकोनॉमी में भारत का योगदान 22.6 प्रतिशत था, जो 1952 में सिर्फ 3.8 प्रतिशत रह गया था।

जब देश को मिली फूड सिक्योरिटी

भारत आज भले दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है, लेकिन आजादी के समय भी भारत की आबादी कम नहीं थी। इतनी बड़ी आबादी का पेट दूसरे देश से खाद्यान्न को आयात करके नहीं किया जा सकता। इसलिए भारत को अपनी 'आत्मनिर्भर' फूड सिक्योरिटी चाहिए थी। ये भारत की इकोनॉमी के लिए जरूरी भी था।इसलिए 1965 के दौर में प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कार्यकाल में भारत ने 'हरित क्रांति' शुरू की। इसी की बदौलत आज सरकार देश में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज बांट पा रही है।

जिसके घर के गैराज में शुरू हुई गूगल यूट्यूब, उस पूर्व सीईओ सुजैन वोजश्की की कैंसर से हुई मौत

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। करीब 2 साल तक कैंसर से तगड़ी जंग लड़ने के बाद यूट्यूब की पूर्व सीईओ सुजैन वोजश्की ने इस दुनिया से अंतिम विदा ले ली है। दुनिया की सबसे बड़ी वीडियो स्ट्रीमिंग सर्विस यूट्यूब को लीड करने वाली सुजैन वोजश्की की उम्र अभी 56 साल ही थी। उनके निधन पर गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने एक भावुक संदेश पोस्ट किया है। सुजैन वोजश्की की मौत की जानकारी उनके एक्स-हसबैंड डेनिस ट्रॉपर ने एक फेसबुक पोस्ट पर दी। उन्होंने लिखा कि हमने 26 साल तक पति-पत्नी का जीवन बिताया और तुम हमारे 5 बच्चों की मां हो। दो साल तक फेफड़ों के स्मॉल सेल कैंसर से जूझने के बाद तुमने इस दुनिया को विदा कह दिया है। उन्होंने लिखा कि सुजैन ना सिर्फ उनकी बेस्ट फ्रेंड और पार्टनर थी। बल्कि वह एक बेहतरीन बुद्धि की मालकिन थीं और बच्चों पर प्यार लुटाने वाली मां भी। वह कई लोगों की दोस्त है। उसने हमारे परिवार पर तो असर डाला ही, साथ ही दुनिया पर भी बहुत बड़ा असर डाला। हमारा दिल टूट चुका, लेकिन इस बात की खुशी भी कि उसके इस दुख भरे पलों में हम साथ रहे। कृपया हमारे परिवार को अपने दिल में जगह दें, क्योंकि हम अभी मुश्किल वक्त से गुजर रहे हैं।सुजैन वोजश्की की मौत पर गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने 'एक्स' पर एक पोस्ट

लिखी है। उनका कहना है, " अपनी प्यारी दोस्त सुजैन वोजश्की के जाने से बहुत ज्यादा दुखी हूं। अभी इस घटना पर मैं विश्वास ही नहीं कर पा रहा हूं। वह 2 साल से कैंसर से जूझ रही थी। गूगल के इतिहास में उसकी भूमिका उतनी ही अहम है, जितनी किसी और की। उसके बिना इस दुनिया की कल्पना करना काफी मुश्किल है।"सुंदर पिचाई ने कहा, " वह (सुजैन वोजश्की) एक अविश्वसनीय शख्सियत, लीडर और दोस्ती थी, जिसने पूरी दुनिया पर असर डाला। मैं उन अनगिनत गूगलर्स में से एक हूं, जो उसके बारे में जानते हैं। हम उसे बहुत याद करेंगे। इस मौके पर हम उसके परिवार के साथ हैं। सुजैन की आत्मा को शांति मिले।"सुजैन वोजश्की, दुनिया की सबसे बड़ी वीडियो स्ट्रीमिंग सर्विस यूट्यूब की 9 साल तक सीईओ रहीं। मनी कंट्रोल की एक खबर के मुताबिक फरवरी 2023 में उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दिया। वह गूगल के शुरुआती दिनों से उसके साथ हैं, तब कंपनी एक किराए के गैराज में चला करती थी। उनके माता-पिता के घर का गैराज ही लैरी पेज और सर्जेई ब्रिन ने 1998 में किराए पर लिया था।

बांग्लादेश संकट का भारत पर हो रहा आर्थिक असर

वित्त मंत्री ने कहा- अनिश्चितता की जद में आए ये सेक्टर

बांग्लादेश,10 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में जारी राजनीतिक उठा-पटक के बीच उसका आर्थिक असर भारत में भी महसूस होने लगा है। खास तौर पर गारमेंट और निटेड सेक्टर बांग्लादेश संकट के चलते अनिश्चितता का शिकार हो रहे हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को यह बात स्वीकार की। वित्त मंत्री रिजर्व बैंक के सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की आज 10 अगस्त को हुई बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रही थीं। उनके अनुसार, भारत में ये दोनों सेक्टर मौजूदा संकट के चलते कुछ हद तक अनिश्चितता की जद में आए हैं। वित्त मंत्री के अनुसार, अभी व्यापक असर के बारे में कुछ कह पाना जल्दीबाजी है। हम निम्न-आय वाले देशों के लिए ड्यूटी व कोटा पर उदार रवैया रखते हैं। ऐसे में वे हमें ज्यादा निर्यात कर पाते हैं और हम पहले आयात करते हैं। ऐसे में गारमेंट व निटेड सेक्टर पर कुछ असर हुआ है। वित्त मंत्री ने बांग्लादेश में भारत की कंपनियों के द्वारा किए गए निवेश को लेकर कहा- हम उम्मीद करते हैं कि निवेश सुरक्षित हैं। उसके अलावा बांग्लादेश की स्थिति का भारत पर क्या आर्थिक असर हो सकते हैं, उसके बारे में अभी कहना बहुत जल्दीबाजी होगी।अभी मैंने और कई अन्य लोगों ने बांग्लादेश में हमारी टेक्सटाइल इंडस्ट्री के निवेश को मामले को लेकर चर्चाएं की हैं। बांग्लादेश में तमिलनाडु

की कई टेक्सटाइल कंपनियों ने निवेश किया हुआ है। इससे पहले रेटिंग एजेंसी केयरएज ने एक रिपोर्ट में कहा था कि बांग्लादेश में जारी अस्थिरता भारतीय गारमेंट इंडस्ट्री के लिए नए अवसर बना सकती है। एजेंसी के अपुसार, भारत के गारमेंट मेकर बांग्लादेश में अनिश्चितता की स्थिति का लाभ उठा सकते हैं और वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकते हैं। केयरएज के अनुसार, बांग्लादेश संकट से भारतीय गारमेंट मेकर के लिए निकट भविष्य में 200-250 मिलियन डॉलर और मध्यम अवधि में 300-350 मिलियन डॉलर प्रति माह के निर्यात के मौके बन सकते हैं।

बांग्लादेश में शेख हसीना की अगुवाई वाली सरकार के तख्तापलट के बाद नोबल विनर अर्थशास्त्री मोहम्मद युनूस की अगुवाई में कार्यवाहक सरकार का गठन हुआ है। हालांकि अभी भी बांग्लादेश में अस्थिरता का माहौल कायम है और स्थितियां सामान्य नहीं हो पाई हैं। इससे वहां के उद्योग खासकर टेक्सटाइल सेक्टर पर गंभीर असर पड़ने की आशंका है, जो बांग्लादेश के कुल निर्यात में 80 फीसदी और जीडीपी में 15 फीसदी का योगदान देता है।

मच्छर के 'डंक' से परेशान हैं हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियां

नई दिल्ली,10 अगस्त (एजेंसियां)। मच्छरों का डंक हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों पर भारी पड़ रहा है। बीमा कंपनियों को मिले हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम्स में से लगभग एक तिहाई की वजह मौसमी संक्रामक बीमारियां है। इनमें मच्छर की वजह से फैलने वाली डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां शामिल हैं। जुलाई और अगस्त के महीनों में मच्छर के काटने से होने वाली बीमारियों को दावों में तेजी आती है। साथ ही गंदे पानी से होने वाली पेट की बीमारियों के लिए भी हेल्थ इंश्योरेंस के दावे बढ़ जाते हैं। इसी तरह सर्दियों में ब्रोंकाइटिस या इन्फ्लूएंजा का प्रकोप बढ़ जाता है। इसमें से कई बीमारियों के सीधा संबंध गंदगी से है। यानी साफ-सफाई से इस तरह की बीमारियों और उनसे जुड़े हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम्स को टाला जा सकता है। हालांकि आंकड़े बताते हैं कि इन बीमारियों से समाज का हरेक वर्ग प्रभावित होता है। पॉलिसीबाजार की एक हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम स्टडी के मुताबिक मौसमी बीमारियों के कुल दावों में डेंगू और मलेरिया जैसी मच्छर से होने वाली बीमारियों का हिस्सा 15% है। इनके इलाज में आमतौर पर 50,000 रुपये से 1,50,000 रुपये तक खर्च है। जुलाई और अगस्त में इन बीमारियों से जुड़े हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम बढ़ जाते हैं। इसकी वजह यह है कि बारिश का मौसम मच्छरों के पनपने के लिए आदर्श होता है। एक और बीमारी जो मॉनसून के दौरान चरम पर होती है। वह है गैस्ट्रोएंटेराइटिस यानी पेट की बीमारी। इसके इलाज का खर्च मलेरिया जितना ही है। सीजनल क्लेम्स में इस बीमारी का हिस्सा 18% है। मौसमी बीमारियों के दावों में एलर्जी की हिस्सेदारी 10% है। सर्दियों में इन्फ्लूएंजा और ब्रोंकाइटिस के कारण दावों की संख्या 20% और 12% तक पहुंच जाती हैं। हालांकि इनके इलाज में 25,000 रुपये से 1 लाख रुपये तक खर्च होते हैं। पॉलिसीबाजार के हेल्थ इंश्योरेंस हेड सिद्धार्थ सिंघल ने कहा कि यदि आप विकसित देशों को देखें, तो वहां मौसमी बीमारियों की हिस्सेदारी विकासशील देशों की तुलना में बहुत कम है। भारत के मामले में गुरुग्राम जैसे देश के विकसित इलाकों में भी जल जमाव और मच्छरों के पनपने की समस्याएं हैं। इससे मच्छर के काटने से होने वाली बीमारियों से जुड़े दावों में बढ़ोतरी होती है।

10000 रुपये का हुआ ट्रेन टिकट, सस्ती मिल रही फ्लाइट, रेलवे है या एयरलाइन

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे देश की लाइफलाइन है। भारतीय रेल की पटरियां शरीर में मौजूद नसों की तरह देश के गांवों, कस्बों, शहरों और मेट्रो सिटीज को आपस में जोड़ने का काम करती हैं। रेलवे को कम पैसों में लोगों को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने के लिए जाना जाता है। मगर, अब रेलवे मॉडर्न हो रही है। इसका असर रेलवे टिकट की कीमतों पर भी पड़ रहा है। रेलवे के टिकट की कीमतें अब एयरलाइन को मात दे रही हैं। कुछ ऐसा ही हुआ है बेंगलुरु से कोलकाता के बीच चलने वाली हावड़ा एक्सप्रेस के साथ। इसके टिकट की कीमत 10,000 रुपये का जादुई आंकड़ा पार कर गई है। इसे देखकर लोगों में काफी रोष है। भारतीय रेलवे ने कुछ सालों पहले डायनामिक प्राइसिंग सिस्टम लागू किया था। इसमें डिमांड के हिसाब से टिकट की कीमतें बढ़ती रहती हैं। मगर, यह 4 गुना तक हो जाएंगी, इसकी कल्पना शायद किसी ने नहीं की होगी। आमतौर पर एसएमवीबी हावड़ा एक्सप्रेस का टिकट 2,900 रुपये का पड़ता है। मगर, यह टिकट प्रीमियम तत्काल सिस्टम के तहत 10,100 रुपये का मिल रहा था। एक रेडिट यूजर ने इसका स्क्रीनशॉट भी शेयर किया है। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने डायनामिक प्राइसिंग सिस्टम की निंदा शुरू कर दी।

प्रीमियम तत्काल सिस्टम को आईआरसीटीसी ने लागू किया था। इसे तत्काल टिकट व्यवस्था से अलग रखा गया है। तत्काल सिस्टम में टिकट की कीमत फिक्स रहती है लेकिन, प्रीमियम तत्काल में बढ़ती ही जाती है। इस व्यवस्था पर पहले भी कई बार सवाल खड़े किए जा चुके हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क मे	कर्क-	04-12 बजे
चंद्र-	तुला मे	सिंह..	06-25 बजे
मंगल	वृष मे	कन्या..	08-32 बजे
बुध-	सिंह मे	तुला...	10-36 बजे
गुरु-	वृष मे	वृश्चिक..	12-46 बजे
शुक्र-	सिंह मे	धनु....	15-00 बजे
शनि-	कुंभ. मे	मकर...	17-07 बजे
राहु-	मीन मे	कुंभ...	18-57 बजे
केतु-	कन्या मे	मीन-	20-36 बजे
		मेष---	22-11 बजे
		वृष--	00-05 बजे
		मिथुन-	01-56 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-01 सूर्यास्त. - 18-40
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल .. पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी 07- 55 पूर्ण दिनरात तक
मास - श्रावण शुक्ल , रविवार 11 August
नक्षत्र - स्वाति 08-32 पूर्ण दिनरात तक
योग - शुभ 15-48 तक उप शुक्ल
करण- गर 18-53 तक उप वणिज
विशेष:- श्री तुलसी ज.
व्रत -त्योहार - शील सप्तमी

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 17:07 से 18:43 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	06:01 - 07:35 अशुभ	शुभ.	18:40 - 20:08 शुभ
चंचल	07:35 - 09:10 शुभ	अमृत.	20:08 - 21:32 शुभ
लाभ	09:10 - 10:46 शुभ	चंचल.	21:32 - 22:57 शुभ
अमृत	10:46 - 12:21 शुभ	रोग...	22:57 - 00:21 अशुभ
काल	12:21 - 13:57 अशुभ	काल.	00:21 - 01:46 अशुभ
शुभ	13:57 - 15:32 शुभ	लाभ.	01:46 - 03:10 शुभ
रोग	15:32 - 17:07 अशुभ	उत्पात	03:10 - 04:35 अशुभ
उत्पात	17:07 - 18:40 अशुभ	शुभ	04:35 - 06:01 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
मेहनत से कांम करें और जमकर आनंद उठायें ।आज आप पुरे दिन इसी सिद्धांत पर चलेंगे और यह उपयुक्त भी है । दिन की शुरुआत सामान्य होगी लेकिन अंत दोस्तों और परिवार के साथ जश्न से होगा । आपकी लोगों को हंसाने की क्षमता और खुशमिजाज स्वभाव बड़ी पार्टी की मेजबानी के लिए भी उपयुक्त है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज सावधान रहें । आपके प्रतिद्वंदी आपके खिलाफ योजनाये बनाकर आपको नुक्सान पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन आप आसानी से उनपर जीत हासिल कर पायेंगे,मजेदार तो यह है कि खुद उन्हें भी आपकी उपलब्धि के लिए आपकी तारीफ करनी होगी । इस गंभीर स्थिति को थोडा हल्का-फुल्का बनाने के लिए दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
ऐसी स्थितियां आ सकती हैं जो आपको बिना सोचे काम करने के लिए उकसायें । यह सही समय है जब आपको सब कुछ अपने नियंत्रण में रखकर युद्ध स्तर पर काम करना है । अपने बच्चों या छोटे बहन भाइयों के लिए सुरक्षात्मक रवैया अपनाएँ । आप बहुत अच्छी तरह सामाजिक गतिविधियों में शामिल होंगे और यहां आपका बहुत अच्छा स्वागत होगा।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है । अगर आप अपनी नौकरी या करियर में कोई बदलाव लाने या कोई नया सम्बन्ध बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आज से अच्छा कोई भी दिन नही हो सकता । अगर आपको इसमें कोई जोखिम लगता भी है तो भी एक मौका जरुर लें और सब कुछ जैसे आप चाहते हैं,बिलकुल वैसे ही होने की पूरी संभावना है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपके सामने नए अवसर प्रस्तुत होने वाले हैं । आप आज तक अपनी जिस प्रतिभा को केवल हॉबी मानते आये थे,उससे अपनी आजीविका कमा सकते हैं । जीवन के हर क्षेत्र में नए बदलाव होंगे जो आपके जीवन को पूरी तरह बदलकर रख देंगे । आप अपने जीवन से संतुष्ट अनुभव करेंगे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
अपने प्रति ईमानदार रहें क्योंकि इसी से आप हरेक स्थिति में खुश रह पायेंगे । केवल दूसरों की परवाह करने के लिए अपनी इच्छाओं का बलिदान न करें ,जो आपको भी अच्छा लगे,वही करें । आपको यह सोचने में कुछ समस्या हो सकती है कि कहां से शुरू करूं,इसलिए सारे पहलू देखकर अपनी प्राथमिकताएं तय कर लें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी बन रही है की आपको सुधार करने एवं स्वस्थ होने का विशेष अवसर मिलने वाला है । आप भूतकाल में की हुई अपनी किसी गलती को स्वीकार कर लेंगे और सामने वाले को संतुष्ट करने में कामयाब रहेंगे । ऐसा करके आप अपने दिल से काफी बड़ा बोझ उतार पायेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है । अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी । हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज चलते हुए सावधान रहें । हलकी खरोचें आ सकती हैं । न चाहते हुए भी आप किसी करीबी को बातों-बातों में नाराज कर सकते हैं । आज केवल अपने काम से ही मतलब रखना उपयुक्त रहेगा । सिनेमा या किसी और मनोरंजक कार्यकलाप में समय बिता सकते हैं ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप अपने आप को विभिन्न दिशाओं में आकर्षित अनुभव कर रहे हैं और समझ नही पा रहे कि क्या किया जाना चाहिए ? यह परेशानी आज और ज्यादा बढ़ेगी और आपके लिए फैसला लेना और भी मुश्किल हो जाएगा । आपको सावधानी से काम लेना होगा क्योंकि आपके फैसले लेने की क्षमता भावनाओ और दुसरे कारणों से प्रभावित हो सकती है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज आप नए दोस्त बना सकते हैं और नए काम हाथ में ले सकते हैं । हमेशा की तरह अपने आप में यकीन बनाये रखें । इससे आप अपने लिए हर तय मंजिल तक पहुच पायेंगे । भविष्य की योजनायें बनाने के लिए बहुत अच्छा समय है,लेकिन वित्तीय स्थिति का ध्यान रखें ,जरुरत पड़ने पर ही खर्च करें ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज आप अपने वित्त के संबंध में दुविधा की स्थिति में रहेंगे । विरोधाभासी ग्रहों के प्रभाव की वजह से अलग अलग दिशाओं में आपका अंतर्मन भागेगा । आप महंगी खरीदारी के बारे में सोचेंगे , लेकिन आखिरी समय में अंतिम निर्णय लेने में आपको मुश्किल हो सकती है। इस तरह की दुविधा आपके निवेश में भी प्रतिबिंबित होगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

विनेश फोगाट के अयोग्य घोषित होने में केंद्र सरकार की साजिश

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का बड़ा आरोप

रायपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। ओलंपिक कुश्ती के फाइनल मुकाबले से पहले अयोग्य घोषित की गई विनेश फोगाट को लेकर नई सियासत छिड़ गई है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने इस पूरे मामले में सवाल उठाया है। विनेश फोगाट की अयोग्यता को लेकर उन्होंने कहा कि पूरा देश जानता है कि सच्चाई क्या है और भारतीय जनता पार्टी चाहे खुद को कितना भी साफ करने की कोशिश कर ले, कहीं न कहीं इस पूरी साजिश में भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार का हाथ है।

हॉकी टीम के पदक जीतने और विनेश फोगाट के अयोग्य घोषित होने पर दीपक बैज ने कहा कि हॉकी टीम को पदक जीतने पर बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं। पूरा देश खिलाड़ियों के साथ है। वहीं, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारी बहन, हमारी खिलाड़ी विनेश फोगाट, जो थोड़ी सी प्रशासनिक लापरवाही से चूक गई, सरकारी तंत्र की साजिश का शिकार हो गई। फिर भी आज हमारा पूरा देश उसके साथ खड़ा है। शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा, विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आज मैं माननीय मुख्यमंत्री को पत्र लिख रहा हूं कि प्रदेश में आदिवासी मुख्यमंत्री होने के बावजूद उनके राज में आदिवासी सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा, राज्य में फर्जी नक्सली मुठभेड़ों में लोग मारे जा रहे हैं। डायरिया और मलेरिया से लोग मर रहे हैं। जल और जंगल छीने जा रहे हैं।

महिला नक्सली का जंगल में था खौफ

दो के सिर पर था 8-8 लाख का इनाम, तीन माओवादियों का सरेंडर

बीजापुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षाबल के जवान लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। राज्य में नक्सलियों के खिलाफ अभियान चल रहा है। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर जिले में सबसे ज्यादा नक्सली हैं। पुलिस और सुरक्षाबल के जवान इन इलाकों में लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। शुक्रवार को बस्तर के बीजापुर जिले में सुरक्षाबल के जवानों को बड़ी सफलता मिली है। माओवादी विचारधारा से परेशान होकर तीन हार्डकोर नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया। जिन नक्सलियों ने सरेंडर किया है उनमें से दो के सिर पर 8-8 लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था। नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में तीन नक्सलियों ने शुक्रवार को सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इन तीन में से दो नक्सलियों के सिर पर इनाम था। अधिकारियों ने बताया कि तीन नक्सलियों रमेश फरसा, महिला नक्सली मनकी माड़वी और लक्ष्मण पोटाम ने आत्मसमर्पण किया। उन्होंने बताया कि नक्सली रमेश फरसा और मनकी माड़वी के सिर पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम था। रमेश फरसा की उम्र 25 साल जबकि मनकी माड़वी के उम्र मात्र 22 साल है। अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों ने माओवादियों की विकास विरोधी भेदभाव पूर्ण नीति, उपेक्षा और जीवन शैली क्षुब्ध होकर आत्मसमर्पण किया।

उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के खिलाफ पुलिस दल पर हमला और अन्य नक्सली घटनाओं में शामिल होने का आरोप है। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति के तहत 25-25 रुपये हजार प्रदान किये गये।

बिहार-झारखंड में मोस्ट वांटेड नक्सली कमांडर सीताराम रजवार गिरफ्तार

दोनों राज्यों में घोषित था 13 लाख का इनाम

पलामू, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार-झारखंड में 51 नक्सल वारदातों में वांटेड रहे माओवादी सीताराम रजवार उर्फ रमन रजवार को झारखंड के पलामू जिले की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उस पर झारखंड सरकार ने 10 लाख और बिहार सरकार ने 3 लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। 65 वर्षीय सीताराम रजवार पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र में झपिया पहाड़ के पास अपने दस्ते के साथ रुका हुआ था और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी कर रहा था। पलामू की एसपी रिष्मा रमेशन ने एक प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की ओर से चलाए गए ऑपरेशन के दौरान सीताराम रजवार को पकड़ा गया। माओवादी संगठन में उसका ओहदा जोनल कमांडर का है। उसके साथ 15 लाख का इनामी नितेश यादव भी था, लेकिन पुलिस टीम को देखते ही वह अंधेरे का फायदा उठाकर अपने दस्ते के साथ भागने में सफल रहा। एसपी ने बताया कि सीताराम रजवार बिहार के औरंगाबाद जिला अंतर्गत एनटीपीसी खैरा थाना क्षेत्र के सलैया गांव का रहने वाला है। वह बिहार और झारखंड दोनों राज्यों में बड़े नक्सली कांडों में शामिल रहा है। उसके खिलाफ 28 केस दर्ज हैं। बिहार, औरंगाबाद और गया जिलों के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में उस पर 23 एफआईआर दर्ज हैं। उसके खिलाफ वर्ष 1995 में पहला मुकदमा दर्ज किया गया था। सीताराम एके-56 लेकर चलता था। वर्ष 2001 में बिहार के माली थाने पर हमला बोलकर छह पुलिसकर्मियों की हत्या और हथियारों की लूट, औरंगाबाद जिले में एक जमींदार की हत्या, मोनबार में जन अदालत लगाकर चार लोगों को फांसी पर चढ़ा देने, वर्ष 2009 में विधानसभा चुनाव के समय झारखंड के मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र में पोलिंग पार्टी पर हमला, काला पहाड़ में पुलिस वाहन को उड़ाने जैसी घटनाओं की अगुवाई सीताराम रजवार ने ही की थी।

प्रकृति में ही छिपा है लाईफ स्टाईल रोग मधुमेह का इलाज

गया, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शोधकर्ताओं का कहना है कि मधुमेह पर काबू पाने में भारतीय औषधीय पौधे असरदार हैं। एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बिहार के गया स्थित ब्रह्मयोनी पहाड़ी पर मौजूद औषधीय पौधों की क्षमताओं को उजागर किया है। इन्हीं में एक का इस्तेमाल सरकारी लैब सीएसआईआर ने अपनी महत्वपूर्ण दवा बीजीआर-34 में किया जो आज दोहरी क्षमताओं के साथ काम कर रही है। यह औषधीय पौधा गुड़मार है जिसमें पाए जाने वाले जिम्नेमिक एसिड में रक्त शर्करा को घटाने की अनोखी क्षमता है। जिम्नेमिक एसिड की खूबी यह है कि यह आंत की बाहरी परत में रिसेप्टर के स्थान को भर देता है। जिससे मिठास की लालसा रुक जाती है। नतीजा यह होता है कि आंत चीनी के अणुओं का अवशोषण कम करती है जिससे रक्त में शर्करा की मात्रा कम हो जाती है। मधुमेह रोगियों के लिए यह रामबाण है। इसी तरह गुड़मार में फ्लेवोनोइड्स और सैपोनिन भी मौजूद हैं जो लिपिड के मेटाबॉलिज्म (उपापचय) को नियंत्रित करते हैं। फ्लेवोनोइड्स में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जबकि सैपोनिन कोलेस्ट्रॉल को कम करता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थौट्स (आईजेसीआरटी) में बिहार के मगध विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों ने इस अध्ययन में बताया कि ब्रह्मयोनी पहाड़ी पर पाए जाने वाले तीन औषधीय पौधों में से एक गुड़मार (जिम्नेमा सिल्वेस्ट्रे) है। ज्ञात हो कि बिहार का यह वही क्षेत्र है जहां सदियों से परंपरागत वैद्य इन पादपों का मधुमेह समेत विभिन्न रोगों के उपचार में इस्तेमाल कर रहे हैं। सीएसआईआर ने अपनी मधुमेह रोधी दवा बीजीआर-34 में गुड़मार को मिलाया है और एमिल फार्मा के जरिए बाजार में आई यह दवा सफल भी रही है।

गुड़मार में कुछ ऐसे औषधीय गुण हैं जो बीजीआर-34 को मधुमेह के साथ साथ लिपिड प्रोफाइल को भी नियंत्रित करने में सक्षम बनाते हैं। साल 2022 में नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने एक अध्ययन में यह भी पुष्टि की है कि बीजीआर-34 रक्त शर्करा के साथ साथ मोटापा कम करने में भी असरदार है। शरीर के उपापचय (मेटाबॉलिज्म) तंत्र में भी सुधार करती है। एमिल फार्मा के कार्यकारी निदेशक डॉ. संचित शर्मा ने बताया कि बीजीआर-34 में गुड़मार के साथ साथ दारुहरिद्रा, गिलोय, विजयसार, मजीठ व मैथिका औषधियां भी शामिल हैं। यह मधुमेह, लिपिड प्रोफाइल और मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करने के साथ साथ एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा भी बढ़ाती है। शोधकर्ताओं ने लिखा है कि बीजीआर-34 की तरह मधुमेह की पहली दवा मेटफॉर्मिन भी एक औषधीय पौधे गैलेगा से बनी है। इसलिए गुड़मार पर और भी गहन शोध किए जाएं ताकि नई पीढ़ी को एक और प्रभावी चिकित्सा विकल्प उपलब्ध हो सके।

चोर के टैटू से गिरोह तक पहुंची छत्तीसगढ़ पुलिस

सर्वेयर बनकर 1 हफ्ते तक घर ढूंढ़ा, 52 लाख का माल बरामद, एमपी का सराफा कारोबारी मास्टरमाइंड

बिलासपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर समेत 6 ज्वेलरी शॉप में चोरी करने वाले बंसोर गिरोह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस गिरोह का मास्टरमाइंड मध्यप्रदेश का सराफा करोबारी है, जो चोरी के गहने खरीदने के लिए इनका इस्तेमाल करता था और वारदात के बाद गहने लेकर उन्हें सुरक्षित उनके ठिकानों तक पहुंचाता था। ये गिरोह फिर से जशपुर जिले के तपकरा में वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। इससे पहले ही एक सदस्य के हाथ पर बने टैटू के जरिए पुलिस इनके गढ़ तक पहुंच गई। एक हफ्ते तक एएसपी, डीएसपी सहित दर्जन भर पुलिसकर्मियों ने जनगणना, सर्वे समेत अलग-अलग बहाने से आरोपियों की पहचान की। इसके बाद दबिश देकर गिरोह के आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया। इनके पास से 125 ग्राम सोना, 33 किलो चांदी और कैश समेत 52 लाख का माल बरामद किया गया है। इस गिरोह ने चकरभाठा के हिर्री माइंस, सीपत के दामोदर ज्वेलर्स समेत शिवरीनारायण और कोटमीसोनार की ज्वेलरी शॉप में चोरी की। सभी वारदातों में तरीका एक ही था। चोरों तक पहुंचना बहुत मुश्किल लग रहा था। इधर, पुलिस की टेक्निकल टीम सीसीटीवी फुटेज निकाल कर बारीकी से जांच कर रही थी। इसी दौरान गिरोह के एक सदस्य के हाथ पर टैटू का निशान दिखा। रायपुर में हुई चोरी में भी इस सदस्य की तस्वीर आई थी। इसके आधार पर पुलिस ने बिलासपुर से महाराष्ट्र और ओडिशा के राउरकेला तक रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से जांच की। इसके बाद साफ तस्वीर लेकर पुलिस ने दूसरे राज्यों में भेजी। इसमें मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले के बरगवां निवासी लालमन उर्फ बड़का बंसोर की पहचान हुई। एसपी रजनेश सिंह ने बताया कि बंसोर गिरोह को उनके गढ़ में जाकर गिरफ्तार करना बड़ा चैलेंज था, क्योंकि कोई भी वहां जाता तो उसे वे पहचान लेते। ऐसे में टीम ने समझदारी से काम लिया। एएसपी अनुज और दो डीएसपी उदयन बेहर और निमितेश सिंह ने वहां 7 दिन कैंप किया। उनके साथ टीम के सदस्य भी थे। टीम ने सिंगरौली, बैढ़न, सरई, बरगवां, लामादीह, बांधा, उज्जैनी, देवरी और यूपी के मिर्जापुर, बनारस, जौनपुर में कैंप किया। इस दौरान आरोपियों की शिनाख्ती और घरों में मौजूदगी जानने के लिए जनगणना, राशन कार्ड सर्वे आदि सहित अलग-अलग तरीके अपना कर आरोपियों के घर में होने की पुष्टि की। इसके बाद स्थानीय पुलिस की मदद से दबिश देकर उन्हें गिरफ्तार किया गया।

पूर्व गृहमंत्री बोले- अफसर आ जाए तो जूते से मारूंगा

अतिक्रमण हटाने के दौरान पहुंचे थे ननकीराम कंवर, 5 एकड़ जमीन कब्जामुक्त

कोरबा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। कोरबा में छत्तीसगढ़ के पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वो काफी गुस्से में नजर आ रहे हैं। लोगों से बात करते हुए उन्होंने किसी अधिकारी को जूते से मारने की बात तक कह डाली। बताया जा रहा है कि प्रशासन की टीम अवैध कब्जा हटाने के लिए कनकी गांव गए थे। इस दौरान ननकीराम कंवर भी मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने गुस्से में कह दिया कि 'अगर वो आएगा तो उसे जूते से मारूंगा।'

5 एकड़ शासकीय जमीन से कब्जा हटाया गया। कोरबा में शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए जिला प्रशासन सख्त कार्रवाई कर रहा है। राजस्व विभाग ने कनकी में लगभग 5 एकड़ शासकीय भूमि को कब्जा मुक्त कराया। पिछले दिनों कलेक्टर के जन चौपाल में कनकी ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने अवैध कब्जे के संबंध में शिकायत की थी। कलेक्टर अजीत वसंत ने ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार बरपाली को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। जहां कनकी जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची, इस दौरान पूर्व गृह मंत्री ननकीराम कंवर भी पहुंच गए। वीडियो में ननकी राम कह रहे हैं कि 'बीजेपी की सरकार है और कलेक्टर की पदस्थापना हुई है। मुझको कहते हैं कि आदमी लेकर क्यों आते हो। इस पर मैंने कहा कि मैं जनप्रतिनिधि हूं और लोगों की समस्या को लेकर आता-जाता हूं। नूतन राजवाडे.के खिलाफ शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत सही पाई गई।

झारखंड सीएम ने शेयर की जेल की मुहर वाली तस्वीर

रांची, 10 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने 49वें जन्मदिन पर जेल में हाथ पर मुहर की तस्वीर जारी शेयर किया है। सोशल मीडिया पर इस तस्वीर के साथ उन्होंने अपने जेल गुजरे साल के अनुभव को साझा किया है। सोरेन ने लिखा- आज अपने जन्मदिन के मौके पर बीते एक साल की स्मृति मेरे मन में अंकित है। वह है यह कैदी का निशान, जो जेल से रिहा होते वक्त मुझे लगाया गया। यह निशान केवल मेरा नहीं, बल्कि हमारे लोकतंत्र की वर्तमान चुनौतियों का प्रतीक है। उन्होंने आगे लिखा, 'जब एक चुने हुए मुख्यमंत्री को बिना किसी सबूत, बिना कोई शिकायत, बिना कोई अपराध जेल में 150 दिनों तक डाल सकते हैं तो फिर ये आम आदिवासियों, दलितों, शोषितों के साथ क्या करेंगे। यह मुझे कहने की आवश्यकता नहीं है। हेमंत लिखते हैं, इसलिए, आज के दिन मैं और ज़्यादा कृतसंकल्पित हूं। हर शोषित, वंचित, दलित, पिछड़ा, आदिवासी, मूलवासी के पक्ष में लड़ने के अपने संकल्प को और मजबूत करता हूं। मैं हर उस व्यक्ति, समुदाय के लिए आवाज उठाऊंगा जिसे दबाया गया है, जिसे न्याय से वंचित रखा गया है, जिसे उसके रंग, समुदाय, ख़ान पान, पहनावे के आधार पर सताया जा रहा है। हमें एकजुट होकर एक ऐसे समाज का निर्माण करना होगा, जहां कानून सभी के लिए समान हो, जहां सत्ता का दुरुपयोग न हो। हां, यह रास्ता आसान नहीं होगा। हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, लेकिन मुझे विश्वास है कि हम मिलकर इन चुनौतियों को पार कर सकते हैं। क्योंकि हमारे देश की एकता, विविधता में ही हमारी शक्ति है।

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा रांची में छापेमारी

खैनी, गुटखा और पेन ड्राइव लेकर बाहर आई टीम, अब दर्ज होगा मुकदमा

रांची, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा रांची होटवार में जिला प्रशासन की टीम ने छापेमारी की। छापेमारी में रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा के नेतृत्व में हुई। छापेमारी में टीम को खैनी, गुटखा और पेन ड्राइव हाथ लगा है। बरामद सामानों की सूची बनाने के बाद अब मुकादमा दर्ज किया जा रहा है। छापेमारी टीम में रांची डीसी के साथ एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा, सिटी एसपी राजकुमार मेहता, अनुमंडल पदाधिकारी सदर उत्कर्ष कुमार, पुलिस उपाधीक्षक प्रकाश सोय, कार्यपालक दंडाधिकारी संजय कुमार एवं 200 पुलिस जवान शामिल थे।

सभी वार्ड एवं बैरक की हुई सघन जांच

जिला प्रशासन की ओर से यह नियमित मासिक निरीक्षण था। इस दौरान सभी वार्ड एवं बैरक की सघन जांच की गई। पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस जवानों ने जेल के अंदर प्रत्येक वार्ड और सेल की गहन जांच की। छापेमारी के दौरान गांजा, खैनी, गुटखा और एक पेन ड्राइव बरामद किया गया। इस पर कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। इसके अलावा अन्य किसी तरह का आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं किया गया। छापेमारी के दौरान रसोई, अस्पताल, मुलाकाती कक्ष, खेल का मैदान, पुस्तकालय, योग/ध्यान केंद्र, डेयरी, साबुन बनाने की इकाई आदि का भी निरीक्षण किया गया।

जेल में बंद हैं मनी लॉड्रिंग के कई बड़े अपराधी

झारखंड में ईडी और आयकर विभाग की कार्रवाई के बाद कई लोगों पर शिकंजा कस रहा है। झारखंड के मनी लाउंड्रिंग केस के कई प्रमुख आरोपी भी इसी जेल में बंद हैं। इस छापेमारी को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं। जेल में निलंबित खान सचिव पूजा सिंघल, मुख्यमंत्री के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा, प्रेम प्रकाश उर्फ पीपी और बच्चू यादव इस समय इसी जेल में बंद हैं।

झारखंड आदिवासी महोत्सव शुरू

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा- सरकार जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए लगातार कर रही कोशिश

रांची, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि राज्य सरकार आम जन की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए लगातार कोशिश कर रही है। वे शुक्रवार को बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान में शुरू हुए दो दिवसीय झारखंड आदिवासी महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार कई नई योजनाओं के जरिए आम लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। आने वाली पीढ़ी को बेहतर भविष्य देने के लिए विकास के नए आयाम गढ़े जा रहे हैं। आदिवासी समाज के बारे में सीएम ने कहा कि इस समाज ने कभी भी अपनी सभ्यता-संस्कृति और मान-सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं किया। आदिवासियों की आदिकाल से ही समृद्ध सभ्यता-संस्कृति और परंपरा रही है। आदिवासी समाज कैसे आगे बढ़े, इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। सीएम ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस पर राज्य में तीसरी बार झारखंड आदिवासी महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ है। यह सिर्फ एक महोत्सव मात्र नहीं है, बल्कि यह अपनी प्राचीन और समृद्ध जनजातीय सभ्यता-संस्कृति और विरासत को संजोने, संवारने और देश-दुनिया में अलग पहचान दिलाने का एक प्रयास है। महोत्सव को बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल संतोष गंगवार ने संबोधित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में शिबू सोरेन के अलावा कल्याण मंत्री दीपक बिरुवा, सांसद महुआ माजी, विधायक कल्पना सोरेन, राजेश कच्छप, मुख्य सचिव एल. खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता, राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी, कल्याण सचिव कृपानंद झा, आदिवासी कल्याण आयुक्त अजयनाथ झा आदि मौजूद थे। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि हम सबको आदिवासी समुदाय की संस्कृति पर गर्व होना चाहिए और इसे संरक्षित रखने का संकल्प लेना चाहिए। यह गर्व का विषय है कि आदिवासी समाज में दहेज-प्रथा जैसी कुरीतियां नहीं हैं, जो एक अनुकरणीय उदाहरण है। लेकिन, विडंबना यह है कि जनजातीय समाज में डायन प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियां आज भी मौजूद हैं, जिसे जागरूक होकर हम सबको दूर करना होगा। जनजातीय समुदाय का इतिहास गौरवशाली रहा है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका अद्वितीय रही है। उनकी वीरता और पराक्रम की गाथाएं भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेंगी। जनजातियों द्वारा संरक्षित कला, संस्कृति, लोक साहित्य और रीति-रिवाज न केवल हमारे देश, बल्कि विश्वभर में ख्यातिप्राप्त हैं। उनका पर्यावरणीय ज्ञान और प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का दृष्टिकोण हम सभी के लिए प्रेरणादायक है।

हाथी ने 4 लोगों को मार डाला

मरने वालों में बच्ची समेत एक ही परिवार के 3 लोग, एक महीने में गईं 9 जानें

जशपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। जशपुर जिले में दंतैल हाथी ने बीती रात चार लोगों को कुचलकर मार डाला। मरने वालों में 3 लोग एक ही परिवार के थे। वहीं, एक व्यक्ति पड़ोस का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि रात में हाथी ने घर को भी तोड़ दिया। घटना बगीचा नगर पंचायत के गम्हरिया इलाके की है। शुक्रवार देर रात 12 बजे हाथी ने हमला किया। घर में सो रहे दो भाइयों और बच्ची को हाथी ने पटक-पटक कर मार डाला। शोर सुनकर पड़ोस का एक युवक बाहर निकला तो उस पर भी हाथी ने हमला कर दिया। मृतकों में रामकेश्वर सोनी (35 वर्ष), उसकी बेटी रवीता सोनी (9 वर्ष), रामकेश्वर का भाई अजय सोनी (25 वर्ष) और पड़ोसी अश्विन कुजूर (28 वर्ष) शामिल हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि हाथी ने सबसे पहले रामकेश्वर सोनी और बेटी रवीता पर हमला किया था। जब उन्होंने चीखना-चिल्लाना शुरू किया तो रामकेश्वर के भाई अजय को लगा कि झगड़ा हो रहा है। झगड़ा छुड़ाने के लिए वो जब वहां पहुंचा तो हाथी ने उसे भी अपनी चपेट में ले लिया। इस दौरान तीनों की चीख सुनकर पड़ोसी अश्विन भी यही सोचकर वहां पहुंचा था।

ग्रामीणों का कहना है कि रात में हाथी मित्र दल की गाड़ी भी आई थी। वे कुछ समझ पाते, इससे पहले ही हाथी ने हमला कर दिया। रात में लाइट नहीं थी। लगातार बिजली कटौती होने से गांव अंधेरे में डूबा रहता है। अगर लाइट होती तो हाथी नजर आ जाता और लोगों की जान बच जाती। डीएफओ जितेंद उपाध्याय ने बताया कि वन विभाग और हाथी मित्र दल लगातार हाथियों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं, लेकिन जिस दंतैल हाथी ने हमला किया है, इसकी आदत घर तोड़ना और इंसानों पर हमला करने की हो गई है। जिले में 4 वन परिक्षेत्र में 38 हाथी घूम रहे हैं। इस हाथी को दूसरे जगह शिफ्ट करने की योजना बनाई जा रही है।

डीएफओ ने बताया कि चारों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं, मृतकों के परिवारों को 25-25 हजार तत्काल मुआवजा राशि दी गई है। आगे भी उनकी मदद की जाएगी।

कोरबा में गुरुवार को दंतैल हाथी ने 3 महिलाओं को कुचलकर मार डाला था।

बाबा बैद्यनाथधाम मंदिर आने वाली महिला श्रद्धालुओं को विशेष सुविधा

देवघर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। देवघर में चल रहे राजकीय श्रावणी मेला में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जिला प्रशासन ने कई कदम उठाए हैं। सरकार की ओर से सुल्तानगंज-देवघर रूट लाइन में 10 मातृत्व विश्राम गृहों की व्यवस्था की गई है। इन विश्राम गृहों में महिला श्रद्धालुओं और बच्चों के लिए बैठने, पानी, डायपर, सेनेटरी पैड और बिस्कुट जैसी सुविधाएं मुफ्त में उपलब्ध रहेंगी। इसके अलावा, महिलाओं और बच्चों के लिए सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। श्रावणी मेला के दौरान, लाखों श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ मंदिर में जल चढ़ाने के लिए आते हैं। कई बार उन्हें लंबी कतारों में घंटों खड़ा रहना पड़ता है। इससे महिलाओं और बच्चों को काफी परेशानी होती है। इसी को देखते हुए जिला प्रशासन ने रूट लाइन में 10 मातृत्व विश्राम गृहों का निर्माण कराया है। देवघर के उपायुक्त विशाल सागर ने बताया कि राजकीय श्रावणी मेला के दौरान लाखों की संख्या में बच्चे और महिला श्रद्धालु जलार्पण के लिए देवघर आते हैं। ऐसे में कई बार रूट लाइन में जलार्पण के लिए बच्चों और महिला श्रद्धालुओं को घंटों कतारबद्ध रहना पड़ता है, जिससे की कई बार उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता है। 10 चिह्नित स्थलों पर मातृत्व विश्राम गृह का निर्माण किया गया है, जहां बैठने की व्यवस्था, पानी की व्यवस्था, बच्चों के लिए डायपर, सेनेटरी पैड और बिस्कुट की निःशुल्क सुविधा मातृत्व विश्राम गृह में उपलब्ध रहेगी, ताकि बच्चों और महिला श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

गैंगस्टर अमन साहू की राजदार पम्मी अरेस्ट

लॉरेंस गिरोह के लिए भी करती थीं खास काम

सिमडेगा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ पुलिस ने झारखंड एटीएस की मदद से गैंगस्टर अमन साहू की करीबी पम्मी को गिरफ्तार किया है। पम्मी, अमन साहू के खास आदमी आकाश राय की पत्नी है। बताया जा रहा है कि पम्मी अमन साहू गैंग को हथियार और पैसे पहुँचाने का काम करती थी। पम्मी की गिरफ्तारी का कारण सिमडेगा जेल में बंद उसके पति आकाश राय के पास से एक स्मार्टफोन बरामद होना था। शुक्रवार को एटीएस की टीम को यह फोन मिला था। इसी फोन से मिली जानकारी के आधार पर पम्मी को पकड़ा गया।

झारखंड एटीएस की जांच में पता चला है कि अमन साहू और लॉरेंस बिश्नोई मिलकर काम करते हैं। दोनों के गुर्गे भी एक साथ काम करते हैं। पम्मी अमन साहू गैंग के शूटरों को हथियार और पैसे देती थी।

जुलाई में छत्तीसगढ़ के एक बड़े कारोबारी के घर के बाहर फायरिंग हुई थी। जांच में पता चला है कि उस समय पम्मी वहां मौजूद थी। 13 जुलाई को छत्तीसगढ़ के पीआरए बर्बरीक और आरकेटीसी कंपनी के दफ्तर के बाहर भी फायरिंग हुई थी। बाद में फायरिंग की तस्वीर सोशल मीडिया पर भी डाली गई थी। धमकी दी गई थी कि 'जबतक रंगदारी नहीं देंगे काम नहीं करने दिया जाएगा।'

पुलिस का कहना है कि छत्तीसगढ़ के कारोबारी के घर फायरिंग की पूरी घटना के पीछे पम्मी का ही हाथ था। छत्तीसगढ़ पुलिस पम्मी की तलाश में जुटी थी और आखिरकार उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

बांग्लादेश में हमलों के खिलाफ हजारों हिंदुओं का प्रदर्शन

हरे कृष्णा-हरे रामा के नारे लगाए, कहा- मर जाएंगे, देश नहीं छोड़ेंगे

ढाका, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिराने के बाद अब प्रदर्शनकारी छात्र अब सुप्रीम कोर्ट के बाहर इकट्ठा होना शुरू हो गए हैं। बांग्लादेशी मीडिया हाउस डेली स्टार के मुताबिक उन्होंने चीफ जस्टिस के इस्तीफे की मांग की है।

छात्र नेता हसनत अब्दुल्लाह ने कहा, अगर जजों ने इस्तीफे नहीं दिए तो हसीना की तरह उनका भी तख्तापलट कर दिया जाएगा। अंतरिम सरकार में मंत्री बने आसिफ महमूद ने फेसबुक पर लिखा, अगर जजों ने प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ कोई कदम उठाया तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

बांग्लादेश में हसीना के इस्तीफे के बाद से हिंसा, लूटपाट और आगजनी की घटनाएं बढ़ गई हैं। इनके खिलाफ शुक्रवार को हिंदू जागरण मंच ने ढाका में प्रदर्शन किया। बांग्ला अखबार ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक शाहबाग चौक पर हजारों लोग जमा हुए और हिंसा के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने हरे कृष्णा-हरे रामा का

नारा भी लगाया।

प्रदर्शन के आयोजकों ने कहा कि दिनाजपुर में चार हिंदू गांवों को जला दिया गया है। लोग बेसहारा हो गए हैं, छुप-छुपकर रहने को मजबूर हैं। बांग्लादेश में शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से ही हिंदू समुदाय पर हमले बढ़ गए हैं। वहीं, शेख हसीना के बेटे जॉय ने कहा कि उनकी मां भारत जाने से पहले इस्तीफा नहीं देना चाहती थीं। रॉयटर्स से बात करते हुए उन्होंने कहा, मेरी मां ने आधिकारिक तौर पर इस्तीफा नहीं दिया। उनके पास इतना वक्त नहीं था। आधिकारिक तौर पर वे अब भी प्रधानमंत्री हैं।

जॉय ने कहा कि वो बयान जारी करने के बाद आधिकारिक तौर पर इस्तीफा देना चाहती थीं लेकिन प्रदर्शनकारियों ने पीएम आवास की तरफ मार्च करना शुरू कर दिया। मेरे मां के पास कुछ करने के लिए समय ही नहीं बचा। जहां तक संविधान की बात है मेरी मां अभी भी बांग्लादेश की प्रधानमंत्री हैं। जॉय ने कहा कि राष्ट्रपति ने सेना प्रमुख और विपक्षी नेताओं की सलाह के बाद संसद भंग कर दिया। लेकिन प्रधानमंत्री के औपचारिक रूप से इस्तीफा दिए बिना कार्यवाहक सरकार के गठन को अदालत में चुनौती दी जा सकती है।

जॉय ने यह भी कहा कि हसीना की अवामी लीग पार्टी अगला चुनाव लड़ेगी, जो तीन महीने के भीतर होना चाहिए। उन्होंने यकीन दिलाया कि चुनाव हुए तो अवामी लीग सत्ता में फिर से आएगी। अगर ऐसा नहीं भी होता है तो वे विपक्ष में रहना चाहेंगे।

खालिदा जिया के बयान पर खुशी जताई, कहा- बदले की राजनीति न हो

उन्होंने शेख हसीना की विरोधी नेता खालिदा जिया के बयान पर भी खुशी जताई। गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री जिया ने कहा था कि हसीना से कोई बदला नहीं लिया जाना चाहिए। जॉय ने कहा कि बदले की राजनीति नहीं होनी चाहिए। हमें मिलकर काम करना चाहिए। चाहे हम मिलकर एकता सरकार बनाएं या नहीं।

इंडिया के करीबी दोस्त, पीएम मोदी ने भी की मदद

एस जयशंकर से मुलाकात के बाद राष्ट्रपति मुइज्जू ने की भारत की जमकर तारीफ

माले, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने शनिवार को कहा कि भारत हमेशा से एक करीबी सहयोगी और बहुमूल्य साझेदार रहा है। इतना ही नहीं उनके देश को जब भी उसकी जरूरत पड़ी तब नई दिल्ली ने हर तरह की सहायता दी है।

उन्होंने मालदीव में 28 द्वीप क्षेत्रों में जलापूर्ति व सीवर सुविधाएं शुरू किए जाने को लेकर राष्ट्रपति कार्यालय में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। भारत सरकार ने भारतीय एक्जिम बैंक के माध्यम से ऋण सुविधा के तहत इन परियोजनाओं का वित्तपोषण किया है।

मुइज्जू ने कहा कि इन परियोजनाओं से महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ होंगे, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और कुल मिलाकर देश की समृद्धि में योगदान होगा। उन्होंने कहा कि भारत के साथ मालदीव के द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से ये परियोजनाएं

महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं। समारोह के दौरान राष्ट्रपति मुइज्जू ने एक बार फिर मालदीव और भारत के बीच ऐतिहासिक एवं निकट संबंधों को मजबूत बनाने की अपने प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा करीबी सहयोगी और बहुमूल्य साझेदार रहा है तथा जब भी मालदीव को जरूरत हुई है उसने सहायता व मदद मुहैया कराई है।

मुइज्जू ने पीएम को कहा धन्यवाद

मुइज्जू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मालदीव को उदारतापूर्वक व निरंतर सहायता प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भारत सरकार और भारत के मित्रवत लोगों का आभार व्यक्त किया।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यहां मुइज्जू से मुलाकात कर दोनों देशों की जनता और क्षेत्र के लाभ के लिए भारत-मालदीव संबंधों को मजबूत बनाने की नयी दिल्ली की प्रतिबद्धता दोहराई।

जयशंकर द्विपक्षीय संबंधों को फिर से प्रगाढ़ बनाने के लिए मालदीव की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। पिछले साल चीन समर्थक मुइज्जू के पदभार ग्रहण करने के बाद यह भारत की ओर से मालदीव की पहली उच्चस्तरीय यात्रा है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने बैठक की तस्वीर साझा करते हुए एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू से मुलाकात कर गौरवान्वित महसूस किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शुभकामनाएं पहुंचाईं।

हमारे लोगों और क्षेत्र के लाभ के लिए भारत-मालदीव संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। इससे पहले, जून में मुइज्जू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के शपथग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा की थी।

मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के प्रमुख पड़ोसी देशों में से एक है और पिछली सरकार के दौरान दोनों देशों के बीच मजबूत रक्षा व सुरक्षा संबंध स्थापित हुए थे।

स्कूल पर इजराइली हमला, 100 लोगों की मौत

सुबह नमाज पढ़ने के दौरान 3 रॉकेट दागे, इजराइल बोला- वहां आतंकी छिपे थे

यरुशलम, 10 अगस्त (एजेंसियां)। गाजा के दाराज जिले में एक स्कूल पर शनिवार सुबह हमला हुआ। इसमें 100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। अलजजीरा के मुताबिक मरने वालों में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं। इस स्कूल में कई लोगों ने शरण ले रखी थी। सुबह की नमाज पढ़ने के दौरान यह हमला हुआ। स्थानीय लोगों के मुताबिक एक के बाद एक 3 रॉकेट स्कूल पर गिरे। इससे वहां आग लग गई। इजराइली सेना का दावा है कि अल-तबीन स्कूल का इस्तेमाल हमास ऑफिस के तौर पर किया जा रहा था। उसमें हमास के कई आतंकी मौजूद थे। हमला आम नागरिकों पर नहीं किया गया है। इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने कहा कि हमले से पहले नागरिकों को कम से कम नुकसान पहुंचे इसके लिए उन्होंने कई कदम उठाए थे। इलाके की हवाई निगरानी की गई थी। साथ ही वहां मौजूद इजराइल के इंटेलिजेंस सोर्स के जरिए भी जानकारी इकट्ठा की गई थी। हमास प्रवक्ता महमूद बासल ने न्यूज एजेंसी एएफपी को बताया कि हमले में करीब 100 लोग मारे गए हैं। दर्जनों घायल हुए हैं। स्कूल में फिलिस्तीनियों ने पनाह ली थी। यह भयावह हमला है। इससे पहले गुरुवार को भी गाजा में दो स्कूलों पर इजराइली सेना ने हमला किया था, जिसमें कम से कम 18 लोग मारे गए थे। तब इजराइली सेना ने कहा था कि उसने हमास के कमांड सेंटरों पर हमला किया है। फिलिस्तीनी पत्रकार होसम शबात ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि गाजा शहर में बमबारी वाले स्कूल में फिलिस्तीनी लोग फंसे हुए हैं। आग बुझाने में दिक्कत हो रही है, क्योंकि इजराइली सेना ने पानी की सप्लाई भी काट दी है। फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद ने कहा कि स्कूल में सुबह अल्लाह की इबादत करने वालों को अपराधियों ने निशाना बनाया। ये अपराध है।

दुश्मन सेना स्कूल को तबाह करने के बाद वही बहाने इस्तेमाल कर रही है जो उन्होंने अस्पतालों पर हमला करने के बाद किए थे। उनकी सारी दलीलें झूठी साबित हुईं। पिछले साल दिसंबर में भी इजराइल ने गाजा के 2 स्कूलों पर एयरस्ट्राइक की थी। इसमें 50 लोगों की मौत हो गई थी, वहीं सैकड़ों लोग घायल हुए थे।

एलजी ने आरडीएसएस परियोजनाओं की आधारशिला रखी

लेह, 10 अगस्त (एजेंसियां)। लेह में उपराज्यपाल, लद्दाख, ब्रिगेडियर (डॉ) बी डी मिश्रा ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में बिजली के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए व्यावहारिक समाधान के लिए अपने संकल्प में दृढ़ है। उन्होंने पावरग्रिड से इन परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए कहा ताकि लद्दाख में हर घर को गुणवत्तापूर्ण बिजली मिल सके। पुर्नोत्थान वितरण क्षेत्र योजना वितरण कंपनियों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए भारत सरकार की एक सुधार-आधारित और परिणाम- लिंक्ड योजना है। इस योजना का उद्देश्य प्रचालनात्मक रूप से कुशल और वित्तीय रूप से टिकाऊ बनाना है। इस योजना का कुल परिव्यय 97,631 करोड़ रुपये के बजटीय समर्थन के साथ 3 लाख

करोड़ रुपये है। लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश को 776.56 करोड़ रुपये के लिए भारत सरकार से सकल बजटीय सहायता के साथ 862.84 करोड़ रुपये की योजनाओं की मंजूरी मिली। लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में आरडीएसएस के कार्यान्वयन का कार्य पावर ग्रिड एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (पीईएसएल) को सौंपा गया है, जो पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। इससे कार्बन मुक्त लद्दाख का लक्ष्य की तरफ एक और कदम आगे बढ़ेगा। आर. के. त्यागी इस तथ्य पर जोर दिया कि पावरग्रिड यह सुनिश्चित कर रहा है कि इस खूबसूरत क्षेत्र के हर कोने में विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण बिजली पहुंचे। पावरग्रिड इस परियोजना को एक सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

इस अवसर पर एडवोकेट ताशी ग्यालसन, अध्यक्ष/मुख्य कार्यकारी पार्षद, एलएएचडीसी, लेह, डॉ जाफर अखून, माननीय अध्यक्ष/मुख्य कार्यकारी पार्षद, एलएएचडीसी, कारगिल, मोहम्मद हनीफा, सांसद लद्दाख, डॉ पवन कोतवाल, आईएएस, माननीय उपराज्यपाल लद्दाख, के सलाहकार, आर.के. त्यागी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और विक्रम सिंह मलिक, आईएएस, प्रशासनिक सचिव, पावर डेवलपमेंट विभाग, संतोष सुखदेव, आईएएस, उपायुक्त, लेह की उपस्थिति में लद्दाख में पुर्नोत्थान वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस अवसर पर लद्दाख जिला प्रशासन, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड,पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट यूटी लद्दाख और अन्य महत्वपूर्ण विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

ब्रिटेन में लोगों की एकजुटता से हिंसक दंगे थमे

लंदन, 10 अगस्त (एजेंसियां)। ब्रिटेन में हाल ही में हुए हिंसक दंगों पर लोगों ने एकजुट होकर लगाम लगाई। नस्लवादी प्रदर्शनकारियों ने दक्षिणपंथ के विरोध में हिंसा फैलाने वालों का डटकर सामना किया। राजा किंग चार्ल्स तृतीय ने लोगों की इस एकजुटता और सामुदायिक भावना की तारीफ की है। आक्रामकता और आपराधिकता के आगे खड़े होकर मुश्किल घड़ी में 700 गिरफ्तारियां कराने पर लोगों की प्रशंसा की। बकिंघम पैलेस के मुताबिक 76 वर्षीय किंग चार्ल्स ने फोन करके प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और ब्रिटेन के पुलिस अधिकारियों से काफी देर तक बात की और उनका हौसला बढ़ाया।

पैलेस के प्रवक्ता के मुताबिक किंग ने एक संयुक्त कॉल के जरिये प्रधानमंत्री स्टार्मर, पुलिस प्रमुखों की परिषद के अध्यक्ष,यूके गोल्ड कमांडर बेन हैरिंगटन से बात की।

इजराइल पर सीधा हमला करना चाहती है ईरानी सेना

राष्ट्रपति पजशकियान तैयार नहीं, कहा- हम खुशनसीब कि पिछली बार इजराइल ने जंग नहीं छेड़ी

यरूशलम, 10 अगस्त (एजेंसियां)। हमास चीफ इस्माइल हानियेह की मौत के बाद से ईरान और इजराइल में तनाव बढ़ गया है। इस बीच ईरान की इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) और राष्ट्रपति मसूद पजशकियान में हमले के तरीके को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। ब्रिटिश मीडिया द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी सेना इजराइल पर सीधा हमला करना चाहती है। आईआरजीसी राजधानी तेल अवीव और इजराइल के दूसरे शहरों में मिलिट्री बेस को निशाना बनाना चाहती है। वहीं ईरान के नए राष्ट्रपति पजशकियान मिडिल ईस्ट के दूसरे देश जैसे अजरबैजान और इराकी कुर्दिस्तान में मौजूद इजराइल के बेस और मोसाद के ठिकानों पर अटैक करना चाहते हैं। इसके अलावा पजशकियान ने लेबनान के संगठन हिजबुल्लाह को बेहतर हथियार देने और इजराइल पर हमले में उसे सपोर्ट करने का

भी प्रस्ताव रखा है। दरअसल, पजशकियान को डर है कि इजराइल पर सीधा हमला करने से ईरान को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। राष्ट्रपति के सहयोगी ने बताया, पजशकियान ने कहा कि हम खुशकिस्मत थे जब इजराइल ने पिछली बार हमारे खिलाफ जंग नहीं छेड़ी थी। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि इस बार भी ऐसा ही होगा। पजशकियान के सहयोगी ने टेलीग्राफ को बताया कि आईआरजीसी राष्ट्रपति को कमजोर दिखाने के लिए उनका विरोध कर रही है। दरअसल पजशकियान ने राष्ट्रपति चुनाव में सईद जलीली को हराकर जीत दर्ज की थी। जलीली को आईआरजीसी का समर्थन हासिल था। इजराइल पर हमला कैसे होगा इसका आखिरी फैसला सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई करेंगे।

दूसरी तरफ आईआरजीसी ने कहा कि सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई ने इजराइल को कड़ी सजा देने की बात कही थी। हम उनके इस आदेश को जरूर पूरा करेंगे। 30 जुलाई को ईरान के राष्ट्रपति पजशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने पहुंचे मास के पॉलिटिकल चीफ हानियेह की मौत हो गई थी।

आसमान से नीचे चक्कर खाते हुए गिरा विमान

ब्रसीलिया, 10 अगस्त (एजेंसियां)। ब्राजील के साओ पाउलो राज्य के विन्हेडो शहर में एक यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें मौजूद सभी लोगों की मौत हो गई। विमान में 57 यात्रियों समेत चालक दल के चार सदस्य शामिल थे। घटनास्थल की तस्वीरों और वीडियो से पता चलता है कि दुर्घटना के बाद विमान का मलबा आसपास फैल गया। सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में देखा गया कि विमान अचानक आसमान से नीचे की तरफ चक्कर लगाते हुए गिरा। हालांकि, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया कि विमान दुर्घटना का कारण क्या था। कुछ चश्मदीद गवाहों ने इस भयानक क्षण का दृश्य बयां किया। 49 वर्षीय ट्रक चालक मार्टिंस बारबोसा मीडिया के सामने आंखो देखा हाल का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि जब यह घटना घटी, तब वह काम कर रहे थे। यह हादसा उनके घर से 150 मीटर की दूरी पर हुआ। उन्होंने कहा, मुझे लगा यह मेरे घर पर गिरा। घर के अंदर मेरा बेटा था। इस घटना के बारे में सुनकर उन्हें निराशा हुई। हालांकि, उनके परिवार वाले सुरक्षित हैं।

नथैली सिकारी जो घटनास्थल से कुछ ही दूर रहती है, ने कहा, इसका असर खतरनाक था। मैं दोपहर का खाना खा रही थी। इस दौरान मैंने बहुत ही तेज आवाज सुनी। मैं तुरंत बालकनी में गई। मैंने एक विमान को चक्कर खाते हुए नीचे गिरते देखा। कुछ सेकेंड में मुझे एहसास हुआ कि यह किसी विमान के लिए सामान्य गतिविधि नहीं थी। इस हादसे में सिकारी को कुछ भी नहीं हुआ, लेकिन उसे वह स्थान काली करना पड़ा, क्योंकि विमान दुर्घटना के बाद वहं सबकुछ काला हो गया था। एक अन्य स्थानीय निवासी रिकार्डो रॉडरिक्स ने कहा, मैं घटनास्थल पर पहुंचा। मैंने कई शवों को जमीन पर देखा। इस हादसे के बाद अब पीड़ितों के अवशेषों की पहचान जारी है।

रूस की सीमा में घुसे 1000 यूक्रेनी सैनिक

कुर्स्क-ओब्लास्त प्रांत में 10 किमी तक दाखिल हुई सेना, रूस ने इमरजेंसी लगाई

मास्को, 10 अगस्त (एजेंसियां)। यूक्रेन के लगभग 1000 सैनिक रूस की सीमा में दाखिल हो गए है। सैनिकों ने रूस के कुर्स्क-ओब्लास्त प्रांत में 10 किमी तक घुसपैठ की है। इस बात की जानकारी गुरुवार को अमेरिका के इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर ने दी। यूक्रेनी सेना के दाखिल होने के बाद रूस ने कुर्स्क-ओब्लास्त प्रांत में इमरजेंसी लगा दी है। साथ बॉर्डर से लगे इलाकों में रहने वाले लगभग 5 हजार नागिरकों को हटाने के आदेश भी दिए हैं। रूस-यूक्रेन की जंग की शुरूआत के बाद से यूक्रेन की तरफ ये अब तक का सबसे बड़ा पलटवार है। रूस ने बताया कि मंगलवार को यूक्रेनी सेना के लगभग 1 हजार सैनिक सीमा के अंदर घुस आए हैं। ये सैनिक अपने साथ 2 दर्जन से अधिक आर्म्ड व्हीकल और टैंक भी लेकर आए हैं। रूस ने सेना को आदेश देते हुए यूक्रेनी सैनिकों को खदेड़ने के के लिए कहा है। रूस

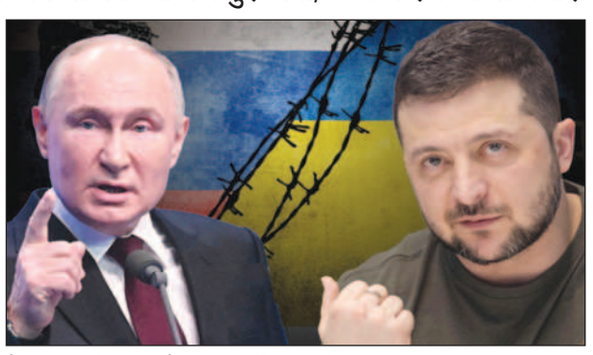

के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि कुर्स्क प्रांत में यूक्रेनी सैनिकों को काउंटर करने के रूसी सेना रवाना हो गई है। यूक्रेनी सैनिकों से निपटने के लिए रूसी सेना रॉकेट लॉन्चर, आर्टिलरी गन और टैंक तैनात कर रही है। इन्हें इलाके तक पहुंचाया जा रहा है। यूक्रेन ने गुरूवार रात रूस के लिपेत्स्क प्रांत में बॉर्डर से 300 किमी दूर एक एयरफील्ड को ड्रोन के जरिए निशाना बनाया है। ये मिलिट्री एयरफील्ड रूस के फाइटर जेट्स, हेलीकॉप्टर्स और 700 से ज्यादा शक्तिशाली ग्लाइड बम का बेस थी। रूस इस एयरफील्ड का इस्तेमाल सुखोई और मिग जैसे फाइटर एयरक्राफ्ट को ऑपरेट करने के लिए करता था। हमले के बाद रूस की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया कि उसने यूक्रेन के 75 से ज्यादा ड्रोने को मार गिराया है। इनमें 19 लिपेत्स्क प्रांत में थे। यूक्रेन आधिकारियों की तरफ से अब तक सैनिकों की घुसपैठ को लेकर कोई बयान नहीं आया है। हालांकि जिस इलाके में यूक्रेनी सैनिकों ने घुसपैठ की है, वहां रूस की महत्वपूर्ण गैस पाइपलाइन मौजूद हैं।

शेख हसीना के बाद बांग्लादेश में चीफ जस्टिस का इस्तीफा

छात्रों ने दोपहर तक अल्टीमेटम दिया था, कहा- कुर्सी से खींचकर उतारेंगे

ढाका, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में 5 अगस्त को शेख हसीना के इस्तीफे के बाद आज सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ओबैदुल हसन ने भी इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शनकारी छात्रों ने शनिवार सुबह सुप्रीम कोर्ट को घेर लिया था।

प्रदर्शनकारी बड़ी तादाद में वहां इकट्ठा हुए थे। छात्रों ने कहा, अगर जजों ने इस्तीफे नहीं दिए तो हसीना की तरह उन्हें भी कुर्सी से खींचकर उतार देंगे। प्रदर्शनकारी छात्रों ने आरोप लगाए थे कि सुप्रीम कोर्ट के जज हसीना से मिले हुए हैं।

इन जजों ने अंतरिम सरकार से पूछे बिना ही शनिवार को पूरी कोर्ट की एक बैठक बुलाई। इस मीटिंग के चलते प्रदर्शनकारियों ने एक घंटे के भीतर जजों से इस्तीफा देने की मांग की। चीफ जस्टिस के इस्तीफे के बाद 5 और जज अपना पद छोड़ सकते हैं। वहीं प्रदर्शनकारियों ने कहा है कि जब तक सभी 6 जज इस्तीफा नहीं देते, वे सड़कें खाली नहीं करेंगे।

वहीं, बांग्लादेश में हसीना के इस्तीफे के बाद से हिंसा, लूटपाट और आगजनी की घटनाएं बढ़ गई हैं। इनके खिलाफ शुक्रवार को हिंदू जागरण मंच ने ढाका में प्रदर्शन किया। बांग्ला अखबार ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक शाहबाग चौक पर हजारों लोग जमा हुए और हिंसा के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने हरे कृष्णा-हरे रामा के नारे भी लगाए।

ढाका में प्रदर्शनकारी ने कहा कि दिनाजपुर में चार हिंदू गांवों को जला दिया गया है। लोग बेसहारा हो गए हैं, छिप-छिपकर रहने को मजबूर हैं। बांग्लादेश में शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से ही हिंदू समुदाय पर हमले बढ़ गए हैं। प्रदर्शन के दौरान हिंदू समुदाय ने अल्पसंख्यक मंत्रालय की स्थापना, अल्पसंख्यक संरक्षण आयोग का गठन, अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमलों को रोकने के लिए सख्त कानून बनाने और संसद में अल्पसंख्यकों के लिए 10 फीसदी सीटें रखने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने हिंसा से प्रभावित लोगों के लिए मुआवजा भी मांगा। इसके अलावा तोड़े गए मंदिरों को फिर से बनाने की भी मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे इस देश में पैदा हुए हैं। यह उनके पूर्वजों की जमीन है। यह देश उनका भी उतना ही है। वे भले ही यहां मार दिए जाएं, फिर भी अपना जन्मस्थान बांग्लादेश नहीं छोड़ेंगे। अपना अधिकार पाने के लिए सड़कों पर रहेंगे।

सुनीता विलियम्स के लिए 2025 तक स्पेस में रहना बड़ा खतरा

नासा नहीं कर पा रहा वापसी, अंतरिक्ष यात्रियों पर होगा ये असर

वॉशिंगटन, 10 अगस्त (एजेंसियां)। नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को स्पेस में गए दो महीने से ऊपर हो चुके हैं। उनकी वापसी में लगातार देरी हो रही है। नासा ने घोषणा की है कि विलियम्स की वापसी की तारीख फरवरी 2025 तक बढ़ सकती है। बोइंग स्टारलाइनर अपनी पहली मानव उड़ान पर 5 जून 2024 को लॉन्च हुआ था। सात दिनों के बाद अंतरिक्ष यात्रियों को वापस आना था। नासा ने कहा है कि अब अंतरिक्ष यात्रियों को बोइंग स्टारलाइनर की जगह स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन से पृथ्वी पर वापस लौटना पड़ सकता है। यह बोइंग स्टारलाइनर के लिए एक बड़ी कामयाबी के तौर पर नहीं देखा जा सकता। स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन के जरिए अगर वह अंतरिक्ष से आती हैं तो उनके लौटने का मिशन

आठ महीने से ज्यादा बढ़ाया जा सकता है। अंतरिक्ष में रुकने के लिहाज से यह बड़ा समय है। ऐसे में अंतरिक्ष यात्रियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर इतने लंबे मिशन के प्रभाव की चिंता है। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन दुनिया का सबसे महंगा प्रोजेक्ट है, जिसे बनाने में 150 अरब डॉलर लगे हैं। यह रहने की सुविधाओं, सोने के क्वार्टर और यहां तक कि एक जिम से सुसज्जित है। लेकिन धरती की तुलना में यहां सुरक्षा हमेशा चुनौती रही है।

स्पेस स्टेशन धरती से 400 किमी की ऊंचाई पर पृथ्वी का चक्कर लगाता है। यानी कि इसमें रहने वाले लोग हानिकारक सौर रेडिएशन से सुरक्षित नहीं है। परिक्रमा के दौरान दक्षिण अमेरिका के पूर्वी तट के पास स्पेस स्टेशन एक ऐसे बिंदु से होकर गुजरता है, जहां रेडिएशन धरती की तुलना में 30 गुना ज्यादा है। दूसरे शब्दों में एक आदमी जितना रेडिएशन धरती पर अनुभव करता होगा, उतना अंतरिक्ष यात्री एक सप्ताह में कर लेते हैं। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक अंतरिक्ष यात्री 50 से 20000 मिली-सीवर्ट तक के रेडिएशन के संपर्क में आते हैं। मिली-सीवर्ट रेडिएशन मापने की इकाई है। तुलना के लिए 1 मिली-सीवर्ट छाती के तीन एक्स-रे रेडिएशन के बराबर है। प्रभावी रूप से अंतरिक्ष यात्री 150-6000 छाती एक्स-रे विकिरण के जोखिम का अनुभव करते हैं। इतने रेडिएशन में लंबे समय तक रहना कैंसर का कारण हो सकता है।

सीएम भजनलाल के हेलिकॉप्टर की लैंडिंग फेल
भारी बारिश के चलते आधे रास्ते से ही लौटे वापस; मेड़ता दौरा निरस्त

जयपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भजनलाल शर्मा बतौर मुख्यमंत्री आज पहली बार मेड़ता सिटी जाने वाले थे। वहां वे शहर के सबसे बड़े उत्सव 'मीरा महोत्सव' का ध्वजारोहण के साथ शुभारम्भ और जनसभा को संबोधित करते। लेकिन, बारिश के चलते हेलिकॉप्टर लैंडिंग नहीं होने के चलते दौरा निरस्त हो गया। बताया जा रहा है कि सीएम शर्मा का हेलिकॉप्टर वापस जयपुर एयरपोर्ट पर पहुंचने वाला है।

सीएम भजनलाल शर्मा के दौरे को लेकर जनता में काफी उत्साह बना हुआ था। इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों और जिला एवं उपखंड स्तरीय अधिकारियों ने जबरदस्त तैयारी की थी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर से हेलिकॉप्टर में 96 नॉटिकल मील (177 किमी) का सफर तय कर 45 मिनट में डांगावास बायपास पर बनाए गए हेलीपेड पर उतरने वाले थे। तेज बारिश के कारण सीएम शर्मा का हेलिकॉप्टर लैंड नहीं हो सका। जिसके चलते सीएम शर्मा को रास्ते में से ही लौटना पड़ा।

ये था कार्यक्रम

सीएम भजनलाल शर्मा हेलीपेड से कार के जरिए चारभुजा एवं मीरा मंदिर जाने वाले थे। जहां मीरा महोत्सव शुभारम्भ अवसर पर ध्वजारोहण कर नगर सेठ चतुर्भुजनाथ एवं भक्त शिरोमणि मीराबाई के दर्शन करके सभा स्थल कृषि उपज मंडी के लिए रवाना होते।

शहर के सबसे बड़े उत्सव 'मीरा महोत्सव' का ध्वजारोहण के साथ शुभारम्भ और जनसभा को संबोधित भी करते।

नागौर जिले में भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने नागौर सहित जयपुर, जयपुर शहर, दौसा, करौली, टोंक, सवाई माधोपुर आदि जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग ने मध्यम से तेज वर्षा जारी रहने और कहीं-कहीं अति भारी बारिश की संभावना जारी की है।

पाकिस्तान से नशे की खेप लेकर आया ड्रोन फेल
बीएसएफ ने पकड़ी 15 करोड़ की हेरोइन
इस साल जब्ती का आंकड़ा 200 करोड़ पार

श्री गंगानगर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। पाकिस्तान ने एक बार फिर ड्रोन से भारत में हेरोइन तस्करी की कोशिश की। हालांकि, बीएसएफ के जवानों ने नशे के सौदागरों के मनसूबों पर पानी फेर दिया। बीएसएफ को शनिवार सुबह अनूपगढ़ से लगती भारत-पाक सीमा पर स्थिति एक खेत तीन किलो हेरोइन और एक ड्रोन बरामद किया है। हेरोइन की कीमत करीब 15 करोड़ रुपए बताई जा रही है। फिलहाल, बीएसएफ के जवान स्थानीय पुलिस के साथ पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन में जुटे हुए है।

अधिकारियों के मुताबिक अनूपगढ़ के गांव 30 एपीडी के

पास कालूराम नायक के खेत में आज सुबह करीब चार बजे ड्रोन पड़ा होने की सूचना मिली। जिस पर बीएसएफ के जवान मौके पर पहुंचे और ड्रोन को जब्त किया। खेत में मिला ड्रोन पाकिस्तान से आया था और उसमें पीले रंग के पैकेट मिले, जिसमें तीन किलो हेरोइन थी मार्केट में इस हेरोइन की कीमत 15 करोड़ रुपए है। टेक्निकल खराबी के कारण ड्रोन सीमा के पास खेत में गिर गया, जिससे तस्करी की योजना फेल हो गई।

पिछले महीने लगातार दो दिन मिली थी 30 करोड़ की हेरोइन

बता दें कि पिछले महीने 23 और 24 जुलाई को भी पाकिस्तान से भारत में हेरोइन भेजी गई थी। लेकिन, बीएसएफ के जवानों ने हेरोइन जब्त कर पाकिस्तानी तस्करों के मंसूबों पर पानी फेर दिया था। अनूपगढ़ क्षेत्र से सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने 30 करोड़ की हेरोइन जब्त की थी। लेकिन करोड़ों रुपए के मादक पदार्थ जब्त होने के बाद भी पाकिस्तानी तस्कर बाज नहीं आ रहे है।

इस साल 200 करोड़ से ज्यादा की हेरोइन पकड़ी

बता दें कि अनूपगढ़ क्षेत्र में इस साल अब तक पाकिस्तान से आई कुल 41.478 किलोग्राम हेरोइन को जब्त किया जा चुका है। इस साल पकड़ी गई हेरोइन की कीमत 200 करोड़ रुपए से ज्यादा बताई जा रही है।

17 नए जिलों को लेकर भजनलाल सरकार ने जारी किया आदेश

जयपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के समय बनाए 17 जिलों के अस्तित्व को लेकर फिर आशंका बढ़ गई है। प्रदेश की भजनलाल सरकार ने इन जिलों की विभिन्न विभागीय सोसायटियों से संबंधित राजस्व जमा करने और उनके काम स्वीकृत करने का अधिकार फिर पुराने जिलों के कलक्टरों को ही सौंप दिया है। वित्त विभाग की ओर से इस बारे में जारी आदेश 31 मार्च 2025 तक प्रभावी रहेगा।

जानकारी में आया है कि अनेक नए जिलों में डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) व सरकारी अस्पतालों से संबंधित राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी जैसी विभिन्न विभागीय सोसायटियों का गठन नहीं हो पाया है। इस कारण राज्य सरकार ने इनके कामकाज से संबंधित अधिकार पुराने मूल जिलों के कलक्टरों के पास ही बनाए रखने का निर्णय किया है।

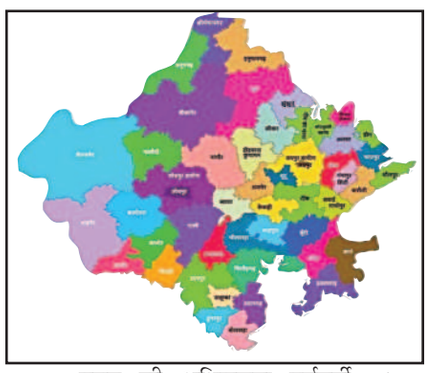

राजस्थान के इन 17 जिलों के गठन की अधिसूचना पूर्ववर्ती सरकार के समय 5 अगस्त 2023 को जारी की गई थी। ऐसे में तत्कालीन सरकार ने 31 मार्च 24 तक इन कमेटियों के कामकाज व राजस्व से संबंधित जिम्मेदारी पुराने मूल जिलों के पास ही रखने का निर्णय किया था। यह व्यवस्था एक सितम्बर 23 से लागू की गई, जिसके अंतर्गत नए जिलों से आए राजस्व व उनके खर्चों से संबंधित विवरण पुराने मूल जिलों को अलग से रखने के निर्देश दिए गए हैं।

यह भी है कारण

हाल ही राज्य सरकार ने नए जिलों के संबंध में अध्ययन के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी ललित के पंवार की कमेटी बनाई है। इसकी रिपोर्ट आने में समय लगेगा। \इस कारण नए जिलों की विभागीय सोसायटियों के पुनर्गठन का कार्य पूरा होने में अभी समय लगेगा।

क्षेत्राधिकार पहले की तरह ही

कुछ नए जिले एक से अधिक पुराने मूल जिलों से बने हैं, ऐसे में विभागीय सोसायटियों से संबंधित इस कार्य का क्षेत्राधिकार पूर्ववत ही पुराने मूल जिलों के पास बना रहेगा।

किरोड़ी मीणा ने आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सही बताया, कहा- वंचित लोगों को लाभ मिलेगा

दौसा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। दौसा जिले के नांगल राजावत तहसील के मीणा हाईकोर्ट में धूमधाम से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ आदिवासी दिवस का आगाज हुआ। इस मौके पर डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सही बताते हुआ कहा कि क्रीमी लेयर का मतलब जो लोग आरक्षण का लाभ लेकर आईएएस, आरएएस या कुछ बन गए हैं, उसके बाद भी पिछड़ा, आदिवासी बनकर आरक्षण का

लाभ लेना चाहते हैं। ऐसे लोगों को सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर दिक्कत है। आज विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर डॉ. किरोड़ीलाल मीणा सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले में साथ दिखे, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यदि सरकारी चाहे तो आरक्षण के अंदर आरक्षण की व्यवस्थाएं कर सकती है। कोर्ट की इस बात पर डॉक्टर मीणा ने कहा कि यह एक अच्छा फैसला है। जो लोग आरक्षण का लाभ ले चुके हैं, वे लोग इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। जबकि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार जो लोग आरक्षण से वंचित हैं, उन लोगों को इस फैसले का लाभ मिलेगा।

'चेत जाइए मुख्यमंत्री जी!... नहीं तो 6 उपचुनावों में ये 'मोरिया' फिर बोलेगा!'
कांग्रेस ने सीएम भजनलाल पर बोला हमला

जयपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को सोशल मीडिया पर मोर के साथ तस्वीरें शेयर की। जिस पर प्रदेश कांग्रेस ने निशाना साधा है। कांग्रेस ने सीएम शर्मा के पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए लिखा कि 'चेत जाइए मुख्यमंत्री जी! मोर को निहारने से नहीं, जनता के काम करने से होगा।'

कांग्रेस ने भजनलाल पर साधा निशाना

राजस्थान कांग्रेस के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने सीएम शर्मा के पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए लिखा कि 'मोर समझदार है, मुख्यमंत्री जी को बिल्कुल भी भाव नहीं दे रहा है! क्योंकि 8 महीने में जनता के काम तो कुछ हुए नहीं। चेत जाइए मुख्यमंत्री जी! मोर को निहारने से नहीं, जनता के काम करने से होगा। नहीं तो 6 उपचुनावों में ये 'मोरिया' फिर बोलेगा!'

सीएम भजनलाल ने मोर को किया आहार प्रदान

राजस्थान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए लिखा कि 'आज प्रातःकाल की बेला में मुख्यमंत्री आवास पर भगवान कार्तिकेय के वाहन, पक्षियों के राजा राष्ट्रीय पक्षी मोर को आहार प्रदान किया। ईश्वर द्वारा सृजित, भगवान श्रीकृष्ण की परछाई के रूप में विख्यात राष्ट्रीय पक्षी मोर सौंदर्य, प्रेम एवं स्नेह का प्रतीक हैं। इनकी सेवा स्वयं में आराधना है, जो दैवीय कृपा से कम नहीं है।'

छात्रसंघ चुनाव कराए बिना फीस लेने का मामला राजस्थान हाईकोर्ट पहुंचा

जयपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। छात्रसंघ चुनाव कराए बिना उसके नाम पर विश्वविद्यालय के फीस वसूलने का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने राजस्थान विश्वविद्यालय से स्वयं की फीस वापस मांगने का आग्रह कर रखा है। इस कारण मामले को जनहित याचिका के रूप में तो नहीं सुना जा सकता, लेकिन इस मामले को याचिका के रूप में सुना जाएगा।

जनहित याचिका पर यह आदेश

मुख्य न्यायाधीश एम एम श्रीवास्तव और न्यायाधीश गणेश राम मीणा की खंडपीठ ने शुभम रेवाड की जनहित याचिका पर यह आदेश दिया। याचिका में कहा गया था कि राजस्थान विश्वविद्यालय प्रत्येक छात्र से विभिन्न मदों में फीस वसूल करता है, जिसमें छात्रसंघ चुनाव भी शामिल है। विश्वविद्यालय प्रत्येक छात्र से छात्रसंघ चुनाव के नाम से 145 रुपए लेता है, और उसके सदस्यता शुल्क के नाम से 110 रुपए वसूल करता है। इस तरह याचिकाकर्ता से राजस्थान विश्वविद्यालय ने छात्रसंघ के लिए कुल 255 रुपए वसूल किए और इस मद में सभी छात्रों से वसूल की गई कुल राशि करीब 63 लाख रुपए है। यह राशि लेने के बावजूद राजस्थान विश्वविद्यालय, छात्रसंघ चुनाव नहीं करा रहा है।

याचिका में विश्वविद्यालय प्रशासन से छात्रसंघ चुनाव के नाम पर ली गई राशि वापस दिलाने का आग्रह किया गया है।

बीजेपी की कार्यकारिणी में कोई बदलाव नहीं
केवल निष्क्रिय पदाधिकारी बदलेंगे- मदन राठौड़

जयपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के नए प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रेस से बात करते हुए जयपुर में लंबे समय से चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया है। प्रदेश अध्यक्ष ने एक सवाल के जवाब में कहा कि केवल और केवल निष्क्रिय कार्यकारी को ही बदल जाएगा बाकी की कार्यकारिणी वैसे ही रहेगी। कार्य करने में कोई बदलाव किए जाने का अभी कोई समय और मूड नहीं है।

प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के बयान के बाद निरंतर रूप से चल रही कार्यकारिणी बदलाव की चर्चाएं उपचुनाव तक थम गई हैं। अधिकांश समय देखा गया है कि जब भी भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष का बदलाव किया जाता है तो सारी कार्यकारिणी में बदलाव तय माना जाता है। नए

अध्यक्ष अपने हिसाब से अपनी कार्यकारिणी बनाते हैं लेकिन प्रदेश में अक्टूबर में 6 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना हैं , इसलिए नए प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ उपचुनाव से पहले किसी भी प्रकार की कंट्रोवर्सी में आने के इच्छुक नहीं नजर आ रहे हैं, वह पहले से स्थापित कार्यकारिणी के साथ ही उपचुनाव में जाने का अपना मन बन चुके हैं।

चर्चा यह भी है कि अगर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ अपनी टीम में बदलाव करते हैं और नई टीम चुनाव से पहले बनाते हैं तो चुनाव में आने वाले नतीजे की जिम्मेदारी भी फिर प्रदेश अध्यक्ष को ही लेनी होगी।

आसमानी आफत ने ले ली मां और दो साल की बिटिया की जान
मलबे के ढेर में दबा था परिवार

भरतपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भरतपुर जिले के नजदीक स्थित डीग जिले में आसमानी आफत के चलते मां और दो साल की बच्ची की जान चली गई। दोनो अपने परिवार के साथ जिस घर में सो रही थीं वह घर उनके उपर ही आ गिरा। जब तक पड़ोसियों ने परिवार को रेस्क्यू किया, तब तक दो मौतें हो चुकी थी। परिवार के बचे हुए तीन सदस्यों को अस्पताल में भर्ती कराया है। तीनों की हालत गंभीर बनी हुई है।

मौके पर पहुंची जुरहरा थाना पुलिस ने बताया कि लगातार बारिश के चलते गावड़ी गांव में स्थित दो मंजिल का मकान ढह गया। यह मकान 27 साल के साजिद का था। घर में साजिद, उसकी पत्नी समसीदा, आठ साल की बेटी सहवाना, चार साल का बेटा मोहिन और दो साल की बेटी अनिया रहते थे। पूरा परिवार एक ही कमरे में सो रहा था। देर रात एक बजे अचानक धमाका हुआ और परिवार के उपर मकान का मलबा गिर गया। समसीदा और आनिया की मौत हो गई। तीनों सदस्यों को गंभीर हालत में आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि जुरहरा और आसपास के कस्बों में तीन दिन से लगातार बारिश का दौर जारी है। कभी तेज बारिश हो रही है तो कभी थमकर बारिश चल रही है। जिस मकान में साजिद रह रहा था वह मकान काफी पुराना था। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि देर रात अचानक धमाके की आवाज आई तो सब डर गए। भागकर बाहर आए तो साजिद का परिवार मलबे में दबा हुआ था।

काल बनकर आया टैंकर
500 मीटर तक घसीटी बाइक पिता-पुत्र की दर्दनाक मौत

भरतपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भरतपुर. एक घर से दूसरे घर जा रहे पिता-पुत्र पर टैंकर कहर बनकर बरपा और बाइक को घसीटते हुए करीब पांच सौ मीटर दूर ले गया। घटना में दोनों पिता-पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अपने स्टेशन रोड स्थित घर से सुन्दरावली मार्ग पर बने नए घर पर बाइक से जा रहे एक पिता-पुत्र को तेज रफ्तार टैंकर ने अपनी चपेट में ले लिया। जिससे पिता रामलाल सैनी (60) व पुत्र हरेंद्र सैनी (23) की मौके पर ही मौत हो गई। घटना इतनी भयानक थी कि प्रत्यक्षदर्शियों ने आक्रोशित होकर सड़क पर जाम लगा दिया। जिसके बाद प्रदर्शनकारी शव रखकर प्रदर्शन करने लगे।

तेज रफ्तार टैंकर की चपेट में आने से हुई दो मौतों के बाद लोगों ने सड़क को जाम कर दिया और पुलिस को खूब खरी खोटी सुनाई। बताया जा रहा है कि घटना की सूचना के बाद करीब आधे घंटे देरी से पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस की कार्यशैली से नाराज लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और पुलिस को खरी खोटी सुनाते हुए सड़क जाम कर दिया। इसके बाद पुलिस के उप अधीक्षक आशीष प्रजापत मौके पर पहुंचे और उनसे बात नही बनी तो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुमनाराम मौके पर पहुंचे और लोगों से समझाइश की।

तेज रफ्तार टैंकर ने कस्बे के मंदिर बाली हनुमान मंदिर के पास बाइक को अपनी चपेट में लिया। बाइक जैसे ही टैंकर की चपेट में आई, पिता रामलाल टैंकर के नीचे आ गए। उसके बाद टैंकर चालक ने टैंकर की रफ्तार और तेज की व बाइक और हरेंद्र को घसीटता रहा। करीब 150 फीट दूरी पर जाकर हरेंद्र भी टैंकर के नीचे आ गया और उसके भी करीब 300 फीट दूरी तक बाइक को घसीटता रहा। आगे एक गोवंश में टक्कर मारी और टैंकर लेकर फरार हो गया। मृतक रामलाल गत 31 जुलाई को ही स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग से सेवानिवृत्त हुआ था तथा पुत्र हरेंद्र कस्बे के राजकीय विद्यालय में कम्प्यूटर अनुदेशक के पद पर कार्य कर रहा था।

घटना की सूचना पर पुलिस ने नाकेबंदी कराई थी और पीछा करते हुए डीग मार्ग पर गांव बेढम की चौकी के पास कच्चे रास्ते से टैंकर को पकड़ लिया है।

भरोसेमंद ठेकेदार ही निकला चोर
सीसीटीवी कैमरों में शॉर्ट सर्किट करके की लाखों की चोरी

चित्तौड़गढ़, 10 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के निम्बाहेड़ा में टेंट व्यवसायी सुरेश काबरा के सूने मकान से 5 लाख से ज्यादा नकदी के साथ 8 से 10 तोला सोने-चांदी के आभूषण चोरी करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर नकदी व आभूषण बरामद कर लिए हैं। चोर टेंट

व्यवसायी का विश्वसनीय ठेकेदार ही निकला, जिसने शातिराना तरीके से घर के सीसीटीवी कैमरों को शॉर्ट सर्किट से बंद कर हाथों में दस्ताने पहनकर चोरी की थी, ताकि किसी भी प्रकार से पकड़ा न जा सके। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि निम्बाहेड़ा के कमधज नगर निवासी सुरेशचंद्र काबरा परिवार के साथ 10 जुलाई से यात्रा पर गए थे। 5 अगस्त को घर वापस लौटने पर पीछे के कमरों में अलमारी के ताले टूटे हुए पड़े थे और घर से पांच लाख रुपये से अधिक नकद राशि और 8 से 10 तोला सोने के जेवर चोरी हो गए थे।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले व काबरा के टेंट व्यवसाय में लगे संदिग्ध लोगों से पूछताछ की। इसमें पश्चिम बंगाल के रामनाथ परा, थाना हेमताबाद, जिला उत्तर दिनाजपुर, हाल मुकाम कमधज नगर, निम्बाहेड़ा निवासी मोजम्मल हक पुत्र माइनत अली की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं।

पुलिस ने मनोवैज्ञानिक तरीके से गहनता से पूछताछ की, जिसमें मोजम्मल ने ही सुरेशचंद्र काबरा के यहां चोरी करना कबूल किया। इसके बाद पुलिस ने आरोपित की सूचना पर चोरी का सारा माल बरामद कर लिया है। आरोपित मोजम्मल पिछले 18 साल से निम्बाहेडा में टेंट के कारोबारियों के पास ठेकेदारी का काम करता है।

सभी पात्र लाभार्थियों को राशन कार्ड : उत्तम

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने घोषणा की है कि राज्य सरकार तेलंगाना में सभी पात्र लाभार्थियों को नए राशन कार्ड जारी करेगी। शनिवार को यहां सचिवालय में अपने कक्ष में नए राशन कार्ड पर कैबिनेट उप-समिति की बैठक के बाद उन्होंने मीडियाकर्मियों से बात की। उत्तम कुमार रेड्डी के अध्यक्ष और स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा तथा राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के सदस्यों वाली समिति ने अपनी पहली बैठक में नए राशन कार्ड जारी करने की प्रक्रिया के तौर-तरीकों पर चर्चा की। बैठक में नागरिक आपूर्ति आयुक्त डीएस चौहान, स्वास्थ्य सचिव क्रिस्टीना जेड चोंगथु और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। उप-समिति ने एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कारकों की जांच की। प्रस्तावित पात्रता मानदंडों में 1.5 लाख रुपये की वार्षिक आय सीमा, ग्रामीण क्षेत्रों में 3.5 एकड़ से कम सूखी भूमि या 7.5 एकड़ से कम आर्द्रभूमि का स्वामित्व और शहरी क्षेत्रों में 2 लाख रुपये की वार्षिक आय सीमा शामिल है। शहरी क्षेत्रों में भूमि स्वामित्व के बजाय वार्षिक आय पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई भी पात्र व्यक्ति पीछे न छूट जाए, उप-समिति एक गहन अध्ययन कर रही है।

इस प्रक्रिया के हिस्से के रूप में पार्टी लाइनों से परे सार्वजनिक प्रतिनिधियों से सुझाव और प्रतिक्रिया मांगने की योजना है। उत्तम कुमार रेड्डी ने घोषणा की कि पात्रता मानदंड पर उनके सुझाव मांगने के लिए सभी संसद सदस्यों, विधानसभा और विधान परिषद को पत्र भेजे जाएंगे। नागरिक आपूर्ति विभाग को इन पत्रों का मसौदा तैयार करने और तुरंत भेजने का काम सौंपा गया है। इसके अलावा, उप-समिति डॉ. एन सी सक्सेना की अध्यक्षता वाली सक्सेना समिति की सिफारिशों पर विचार करेगी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के विशेष आयुक्त हर्ष मंदर सदस्य के रूप में शामिल हैं। बैठक के दौरान, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना के गठन के बाद, आंध्र प्रदेश के समय के मौजूदा 91,68,231 राशन कार्ड रद्द होने और आंध्र प्रदेश में स्थानांतरित होने के कारण घटकर 89,21,907 रह गए। 2016 से 2023 तक, 6,47,479 नए राशन कार्ड जारी किए गए, लेकिन 5,98,000 हटा दिए गए। तेलंगाना में वर्तमान में 281.70 लाख इकाइयों को कवर करने वाले 89.96 लाख राशन कार्ड हैं। इनमें से 35.51 लाख राज्य द्वारा जारी कार्ड हैं, जबकि शेष 54.45 लाख राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) कार्ड हैं। खाद्य सुरक्षा कार्ड (एफएससी) के लिए पात्रता आय, भूमि स्वामित्व और विशिष्ट कमजोरियों पर आधारित है। उन्होंने बताया कि राज्य की अनुमानित जनसंख्या 2024 में 3.94 करोड़ होगी, जिसमें से लगभग 73.637 मौजूदा राशन कार्ड इकाइयों के अंतर्गत आती है। राज्य को मौजूदा कार्डों में नए सदस्यों को जोड़ने के लिए 11.33 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो 16.36 लाख इकाइयों के बराबर हैं। इन अतिरिक्त सदस्यों के लिए अनुमानित व्यय प्रति वर्ष 495.12 करोड़ रुपये है। मंत्री ने कहा कि नए राशन कार्डों के लिए 10 लाख आवेदन हैं, जिनके 31.60 लाख इकाइयों को कवर करने का अनुमान है, जिस पर प्रति वर्ष 956.04 करोड़ रुपये का व्यय होगा। उत्तम कुमार रेड्डी ने आगे कहा कि राज्य सरकार पात्रता मानदंडों को परिष्कृत करने की योजना बना रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी पात्र परिवार खाद्य सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत आ सकें।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें ट्वीट्स @SCRailwayindia पर फालो करें।हमारे वेबसाइटः www.scr.indianrailways.gov.in पर भी निविदा सूचनाओं का विवरण देखें।

ई-टेन्डर आमंत्रण सूचना (http://ireps.gov.in द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियन्ता, ट्रैक्शन डिस्ट्रिब्यूशन, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु सिंगल पैकेट सिस्टम आफ टेन्डरिंग में ई-निविदा आमंत्रित हैं।

एनआईटी सं. -सी/इ.29/टीआरडी/एससी/21/2024-25 कार्य विवरणः टेन्डर सं.-सी/इ.29/टीआरडी/एससी/ 21/2024-25 दि.1-8-2024 एससी डिवीजन-विकाराबाद-परली के कमालनगर पर दो अतिरिक्त लूप लाइन्स के प्रावधान सहित तत्संबंधित टीआरडी व्यवस्था। अनुमानित मूल्यः रु. 1,13,97,200.57, पूरा करने की अवधिः120 दिन, बंद करने की तिथिः3-9-2024 के 15.00 बजे

1)बोली दस्तावेज व अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः http://ireps.gov.in पर लागिन करें।
2) निविदाकर्ता तत्संबंधित में केवल ई-टेन्डरिन्ग के माध्यम से ही भाग ले सकते हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स पर विचार नहीं किया जायेगा।
3) सभी भावी निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि, केवल आनलाईन पेमेन्ट्स द्वारा ही निविदा प्रपत्र मूल्य एवम् पूधरा जमा करें।
4) सभी भावी निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआईएन पहचान संख्या प्राप्त कर, उसे अपने आफर्स सहित प्रस्तुत करें।
5) निविदाकर्ता को चाहिए कि, किसी भी शुद्धिपत्रों(केवल आनलाईन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति अवधि के प्रारंभ की तिथि तक, ही अवलोकन करें।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियन्ता/टीआरडी/सिकंदराबाद

ई-टेन्डर आमंत्रण सूचना (http://ireps.gov.in द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियन्ता, ट्रैक्शन डिस्ट्रिब्यूशन, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु सिंगल पैकेट सिस्टम आफ टेन्डरिंग में ई-निविदा आमंत्रित हैं।

एनआईटी सं.-सी/इ.29/टीआरडी/एससी/22/2024-25, कार्य विवरणः निविदा सं.-सी/इ.29/टीआरडी/एससी/22/2024-25, दि.5-8-2024, एससी डिवीजनः सिकंदराबाद पर 3 स्टैबलिन्ग लाइन्स के प्रावधान सहित तत्संबंधित टीआरडी व्यवस्था। अनुमानित मूल्यः रु.1,99,42,281.81, पूरा करने की अवधिः120 दिन, बंद करने की तिथिः 2-9-2024 के 15.00 बजे

1)बोली दस्तावेज व अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः http://ireps.gov.in पर लागिन करें।
2) निविदाकर्ता तत्संबंधित में केवल ई-टेन्डरिन्ग के माध्यम से ही भाग ले सकते हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स पर विचार नहीं किया जायेगा।
3) सभी भावी निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि, केवल आनलाईन पेमेन्ट्स द्वारा ही निविदा प्रपत्र मूल्य एवम् पूधरा जमा करें।
4) सभी भावी निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआईएन पहचान संख्या प्राप्त कर, उसे अपने आफर्स सहित प्रस्तुत करें।
5) निविदाकर्ता को चाहिए कि, किसी भी शुद्धिपत्रों(केवल आनलाईन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति अवधि के प्रारंभ की तिथि तक, ही अवलोकन करें।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियन्ता/टीआरडी/सिकंदराबाद

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियन्ता, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से दि.27-08-2024 के 15.00 बजे तक, खुली निविदाएं आमंत्रित हैं। निविदा तिथिः 2-8-2024

1.निविदा सं. सी_एसजी _36 508 दि.2-8-2024 कार्य विवरणः 1. विकाराबाद-परली सेक्शन के मारपल्ली पर तीन अतिरिक्त लूप लाइन्स के प्रावधान सहित तत्संबंधित सिग्नल व दूरसंचार व्यवस्था।
2. विकाराबाद-परली सेक्शन के भालकी पर दो अतिरिक्त लूप लाइन्स के प्रावधान सहित तत्संबंधित सिग्नल व दूरसंचार व्यवस्था।
3.विकाराबाद-परली सेक्शन के कमालनगर पर दो अतिरिक्त लूप लाइन्स के प्रावधान सहित तत्संबंधित सिग्नल व दूरसंचार व्यवस्था। अनुमानित मूल्यः रु.9,74,19,710.86, बोली सुरक्षा राशि/पूधराःरु.6,37,100/-, निविदा पुस्तिका मूल्यः रु. शून्य

अधिक जानकारी हेतु कृपया वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।
जीसीसी -2022 नुसार, बोली सुरक्षा राशि/पूधरा का भुगतान करना चाहिए।
आयआरएसजीसीसी-2022 के नुसार, सभी निविदाकर्ताओ को, निःशुल्क तौर पर, ई-निविदा प्रपत्र जारी किए जायेंगे। (संदर्भः आयआरएसजीसीसी-2022, पार्ट-I, क्लाज-3)

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियन्ता/को-आर्ड/सिकंदराबाद

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियन्ता, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से दि.27-08-2024 के 15.00 बजे तक, खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

1.निविदा सं.- सी_एसजी _36 _509 दि.6-8-2024 कार्य विवरणः 1. एचआर(एचइआर) स्टेशन पर स्टेशन बिल्डिन्ग का पुनर्वसन या रेहाबिलिटेशन सहित तत्संबंधित सिग्नल्लिन्ग व्यवस्था। 2. एससी डिवीजन के प्रस्तावित अमृत भारत स्टेशन योजना के कार्यों सहित तत्संबंधित सिग्नल्लिन्ग व्यवस्था। 3. एचआर(एचइआर) स्टेशन पर स्टेशन बिल्डिन्ग का पुनर्वसन या रेहाबिलिटेशन सहित तत्संबंधित दूरसंचार व्यवस्था। अनुमानित मूल्यः रु.76,53,845.87, बोली सुरक्षा/पूधराःरु.1,53,100/-, निविदा पुस्तिका मूल्यःरु. शून्य

अधिक जानकारी हेतु कृपया वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।
जीसीसी -2022 नुसार, बोली सुरक्षा राशि/पूधरा का भुगतान करना चाहिए।
आयआरएसजीसीसी-2022 के नुसार, सभी निविदाकर्ताओ को, निःशुल्क तौर पर, ई-निविदा प्रपत्र जारी किए जायेंगे। (संदर्भः आयआरएसजीसीसी-2022, पार्ट-I, क्लाज-3)

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियन्ता/को-आर्ड/सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं.85/2024, दि.9-8-2024 भंडारण मदों की आपूर्ति

ई-प्रोक्यूरमेन्ट निविदा सूचना

निम्न निविदाओं को आनलाईन पर प्रदर्शित किया गया है। निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि, वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें तथा अपने आफर्स को आनलाईन पर प्रस्तुत करें। उक्त वेबसाइट पर निविदा विवरण, मात्रा, पूधरा, एसडी प्रदर्शित है। मैन्युएल रूप से प्रस्तुत आफर्स अस्वीकार किये जाएंगे। डाक द्वारा प्रेषित आफर्स पर विचार नहीं किया जायेगा। तत्संबंधित निविदा की नियत तिथि की, निविदा बंद करने का समय 14.30 बजे है। सभी स्वदेशी या इन्डिजेनस आफर्स, पूधरा केवल आनलाईन द्वारा सिस्टम पर उपलब्ध वेबसाइटःwww.ireps.gov.in से ही स्वीकार किए जायेंगे।

निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण
एलएच246398	आपूर्ति, इरेक्शन, टेस्टीन्ग व कमीशनींग
60246822	टी-8979 से 8982 तक शार्प कर्व्ज के लिए स्लीपर्स
81241443	पेनेट्रेट सिस्टम
90.24.1041	आय.एस इक्वल लेग एन्गल साइज40x6एमएम
एलएच24634	उच्च क्षमतायुक्त 500एएमपी 750वोल्ट्स
29241041	आरडीएसओ नुसार इलास्टिक रिंग(एक्काथन रिंग)
6024पीटी030	डिरेलिंग स्वीच टी-6068 की प्रोक्यूरमेंट या प्रापण
56245124	ब्लाक प्रोवाइडिन्ग एक्सल काउन्टर
91241125ए	एल्युमिनियम चेकर्ड शीट
46245013	पीटीएफइ टाइप शार्ट न्यूट्ल
38242366ए	न्यू डोरवे स्टिफनिन्ग
66246337	रोलर्स की प्रोक्यूरमेंट या प्रापण
45241003	ब्लाइंड साकेट कम्प्लीट एसेम्बली
66246518	फिल्टर एलिमेन्ट की प्रोक्युरमेंट या प्रापण
54241139	बूम एसेम्बली
56245028बी	50 पेरX0.5एमएम की प्रोक्युरमेन्ट
31242143	18 महिनों के लिए ओवरहालिन्ग किट्स
56245122	हाय एवेलिबिलिटी सिंगल सेक्शन डिजीटल एक्सल
56241244	इलेक्ट्रिकिल लिफ्टिन्ग हेतु काउंटर वेट
45241055	140वी.एसी 450एमएम स्वीप रेलवे कैरेज फैन
42241482	400ए की जेडएस कपलिन्ग हेतु स्पेर किट
56241199	200एएच लो मेनटेनेन्स लीड एसिड
56245126	एसएमपीएस आधारित इंटिग्रेटेड पावर की आपूर्ति

टिप्पणीः- निविदा खोलने की नियत तिथिः

क्रम सं. 01 दि.19-08-2024, क्रम सं. 02 एवं 03 दि.27-08-2024, क्रम सं. 04 दि.28-08-2024, क्रम सं. 05 दि.29-08-2024, क्रम सं. 06 दि.30-08-2024, क्रम सं. 07 से 12 दि.2-9-2024, क्रम सं. 13 से 14 दि.3-9-2024, क्रम सं.15 दि.4-9-2024, क्रम सं. 16 एवं 17 दि.5-9-2024, क्रम सं.18 दि.9-9-2024, क्रम सं.19 से 21 दि.10-9-2024, क्रम सं.23 दि.11-9-2024

शुद्धिपत्र

निविदा सूचना सं.84/2024 दि.2-8-2024, निविदा सं.33.24.5004, नियत तिथि 14.08.2024, संक्षिप्त विवरणः आटोमेटिक स्मोक/फायर डिटेक्शन की आपूर्ति, इंस्टाल्लेशन या स्थापना, कमीशनींग व रखरखाव की नियत तिथि को, मौजूदा के बदले, दि. 21-08-2024 पढा जाए।

उपरोक्त विवरित निविदाओं के अतिरिक्त रु.25 लाख से कम मूल्य की निविदाएं भी हैं। विस्तृत विवरण हेतु, कृपया उपरोक्त रेलवे वेबसाइट देखें।

A1018 प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, सिकंदराबाद

निविदा शर्तें/विस्तृत विवरण तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिन्ग हेतु कृपया हमारा वेबसाइट्स : https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

जोइटिस इंक हैदराबाद में क्षमता केंद्र का विस्तार करेगी

मुख्यमंत्री के यूएसए दौरे के दौरान कंपनी ने बैठक में की घोषणा

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पशु स्वास्थ्य में वैश्विक अग्रणी जोइटिस इंक ने कंपनी के अभिनव प्रौद्योगिकी पोर्टफोलियो को आगे बढ़ाने के लिए हैदराबाद में जोइटिस इंडिया क्षमता केंद्र के विस्तार की घोषणा की। क्षमता केंद्र अगले महीने सितंबर में स्थापित किया जाएगा, जिससे 100 से अधिक नई नौकरियां पैदा होंगी और कंपनी के अभिनव प्रौद्योगिकी पोर्टफोलियो को मजबूत किया जाएगा। यह घोषणा मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और चल रहे यूएसए दौरे में उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ एक बैठक के दौरान की गई। नवाचार और प्रतिभा के केंद्र के रूप में इस क्षेत्र के रणनीतिक महत्व को पहचानते हुए, प्रस्तावित विस्तार भारत में जोइटिस की उपस्थिति को मजबूत करेगा और सैकड़ों नए रोजगार सृजित करेगा। इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा, हम हैदराबाद में अपने जोइटिस इंडिया क्षमता केंद्र का विस्तार करने के जोइटिस के निर्णय से प्रसन्न हैं। यह तेलंगाना में हमारे द्वारा विकसित किए गए संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र का प्रमाण है, जहां व्यवसाय बढ़ सकते हैं और नवाचार कर सकते हैं। भविष्य की प्रौद्योगिकियों में जोइटिस का निवेश हैदराबाद को उन्नत प्रौद्योगिकियों और जीवन विज्ञान के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाने के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप है।

आसनसोल और वारंगल के बीच नया रेल मार्ग : अश्विनी वैष्णव

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे, संचार और आईटी, सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आदिवासी क्षेत्र के माध्यम से एक नया रेल मार्ग प्रदान करने के लिए पांडुरंगपुरम-भद्राचलम-मलकानगिरी नई रेलवे लाइन परियोजना को उच्च प्राथमिकता के साथ लिया जाएगा और यह आसनसोल और वारंगल के बीच वैकल्पिक रेल मार्ग के रूप में कार्य करेगी। इस परियोजना में जूनागढ़-नबरंगपुर-जयपुर-मलकानगिरी-भद्राचलम-पांडुरंगपुरम के बीच संपर्क शामिल है। जूनागढ़-नबरंगपुर, मलकानगिरी-भद्राचलम-पांडुरंगपुरम के बीच 290 रूट किलोमीटर की लंबाई वाली नई रेल लाइन परियोजना पर 7383 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने आज नई दिल्ली में मीडियाकर्मियों और हैदराबाद मीडिया से वर्चुअली बात की। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सिकंदराबाद के रेल निलयम में वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। उन्होंने यह भी कहा कि इस परियोजना से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों को काफी लाभ होगा। यह उत्तरी और पूर्वी भारत के लिए एक अतिरिक्त रेल गलियारा होगा, जो दक्षिण भारत के ताप विद्युत संयंत्रों को तेजी से कोयला प्राप्त करने में मदद करेगा, एल्यूमीनियम और लौह अयस्क उद्योगों को बेहतर कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा। नई लाइन आंध्र और तेलंगाना में कृषि उत्पादों को व्यापक बाजार भी प्रदान करेगी। यह मौजूदा विजयवाड़ा-विशाखापट्टनम-भुवनेश्वर-कोलकाता के तटीय क्षेत्र को नए मार्ग वारंगल-भद्राचलम-मलकानगिरी-जयपुर-टिटलागढ़ तक अतिरिक्त रेल मार्ग प्रदान करेगी। इस नई लाइन से ओडिशा और पूर्वी गोदावरी (आंध्र प्रदेश) और भद्राद्री कोत्तागुडेम (तेलंगाना) के उपरोक्त जिलों का सामाजिक-आर्थिक विकास होगा। यह कॉरिडोर महानदी कोयला क्षेत्र से मध्य और दक्षिण भारत में स्थित बिजली संयंत्रों को छोटी कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि नई रेलवे लाइन आपदा प्रबंधन बैक-अप रूट के रूप में काम करेगी। यह नई लाइन ओडिशा के विभिन्न जिलों को चक्रवात के दौरान भी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, यदि हावड़ा-विजयवाड़ा तटीय मार्ग में मौजूदा मार्गों की कनेक्टिविटी प्रभावित होती है। यह इस क्षेत्र में खाद्यान्न, उर्वरक, कृषि उत्पादों और सीमेंट की आसान पहुंच प्रदान करेगी। नई लाइन के शुरू होने से दक्षिणी ओडिशा और बस्तर क्षेत्र से दक्षिण भारत की दूरी 124 किमी कम हो जाएगी और यह राजमंड्री और विशाखापट्टनम जैसे व्यस्त गलियारों को दरकिनार करते हुए वैकल्पिक मार्ग के रूप में भी काम करेगी। इस परियोजना से एक करोड़ मानव दिवस रोजगार पैदा होगा और लगभग 267 करोड़ किलोग्राम कार्बन फुटप्रिंट कम होगा जो तीन करोड़ 80 लाख पेड़ लगाने के बराबर है।

कांवड यात्रा कल निकलेगी

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद कल सोमवार को कावड़ शोभायात्रा निकालेगी। एसोसिएशन के महासचिव प्रभास कुमार ने बताया कि यह छठी भव्य कांवड़ उप्पल शिवालय से शुरू होकर महिंद्रा हिल्स शिवालय में जाकर शिव को जल अर्पण के साथ समाप्ति होगी। इसमें बडी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। एसोसिएशन के अध्यक्ष हरे राम सिंह ने शिव भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है। बिहार एसोसिएशन की महिला शक्ति भी भारी मात्रा में शोभायात्रा में भाग ले रही हैं। अध्यक्ष हरेराम सिंह, महासचिव प्रभास कुमार, उपाध्यक्ष उत्तम यादव, शैलेश रेड्डी, शत्रुघन राम के नेतृत्व में जगह-जगह यात्रा की तैयारी कराई जा रही है।

जुआ खेलने के आरोप में सात लोग गिरफ्तार

मंचेरियल, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को अशोक नगर के एक घर में प्रतिबंधित जुआ खेलने के आरोप में टास्क फोर्स की टीम ने सात लोगों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 19,500 रुपये नकद और छह मोबाइल फोन जब्त किए गए। टास्क फोर्स के पुलिस इंस्पेक्टर राज कुमार ने बताया कि थडका रवि, पिल्ली राजू, मोहम्मद याकूब, पित्तला संपत, नरला श्रीनिवास, पासुला वेंकट स्वामी और मंदा कृष्णा को एक घर में गुप्त रूप से अपराध करते हुए पकड़ा गया। आगे की कार्रवाई के लिए सातों को मंचेरियल पुलिस को सौंप दिया गया। टास्क फोर्स के उपनिरीक्षक उपेन्द्र, लछन्ना और उनके कर्मचारियों ने इस ऑपरेशन में भाग लिया।

चोरों ने गायब की मंदिर की दो हुंडियां

मेदक, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार की सुबह मेदक जिले के एडुपयाला में श्री वनदुर्गा भवानी मंदिर में कुछ अज्ञात बदमाशों ने मंदिर के चढ़ावे के डिब्बे (हुंडी) से पैसे उड़ा लिए। सीसीटीवी फुटेज में बदमाशों को मंदिर परिसर में घुसते और दो हुंडी उठाकर पुराने कल्याण कट्टा में ले जाते हुए दिखाया गया है, जहां उन्होंने उन्हें तोड़ दिया और भक्तों द्वारा चढ़ाए गए नकदी और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए।

दुर्गा माता मंदिर में सामूहिक रुद्राभिषेक आज

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति और बिहार महिला एसोसिएशन, मलकाजगिरी द्वारा दुर्गा माता मंदिर,(इंदिरा नेहरू नगर) के प्रांगण में आज रविवार को प्रात: 8 बजे से रुद्राभिषेक तथा सायं 4.30 बजे से सुंदरकांड का अखंड पाठ किया जाएगा। समिति के पदाधिकारियों ने इस पुण्य अवसर का लाभ लेने की अपील की है। रुद्राभिषेक का कार्यक्रम महिला एसोसिसन द्वारा आयोजित है। इस कार्यक्रम का संचालन महिला समिति कि मनोनीत अध्यक्षा, महिला समिति के सांस्कृतिक प्रभारी, व अन्य सदस्यों द्वारा किया जायेगा।

बंडी ने रेवंत सरकार के खिलाफ जल्द ही लोगों के युद्ध की भविष्यवाणी की

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने आज कहा कि जिस दिन सीएम रेवंत रेड्डी लोगों का भरोसा खो देंगे, उसी दिन से वे उनकी सरकार के खिलाफ युद्ध शुरू कर देंगे और दावा किया कि न तो कांग्रेस और न ही बीआरएस पार्टी में भाजपा के युद्ध का सामना करने की शक्ति होगी। शनिवार को मीडिया के साथ अनौपचारिक बातचीत में बंडी ने कहा कि बीआरएस पार्टी के साथ विलय के लिए भाजपा की बातचीत फर्जी खबर है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ईमानदार आईएएस अधिकारियों को पोस्टिंग नहीं दे रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसे कम समय में जनता के विरोध का सामना करना पड़ा है। आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच होगा। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार ग्राम पंचायतों को धन मुहैया कराने की स्थिति में नहीं है, उन्होंने कहा कि पंचायतें केंद्रीय निधियों से चल रही हैं।

महिला ने पानी समझकर पी लिया मच्छर भगाने वाला लिक्विड, मौत

कोत्तागुडेम, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नगरपालिका की एक संविदा कर्मचारी बाथुला ओडेम्मा (65) की उस समय मौत हो गई, जब उसने गलती से पीने का पानी समझकर रंगहीन मच्छर भगाने वाला फॉगिंग लिक्विड पी लिया। बताया जा रहा है कि महिला नगरपालिका के आठवें वार्ड में काम करते समय प्यास लगने पर प्लास्टिक की बोतल में रखा तरल पदार्थ पी गई थी। जब वह बीमार हुई तो स्थानीय लोगों ने उसे इलाज के लिए सरकारी जनरल अस्पताल पहुंचाया, जहां शनिवार सुबह उसकी मौत हो गई।

परिवार के सदस्यों और जन संगठनों ने शिकायत की कि अस्पताल के डॉक्टरों और नगर निगम के अधिकारियों ने महिला को उचित उपचार सुनिश्चित करने में विफल रहे, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। जन संगठनों के सदस्यों ने महिला के परिवार को 25 लाख रुपये मुआवजे की मांग करते हुए सरकारी अस्पताल के शवगृह में विरोध प्रदर्शन किया।

विधायक के. संबाशिव राव ने तत्काल सहायता के रूप में 3 लाख रुपये और अंतिम संस्कार के खर्च के लिए 10,000 रुपये देने की घोषणा की, इसके अलावा परिवार के एक सदस्य को संविदा नौकरी और एक पक्का मकान देने की भी घोषणा की।

सीएम रेवंत ने प्रो. राम चरण से मुलाकात की

कैलिफोर्निया/हैदराबाद 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कैलिफोर्निया के बे एरिया में एक बिजनेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विश्व प्रसिद्ध बिजनेस कंसल्टेंट, लेखक और वक्ता प्रोफेसर राम चरण से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान, प्रो. राम चरण, जिन्होंने कई शीर्ष कंपनियों, सीईओ और बोर्ड के साथ काम करते हुए वैश्विक व्यापार विचारों और रुझानों को आकार देने में 40 से अधिक साल बिताए हैं, ने राज्य के विकास के लिए तेलंगाना सरकार की योजनाओं पर खुशी जताई। शनिवार को एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में, मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने प्रो. राम चरण को हैदराबाद आने और तेलंगाना राज्य के विकास के लिए अपना समर्थन देने के लिए आमंत्रित किया है। अमेरिका में एक प्रमुख प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में, टोयोटा, बैंक ऑफ अमेरिका, की बैंक, नोवार्टिस, यिल्डिज होल्डिंग्स, यूएसटी ग्लोबल, फास्ट रिटेलिंग (यूनिक्लो), मैट्रिक्स सहित दुनिया के शीर्ष निगमों के साथ व्यावहारिक अनुभव के साथ, प्रोफ़ेसर राम चरण को तेजी से बदलते माहौल में व्यवसाय चलाने की जटिलता को कम करने के लिए जाना जाता है ताकि मुख्य व्यावसायिक समस्याओं को उजागर किया जा सके, उन्होंने तेलंगाना में विचार करने और लागू करने के लिए कई दिलचस्प विचार दिए। राम चरण ने एक दर्जन से अधिक नेताओं को प्रशिक्षित किया है जो आगे चलकर सीईओ बन गए, और उन्होंने 30 से अधिक पुस्तकें लिखी हैं।

आवारा कुत्तों के खिलाफ विशेष अभियान चलाए सरकार : टीपीसीसी

मृतक व्यक्तियों के परिवारों को मुआवजा दे सरकार

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) ने राज्य सरकार से राज्य भर में आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए विशेष अभियान शुरू करने की अपील की। वारंगल के एमजीएम अस्पताल में हुई घटना का जिक्र करते हुए, जहां एक नवजात शिशु को आवारा कुत्तों ने नोच लिया था। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी निरंजन ने कहा कि बढ़ती घटनाओं के बावजूद अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। निरंजन ने शनिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में मांग की कि संबंधित स्थानीय निकायों को मृतक व्यक्तियों के परिवारों को 5 लाख रुपये और घायल व्यक्तियों को 50,000 रुपये से 1 लाख रुपये का मुआवजा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2 अगस्त को हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री डी राजनरसिम्हा को अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

सीपीजीईटी में मंचेरियल के छात्रों का जलवा

मंचेरियल, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीहर्ष डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों ने कॉमन पोस्ट ग्रेजुएशन प्रवेश परीक्षा (सीपीजीईटी) में शानदार प्रदर्शन किया, जिसके परिणाम शनिवार को घोषित किए गए। श्रीहर्ष डिग्री कॉलेज के चेयरमैन पल्ले भूमेश ने प्रेस को जारी बयान में बताया कि संस्थान के छात्र अल्ताफ ने एमकॉम में 42वीं रैंक हासिल की है, जबकि समरशील, प्रणय और सीएच साई किरण ने एमएससी (डेटा साइंस) में क्रमशः 55वीं, 89वीं और 318वीं रैंक हासिल की है। एम.एस.सी. (फूड साइंस) में एम.श्रावणी ने 171वीं रैंक हासिल की है। रैंक पाने वालों को प्रिंसिपल अनीता ठाकुर और शिक्षकों ने बधाई दी।

धमाका सेल अंतिम तीन दिन में शिवराज लक्ष्मीचन्द जैन ज्वलर्स

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमाजिगुडा स्थित शिवराज लक्ष्मीचन्द जैन ज्वलर्स में चल रहा वार्षिक धमाका सेल जो कि प्रतिवर्ष जुलाई महिने में रहता है वह अब अपने अंतिम रचण में है.. इस वार्षिक सेल में आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटका, तमिलनाडु एवं तेलंगाना के विभिन्न क्षेत्रों से ग्राहकों का आवगमण रहा । ग्राहक इस बार डिजाइन को लेकर काफी खुश नजर आय।

ग्राहकों को लाइट वेट ज्वलरी, हाथफुल, नेक्लेस, हॉफ सेट, अुलसेट, चुडी, पाटला, कड़ा, मंगलसुत्र, चेन, ब्रासलेट की डिजाइन्स ने मन लुभा दिया। यह सेल जल्द ही समाप्त होने जा रही है। बाहर गांव से पधारने वाले सभी ग्राहाकें को यह अंतिम अवसर है।

ओलिंपिक टैली में चीन नंबर 1

34 गोल्ड समेत 84 मेडल जीते; भारत 5 ब्रॉन्ज, 1 सिल्वर के साथ 69वें स्थान पर

पेरिस ओलिंपिक 2024 : मेडल टैली

रैंक		गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल
69	भारत	0	1	5	6
1	चीन	34	27	23	84
2	अमेरिका	33	40	39	112
3	ऑस्ट्रेलिया	18	16	14	48
4	जापान	16	8	13	37
5	ब्रिटेन	14	20	23	57

पेरिस, 10 अगस्त (एजेंसियां)। ओलिंपिक मेडल टैली में चीन 34 गोल्ड, 27 सिल्वर और 23 ब्रॉन्ज मेडल जीतकर नंबर 1 है। दूसरे नंबर पर अमेरिका और तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है। भारत 6 मेडल के साथ 69वें स्थान पर है।

देश को रेसलिंग में अमन सहरावत ने ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। भारत ने जेवलिन थ्रो में सिल्वर और हॉकी में ब्रॉन्ज मेडल मिला।

मनु भाकर ने विमेंस इंडिविजुअल 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट, मनु और सरबजोत सिंह की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीते। साथ ही स्वप्निल कुसाले ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में ब्रॉन्ज दिलाया।

ब्रॉन्ज मेडलिस्ट भारतीय हॉकी टीम भारत लौटी

दिल्ली एयरपोर्ट पर फैंस ने स्वागत किया; खिलाड़ी ढोल-नगाड़ों पर डांस करते दिखे

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलिंपिक 2024 में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय हॉकी टीम अपने देश लौट चुकी है। दिल्ली एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत किया जा रहा है। इस दौरान टीम इंडिया के खिलाड़ी ढोल-नगाड़ों पर डांस करते दिखे।

भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलिंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता। टीम इंडिया ने ब्रॉन्ज मेडल मैच में स्पेन को 2-1 से हराया था। दोनों गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किए थे। वे 10 गोल के साथ टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर भी रहें।

भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में कहा, ₹पदक तो पदक होता है और देश के लिए इसे जीतना बड़ी बात है। हमने फाइनल में पहुंचने और स्वर्ण जीतने की कोशिश की, लेकिन दुर्भाग्य से हमारा सपना पूरा नहीं हुआ। हालांकि, हम खाली हाथ नहीं लौटे हैं, लगातार पदक जीतना अपने आप में एक रिकॉर्ड है। हमें जो प्यार मिला है, वह बहुत बड़ी बात है।

उन्होंने आगे कहा, यह उनके (पीआर श्रीजेश) लिए एक भावुक क्षण था क्योंकि वह अपना आखिरी मैच खेल रहे थे। वे रिटायर हो चुके हैं, लेकिन वह हमारे साथ रहेंगे। मैं भारत सरकार, SAI और ओडिशा सरकार को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। हमें जो प्यार मिल रहा है, वह हमारी जिम्मेदारी को दोगुना कर देता है, हम जब भी खेलेंगे, देश के लिए पदक लाने की कोशिश करेंगे।₹

हॉकी इंडिया के सेक्रेटरी भोला नाथ सिंह ने कहा, वे (पीआर श्रीजेश) ओलिंपिक के क्लोजिंग सेरेमनी में ध्वजवाहक बनने के हकदार थे। भारत सरकार और भारतीय ओलिंपिक समिति ने उन्हें यह मौका दिया, हॉकी इंडिया उन्हें धन्यवाद देती है।

यह एक शानदार जीत थी, लगातार पदक जीतना एक बड़ी उपलब्धि है। लेकिन, हमारा लक्ष्य फाइनल खेलना था, रेफरी द्वारा अमित रोहिदास को बाहर बैठाने की गलती हमें भारी पड़ी और इसलिए हम यहां ब्रॉन्ज मेडल के साथ हैं, अन्यथा पदक का रंग बदल गया होता।₹

ओलिंपिक में हॉकी का 13वां मेडल जीता

भारतीय टीम ने ओलिंपिक गेम्स में हॉकी में 13वां मेडल जीता है। यह टीम का चौथा ब्रॉन्ज मेडल है। इससे पहले टीम 8 गोल्ड और एक सिल्वर जीत चुकी है।

52 साल बाद लगातार दो ओलिंपिक में हॉकी मेडल

भारत ने 52 साल बाद लगातार दो ओलिंपिक गेम्स में हॉकी का ब्रॉन्ज जीता है। इससे पहले भारतीय हॉकी टीम ने 1968 और 1972 के ओलिंपिक में लगातार दो मेडल जीते थे।

श्रीजेश का आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला

ओलिंपिक का यह ब्रॉन्ज मेडल मैच गोलकीपर श्रीजेश का आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला था। उन्होंने ओलिंपिक से पहले ही अपने संन्यास का ऐलान कर दिया था। श्रीजेश ने ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 11 पेनल्टी कॉर्नर सेव किए थे। यह मैच पेनल्टी शूटआऊट में गया था, इसमें भी उन्होंने 2 शानदार सेव किए थे। इंडियन टीम ने ओलिंपिक में लगातार दूसरा ब्रॉन्ज मेडल जीता है। टोक्यो में इंडिया ने जर्मनी को हराकर ब्रॉन्ज जीता था।

पेरिस ओलिंपिक के टॉप स्कोरर कप्तान हरमनप्रीत

पेरिस ओलंपिक में भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पूरे टूर्नामेंट में यानी 8 मुकाबलों में 10 गोल किए। स्पेन के खिलाफ मुकाबले में भारत के लिए हरमनप्रीत ने 30वें और 34वें मिनट में गोल दागे और यहीं दो गोल भारत की जीत के अहम कारण रहे। नॉकआउट मैचों में कप्तान हरमनप्रीत सिंह का प्रदर्शन दमदार रहा। उन्होंने चार गोल तीन मैचों में दागे और देश को पेरिस ओलंपिक 2024 में चौथा पदक दिलाया।

अमन ने जोरदार अटैक और स्टेमिना से जीता ब्रॉन्ज

10 घंटे में घटाया 4.6 किलो वजन; भारत के सबसे युवा ओलिंपिक मेडलिस्ट

पेरिस, 10 अगस्त (एजेंसियां)। 21 साल 24 दिन की उम्र में अमन सहरावत भारत के सबसे युवा ओलिंपिक मेडलिस्ट बन गए हैं। अमन ने पेरिस ओलिंपिक में भारत को रेसलिंग का पहला मेडल दिलाया। इसी के साथ अमन ने भारतीय रेसलर्स की उस विरासत को आगे बढ़ाया, जिसकी नींव 1952 में केडी जाधव ने ब्रॉन्ज जीतकर रखी थी। भारतीय रेसलर्स ने लगातार 5वें ओलिंपिक खेलों में मेडल जीता है।

अमन ने यह जीत जोरदार अटैक और स्टेमिना से हासिल की। पहला पॉइंट गंवाने के बाद अमन ने आक्रामक रुख अपनाया और विपक्षी को थकाया। फिर दूसरे राउंड में 7 अंक बटोरकर एकतरफा अंदाज में ब्रॉन्ज जीता।

अमन ने फ्री-स्टाइल 57 केजी कैटेगरी में प्यूर्टो रिको के डरियन टोई क्रूज को 13-5 से हराया। यह आसान नहीं था। इस मैच से ठीक पहले उनका वजन 61 किलो से ज्यादा हो गया था, लेकिन अमन और उनके कोच ने महज 10 घंटे के अंदर 4.6 केजी वजन घटाया।

अमन ने 10 घंटे में घटाया 4.6 केजी वजन

सेमीफाइनल के बाद अमन का वजन 61.5 केजी हो गया था, जो उनकी वेट कैटेगरी 57 किलोग्राम से 4.5 किलो ज्यादा था। यहां सीनियर भारतीय कोच जगमंदर सिंह और वीरेंद्र दहिया के सामने यह सबसे बड़ी चुनौती थी कि सुबह से पहले वजन कैसे कम करें।

दहिया बताते हैं कि यह एक मिशन जैसा था, क्योंकि विनेश के साथ जो हुआ उसके बाद हम एक और झटका बर्दाश्त नहीं कर सकते थे। विनेश 100 ग्राम ज्यादा होने के कारण फाइनल के लिए अयोग्य हो गईं और अब कोर्ट में केस लड़ रही हैं। कोच वीरेंद्र दाहिया का मिशन कैसे पूरा हुआ। अमन का वेट कम करते समय सेशन के बीच में नींबू और शहद के साथ गुनगुना पानी और थोड़ी-सी कॉफी पीने को दी गई। फिर अमन को नींद नहीं आई। कोच वीरेंद्र दहिया ने रात भर कुश्ती के वीडियो देखे। हर घंटे अमन का वजन जांचते रहे।

अमन ने यह मुकाबला अपने जोरदार अटैक, स्टैमिना और रणनीति से जीता। पहला पॉइंट गंवाने के बाद अमन ने आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने विपक्षी पर लेग अटैक किया और उन्हें घुटनों पर ले जाकर अंक बटोरे। पहले राउंड में अमन ने बड़ा दांव नहीं खेला और अपना स्टेमिना बचाकर रखा। यहां अमन विपक्षी को थका रहे थे।

जब प्रतिद्वंद्वी थक गया तो फिर अटैक शुरू किया और दूसरे दौर से 7 अंक निकाल लिए। इसमें भी उन्होंने लेग अटैक से अंक निकाले। इतना ही नहीं, जब प्रतिद्वंदी ने अमन के लेग पर अटैक किया तो खुद को बखूबी बचाया। मेरे हिसाब से यह मुकाबला एकतरफा रहा। इस पूरे मुकाबले में अमन ही आगे रहे।

रोचक फैक्ट और रिकॉर्ड

सबसे युवा ओलिंपिक मेडलिस्ट, सिंधु से भी छोटे अमन सहरावत भारत के सबसे युवा ओलिंपिक मेडलिस्ट बन गए हैं। उन्होंने 21 साल 24 दिन की उम्र में ओलिंपिक ब्रॉन्ज जीता। अमन से पहले पीवी सिंधु ने 21 साल एक महीने 14 दिन की उम्र में रियो ओलिंपिक का सिल्वर जीता था।

पेरिस ओलिंपिक में रेसलिंग का पहला मेडल दिलाया अमन सहरावत ने पेरिस ओलिंपिक में रेसलिंग का पहला मेडल दिलाया है। इससे पहले विनेश फोगाट फाइनल तक पहुंचीं, लेकिन अयोग्य घोषित होने के कारण उन्हें अब तक मेडल नहीं मिला।

ओलंपिक पदक विजेता बिंद्रा ने हासिल की एक और उपलब्धि

आईओसी एथलीट आयोग में मिला अहम पद

पेरिस, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने अपने शानदार करियर में एक और शानदार उपलब्धि हासिल की। उन्हें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के एथलीट आयोग का दूसरा उपाध्यक्ष चुना गया। भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बिंद्रा को 2018 में एथलीट आयोग का सदस्य नियुक्त किया गया था। 2008 बीजिंग ओलंपिक में 10 मीटर एयर राइफल के स्वर्ण पदक विजेता बिंद्रा ने पांच ओलंपिक में हिस्सा लिया है।

इस प्रतिष्ठित पद पर चुने जाने के तुरंत बाद बिंद्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आईओसी एथलीट आयोग के दूसरे उपाध्यक्ष के तौर पर चुने जाने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं दुनिया भर के खिलाड़ियों के सर्वश्रेष्ठ हित में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं और सुनिश्चित करूंगा कि उनकी आवाज सुनी जाए।

आईओसी ने एक बयान में कहा, 'पेरिस ओलंपिक 2024 में खिलाड़ियों द्वारा आईओसी एथलीट आयोग के लिए चार नए सदस्यों के चुनाव के बाद इस नए आयोग ने पहली बार अपने अध्यक्ष और उपाध्यक्षों का चुनाव करने के लिए बैठक की।' आइस हॉकी खिलाड़ी एम्मा टेरहो को एथलीट आयोग के अध्यक्ष के रूप में फिर चुना गया, जबकि माजा व्लोस्जकोव्स्का (को बिंद्रा के साथ उपाध्यक्ष चुना गया। तीनों 2026 में होने वाले शीतकालीन ओलंपिक तक अपने पद पर बने रहेंगे।

विनेश फोगाट को मिल सकता है सिल्वर!

दलील में है दम, आईओसी भी मानेगा फैसला

पेरिस, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक 2024 अब अपने आखिरी चरण में है, लेकिन 140 करोड़ भारतीयों की निगाह कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स के फैसले पर है कि वह विनेश फोगाट के मामले में क्या फैसला सुनाता है। दरअसल इंटरनेशनल ओलंपिक एसोशिएसन के प्रेसिडेंट थॉमस बाक ने भी कह दिया है कि खेल पंचाट यानी कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स जो भी फैसला सुनाएगा, वह उसे स्वीकार होगा। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बाक ने विनेश फोगाट के मामले पर अपनी बात रखी, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि एक कैटेगिरी में दो सिल्वर मेडल नहीं हो सकते। लेकिन, उन्होंने खेल पंचाट के फैसले को मानने की बात भी कही है।

ऐसे में विनेश फोगाट को सिल्वर मेडल मिलने की उम्मीद बंध जाती है। क्योंकि विनेश के मामले में खेल पंचाट में वकीलों ने फोगाट की ओर से जो दलीलें दी हैं, उन दलीलों में दम है। तर्क साफ और स्पष्ट हैं।

इसी से उम्मीद बंधी है कि फैसला विनेश के पक्ष में आ सकता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विनेश फोगाट के मामले में खेल पंचाट में सुनवाई पूरी हो गई है और सीएएस ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। बता दें कि कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स ने पेरिस ओलंपिक के दौरान कानूनी मसलों की सुनवाई के लिए अपनी एक एडहॉक बेंच को पेरिस में बिठा रखा है। इसी बेंच ने विनेश के मामले की सुनवाई की है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि 11 अगस्त को ओलंपिक की समाप्ति से पहले खेल पंचाट का फैसला आ सकता है। सुनवाई के बाद खेल पंचाट ने अपना सुरक्षित रख लिया था।

कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स में वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे और विदुशपत सिन्हानिया ने विनेश फोगाट का पक्ष रखा। इन दोनों वकीलों को इंडियन ओलंपिक एसोशिएसन ने विनेश का पक्ष रखने के लिए पेरिस बुलाया था। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि वकीलों ने विनेश का पक्ष रखते हुए कहा कि पहले दिन हुए वजन के दौरान विनेश का वेट निर्धारित मानकों पर था, और वजन का 100 ग्राम ज्यादा पाया जाना शारीरिक प्रक्रिया के तहत था।

बता दें कि 6 अगस्त को जब पहली बार विनेश का वजन हुआ तो उनका वेट 49.9 किलोग्राम था। विनेश ने इसके बाद लगातार मुकाबले खेले और फाइनल में जगह बनाई। विनेश का मेडल पक्का हो चुका था। वह फाइनल जीतती तो गोल्ड मिलता और हारने पर सिल्वर मेडल, लेकिन लगातार मुकाबले खेलने की वजह से उन्होंने एनर्जी के लिए डाइट का सेवन किया, पानी पीया। नतीजा ये हुआ कि उनका वजन 2.7 किलोग्राम बढ़ गया। दरअसल जब से ओलंपिक में कुश्ती के मुकाबले दो दिन होने शुरू हुए हैं। पहलवानों का वजन दोनों दिन सुबह के समय होता है। पहले शुरुआती मुकाबले खेले जाते हैं और दूसरे सिर्फ फाइनल मुकाबले होते हैं। और दोनों दिन सुबह के समय पहलवान का वजन होता है। ऐसे में पहलवान को अपना वजन निर्धारित मानकों पर ही रखना होता है, लेकिन विनेश इस मामले में चूक गईं।

क्वार्टर फाइनल में हारीं रितिका

कुश्ती के नियमों ने फिर तोड़ा दिल, कांस्य की उम्मीद अब भी बाकी

पेरिस, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस भारतीय पहलवान रितिका हुड्डा को पेरिस ओलिंपिक महिला कुश्ती के 76 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में किर्गिस्तान की अयापेरी किजी के खिलाफ बराबरी के बाद आखिरी अंक गंवाने के कारण हार का सामना करना पड़ा। अपना पहला ओलंपिक खेल रही 21 साल की रितिका ने शीर्ष वरीयता प्राप्त पहलवान को कड़ी टक्कर दी और शुरुआती पीरियड में पैसिविटी से एक अंक की बढ़त बनाने में सफल रही। दूसरे पीरियड में रितिका ने कड़ी टक्कर देने के बावजूद 'पैसिविटी' (अति रक्षात्मक रवैया) के कारण एक अंक गंवाया जो इस मैच का आखिरी अंक साबित हुआ। स्कोर तो 1-1 से बराबर रहा, लेकिन आखिरी अंक बनाने के कारण शीर्ष वरीय अयापेरी को मैच में विजेता घोषित किया गया। हालांकि, रितिका ने अपने जज्बे से दिल जीत लिया।

नियमों के अनुसार मुकाबला बराबर रहने पर आखिरी अंक बनाने वाले खिलाड़ी को विजेता घोषित किया जाता है। किर्गिस्तान की पहलवान अगर फाइनल में पहुंचती है तो रितिका के पास रेपेचेज से कांस्य पदक हासिल करने का मौका होगा। इस भारवर्ग में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली देश की पहली पहलवान रितिका ने इससे पहले तकनीकी श्रेष्ठता से जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। इस ओलंपिक में कुश्ती के नियमों ने भारत के स्वर्ण पदक की उम्मीदों को काफी झटका दिया है। रितिका से पहले विनेश फोगाट भी पदक जीतने से चूक गई थीं। उनका वजन महज 100 ग्राम ज्यादा रह गया था और वह फाइनल नहीं खेल सकी थीं। उन्हें नियमों के आधार पर डिसक्वालिफाई कर दिया गया था। उन्होंने प्री-क्वार्टर फाइनल में हंगरी की बर्नाडेट नैगी को 12-2 से तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। रितिका पहले पीरियड में 4-0 से आगे थी लेकिन उन्होंने दूसरे पीरियड में शानदार प्रदर्शन कर आठवीं वरीयता प्राप्त पहलवान को ज्यादा मौके नहीं दिए। रितिका ने रक्षात्मक खेल के साथ शुरुआत की और हंगरी की पहलवान के आक्रमण को शानदार तरीके से रोकने में सफल रही। रितिका को इसके बाद पैसिविटी के कारण रेफरी ने चेतावनी दी और इस पहलवान के पास अगले 30 सेकंड में अंक बनाने की चुनौती थी।

पुरुष होने का आरोप लगा, नफरत झेली

अब इमान खेलीफ ने पेरिस ओलंपिक में गोल्ड जीतकर रचा इतिहास

पेरिस, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक में अल्जीरिया की बॉक्सर इमान खेलीफ ने गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है.उन्होंने महिला बॉक्सिंग की वेल्टरवेट कैटगरी के फाइनल मुकाबले में चीन की बॉक्सर और 2023 की वर्ल्ड चैंपियन यांग लियू को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हरा दिया. इमान खेलीफ गोल्ड मेडल जीतने वाली अल्जीरिया की पहली महिला बॉक्सर हैं. उनके अलावा केवल होसीन सोलटानी ने पुरुष कैटेगरी में अल्जीरिया के लिए गोल्ड मेडल जीता है. ये अल्जीरिया के ओलंपिक इतिहास का 7वां गोल्ड मेडल है.प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में इटली की बॉक्सर एंजेला कारिनी को हराने के बाद खेलीफ पर पुरुष होने के आरोप लगाए गए थे. उनका जमकर विरोध हुआ था. यहां तक की उन्हें डिस्क्वालिफाई करने की मांग होने लगी थी.

गुजरात टाइटंस के कोच का पद छोड़ेंगे आशीष नेहरा ?

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। आईपीएल के पिछले तीन सीजन में गुजरात टाइटंस का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है। टीम ने दो बार फाइनल में जगह बनाई है। इस दौरान गुजरात ने एक बार खिताब भी जीता है। इसी बीच टीम के हेड कोच आशीष नेहरा के फ्यूचर को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। इस साल के अंत में होने वाले मेगा ऑक्शन से पहले गुजरात टाइटंस अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर सकती है।

क्रिकबज ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि गुजरात टाइटंस का मैनेजमेंट इस समय टीम के कोचिंग स्टाफ को बदलने पर विचार कर रहा है। इस टीम के कोचिंग स्टाफ में डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट के रूप में विक्रम सोलंकी, हेड कोच के रूप में आशीष नेहरा और मेंटर के रूप में गैरी कर्स्टन थे। गैरी कर्स्टन पहले ही टीम से अलग हो चुके हैं। वो इस समय पाकिस्तान की लिमिटेड ओवर की टीम के कोच हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्रम सोलंकी अभी अपने पद को बचा सकते हैं, लेकिन आशीष नेहरा के भविष्य को लेकर संशय बना हुआ है। आईपीएल के 2024 के सीजन के दौरान भी आशीष नेहरा बहुत ज्यादा लाइव टीवी पर नजर नहीं आए थे, जबकि 2022 और 2023 के सीजन के दौरान वो लगातार टीम के खिलाड़ियों को टिप्स देते थे। इकोनॉमिक टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट्स में बताया था कि अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी गुजरात टाइटंस में हिस्सेदारी खरीद सकते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटन्स में कंट्रोलिंग स्टेक की सेल के लिए अडानी और टोरेंट ग्रुप एक निजी इक्विटी फर्म सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स के बीच बात हो रही है। गुजरात टाइटंस टीम की मार्केट वैल्यू में एक अरब डॉलर से लेकर डेढ़ अरब डॉलर के बीच है।

'मेरे लिए भारत सर्वप्रथम', पदक की तैयारी में व्यस्त हरमनप्रीत सिंह नहीं मना पाए बेटी का पहला जन्मदिन

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह देश के लिए पदक जीतने में इतने व्यस्त थे कि वह अपनी बेटी का जन्मदिन सही समय पर नहीं मना सके। उन्होंने बाद में इसको लेकर बयान दिया। हरमनप्रीत की देश के प्रति जज्बे की कहानी अब सामने आई है। हरमनप्रीत ने ट्रेनिंग सत्र के दौरान मैदान पर इधर-उधर भाग रहे हॉकी खिलाड़ियों की ओर इशारा करते हुए कहा, 'यही मेरा परिवार है।' हरमन हर साल 10 महीने बेंगलुरु के भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में ट्रेनिंग और टूर्नामेंट खेलने में बिताते हैं। उनकी पहली बेटी 10 जून को एक साल की हो गई, लेकिन उन्होंने 16 जून को उसका जन्मदिन मनाया। हरमनप्रीत ने कहा, 'मैं इंग्लैंड में भारतीय टीम के साथ खेल रहा था, इसलिए हमने उसका जन्मदिन देर से मनाया। मेरे लिए भारत पहले आता है। मैं समझता हूं और मेरा परिवार इसे समझता है। यह सब त्याग और उनसे दूर समय भारत के लिए है और उनके लिए भी है। वे इसे अच्छी तरह से जानते हैं।'

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक के लिए भारतीय हॉकी टीम का नेतृत्व करने वाले हरमन टोक्यो 2020 के प्रदर्शन में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध थे, लेकिन सेमीफाइनल में जर्मनी के लेट गोल ने भारत से फाइनल छीन लिया। उन्होंने कहा, 'हम टोक्यो में पदक के रंग से संतुष्ट नहीं थे, हम इसे और चमकदार बनाना चाहते थे। हम स्वर्ण के लिए जाना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।'

स्टैनफोर्ड बायर्स सेंटर फॉर बायोडिजाइन तेलंगाना के साथ साझेदारी करने के लिए उत्सुक

सीएम के नेतृत्व में उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बायोडिजाइन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की

कैलिफोर्निया/यूएसए, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में स्टैनफोर्ड बायर्स सेंटर फॉर बायोडिजाइन के वरिष्ठ प्रतिनिधियों से मुलाकात की, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा नवाचार, शिक्षा और कौशल विकास में संभावित सहयोग की खोज करना था।

इस यात्रा के दौरान, तेलंगाना प्रतिनिधिमंडल ने आपसी हित के विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा की, जिसमें आगामी यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी और तेलंगाना में नई लाइफ साइंसेज यूनिवर्सिटी की स्थापना में साझेदारी शामिल है। चर्चा स्टैनफोर्ड की विश्व स्तर पर प्रसिद्ध बायोडिजाइन नवाचार प्रक्रिया को राज्य के शैक्षणिक और स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकृत करने के इर्द-गिर्द भी घूमती रही। चर्चा के दौरान, डॉ. अनुराग मैरल और डॉ. जोश मकोवर के नेतृत्व में स्टैनफोर्ड बायर्स सेंटर फॉर बायोडिजाइन की टीम ने मुख्यमंत्री को एक पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें तेलंगाना सरकार के साथ सहयोग करने में गहरी रुचि व्यक्त की गई। पत्र में डॉ. जोश मकोवर ने कहा कि तेलंगाना सरकार का ध्यान एक बड़े चिकित्सा उपकरण उद्योग को विकसित करने पर है जो लोगों के लिए उच्च-मूल्य वाले रोजगार के अवसर प्रदान करता है, जो चिकित्सा उपकरण शिक्षा, नवाचार और विनिर्माण के चल रहे समर्थन से स्पष्ट है। अपने दृष्टिकोण को व्यक्त करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा, भारत में तेलंगाना नवाचार और उद्योग के मामले में सबसे आगे है। स्टैनफोर्ड बायोडिजाइन जैसे वैश्विक नेताओं के साथ साझेदारी करके, हमारा लक्ष्य अपने युवाओं को तेजी से विकसित हो रहे स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करना है। यह सहयोग न केवल हमारे राज्य को लाभान्वित करेगा, बल्कि अभिनव स्वास्थ्य सेवा समाधान विकसित करके वैश्विक समुदाय में भी योगदान देगा। उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने इस सहयोग के संभावित प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा, अधूरी नैदानिक आवश्यकताओं की पहचान करने और अत्याधुनिक समाधान विकसित करने में स्टैनफोर्ड बायोडिजाइन की विशेषज्ञता यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी और लाइफ साइंसेज यूनिवर्सिटी के लिए हमारे उद्देश्यों के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। साथ मिलकर काम करके, हम एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बना सकते हैं जो नवाचार को बढ़ावा देता है, प्रतिभा को पोषित करता है और तेलंगाना में जीवन विज्ञान और स्वास्थ्य सेवा उद्योगों के विकास को गति देता है। बैठक में ज्ञान विनिमय कार्यक्रमों, संयुक्त अनुसंधान पहलों और तेलंगाना में स्टैनफोर्ड बायोडिजाइन के लिए एक उपग्रह केंद्र स्थापित करने की संभावना पर भी चर्चा हुई। यह यात्रा तेलंगाना सरकार और स्टैनफोर्ड बायर्स सेंटर फॉर बायोडिजाइन के बीच एक फलदायी सहयोग की शुरूआत का प्रतीक है, जो स्वास्थ्य सेवा में नवाचार और उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में तेलंगाना की स्थिति को और मजबूत करेगा।

किशन रेड्डी ने अपनी मां के नाम पर पौधा लगाया

नई दिल्ली, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ माके नाम' आह्वान के जवाब में आज नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर अपनी मां के नाम पर एक पौधा लगाया। किशन रेड्डी ने कहा कि हर कोई इसी भावना से पौधे लगा रहा है और उन्होंने सुझाव दिया कि मां का सम्मान किया जाना चाहिए। पौधा लगाने के बाद मंत्री किशन रेड्डी ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि माताओं के नाम पर पौधे लगाने और पेड़ उगाने के प्रधानमंत्री के आह्वान के अनुसार पूरे देश में पौधे लगाने का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। हमारे जीवन में हर चीज मां के नाम पर है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी का विचार है कि हर व्यक्ति को मां के सम्मान में एक पेड़ लगाना चाहिए। उन्होंने कहा, जिस तरह मां ने हमें पाला है, उसी तरह हमें भी पौधे लगाकर उसे बड़ा होने तक सुरक्षित रखकर पर्यावरण की रक्षा में भागीदार बनना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी को पौधे लगाने चाहिए क्योंकि मोदी की इच्छा है कि मां पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रेरणास्रोत बनें। ऐसे समय में जब हमारा परिवेश कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो रहा है, हम सभी को पर्यावरण की रक्षा की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। ऐसे समय में जब जंगल कम होते जा रहे हैं और हरियाली अपनी चमक खो रही है, यह भविष्य के लिए एक बड़ी चुनौती है, उन्होंने कहा और कहा कि उनकी सरकार का उद्देश्य मां के नाम पर जमीन की रक्षा करना है।

सभी को प्रदूषण मुक्त समाज से जुड़ने की जरूरत : विजयलक्ष्मी

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ साइंस में पौधारोपण

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि हम शहर को क्लीन ग्रीन सिटी बनाने का मिशन लेकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने सभी से इस कार्यक्रम में भाग लेने का आह्वान किया। स्वच्छ धनम हरियाली कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को मसाब टैंक में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ साइंस में आयोजित कार्यक्रम में मेयर गदवाल विजयालक्ष्मी, डिप्टी मेयर श्रीलता शोभन रेड्डी, जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली काटा, नामपल्ली विधायक माजिद हुसैन ने भाग लिया और कॉलेज परिसर में पौधे लगाए। इस मौके पर मेयर गदवाल विजयालक्ष्मी ने कहा कि यह सभी की जिम्मेदारी है कि अपने आसपास साफ-सफाई रखें और पौधे भी लगाएं। उन्होंने कहा कि प्रदूषण मुक्त समाज से जुड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता एवं हरियाली कार्यक्रम में इन पांच दिनों तक बड़े पैमाने पर सभी वर्ग के लोगों को स्वच्छता एवं हरियाली के प्रति जागरूक किया गया है। उन्होंने कहा कि सीएंडडी वेस्ट को साफ कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष शहर में 50 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य है, लेकिन अब तक 13 लाख पौधे लगाये जा चुके हैं। यह भी महत्वपूर्ण है कि हममें से प्रत्येक को पेड़ों की देखभाल करनी चाहिए और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा प्रदान करनी चाहिए। डिप्टी मेयर श्रीलता शोभन रेड्डी ने कहा कि प्रदूषण मुक्त समाज के लिए सभी को योगदान देने को कहा गया है। स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण को स्वच्छ रखें और पौधे लगाएं। उन्होंने कहा कि लोगों के आनंद के लिए शहर में हरियाली बढ़ाने के प्रयासों के संदर्भ में सभी के योगदान की जरूरत है। कमिश्नर आम्रपाली कटा ने कहा, शहर को स्वच्छ एवं स्वच्छ शहर के रूप में विकसित करना सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है। पूरे शहर में व्यापक स्तर पर पौधे लगाए जाएं। कहा जाता है कि अगर हम पेड़ों की रक्षा करेंगे तो पेड़ हमारी रक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई से मच्छर जनित बीमारियों पर काबू पाया जा सकता है। सभी से सहयोग करने का अनुरोध है ताकि हैदराबाद शहर पूरी तरह से स्वच्छ और हरा-भरा हो जाए। इस कार्यक्रम के अवसर पर ग्रेटर ग्रेटर नोएडा में 38 स्थानों पर जन प्रतिनिधि उन लोगों को निःशुल्क पौधे वितरित कर रहे हैं जिनके पौधे खो गये हैं। आयुक्त आम्रपाली कटा ने कहा कि वन महोत्सव के दौरान 38 स्थानों पर लगभग 15 हजार पौधे लगाए गए। इससे पहले नामपल्ली के मेयर, डिप्टी मेयर, कमिश्नर और विधायकों ने कॉलेज परिसर में पौधे लगाये। इस अवसर पर अधिकारियों, छात्रों और पार्षदों ने बड़े पैमाने पर पौधे लगाए, बाद में छात्रों और कालोनी के निवासियों को पौधे वितरित किए गए। खैरताबाद जोनल कमिश्नर अनुराग जयंती, यूबीडी अतिरिक्त आयुक्त सुनंदा, यूबीडी मैनेजर श्रीनिवास, कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर लक्ष्मण नाइक, कॉलेज कर्मचारियों, छात्रों, एलआईसी कर्मचारियों, एनसीसी छात्रों, पार्षदों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया।

राज्य में प्रशासन अभी पूरी तरह से शुरू नहीं : जगदीश रेड्डी

सूर्यापेट, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री जगदीश रेड्डी ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में प्रशासन अभी पूरी तरह से शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, सत्तारूढ़ दल के नेताओं को सरकार चलाने के प्रति कोई समझ और जिम्मेदारी नहीं दिखती। ऐसा लगता है कि राज्य का विकास मनोरंजन तक सीमित होकर भूल गया है। उन्होंने यह भी कहा कि यह अजीब है कि परियोजनाओं में जल भंडारण पर एक कैबिनेट उप-समिति गठित की गई थी। उन्होंने कहा, परियोजनाओं का प्रोटोकॉल पहले ही तय किया गया होगा और दुनिया में कहीं भी इस तरह के काम के लिए कोई उप-समिति नहीं है। सूर्यपेट में मीडिया से बात करते हुए जगदीश रेड्डी ने कहा कि राशन कार्ड की पात्रता पर फैसला करने का उप-समिति का फैसला एक अनपेक्षित फैसला था। उन्होंने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि वह बच निकलने के लिए "छल" कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों का ध्यान भटकाने के लिए यह प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि कालेश्वरम परियोजना से पानी उठाया जाना चाहिए और कहा कि सिंचाई के लिए सूर्यपेट को पानी की आपूर्ति की जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार को लगभग 140 टीएमसी पानी के भंडारण की संभावना के बारे में कोई चिंता नहीं है।

वह न्यूनतम जागरूकता के बिना पानी नहीं उठाने के लिए शासकों से नाराज थे। उन्होंने कहा, एसआरएसपी चरण-II में पानी क्यों नहीं आ रहा है? तेलंगाना को जीवन रेखा कालेश्वरम परियोजना का लाभ नहीं मिल रहा है। लाखों क्यूसेक पानी समुद्र में छोड़ा जा रहा है। बाढ़ के बाद जल्दबाजी करने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में एक एकड़ कृषि भूमि के सूखने के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

सरकार आवासीय छात्रों के जीवन की उपेक्षा कर रही है : बीआरएस

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के विधायक डॉ.के. संजय ने आज आरोप लगाया कि पिछले सात महीनों में सरकारी आवासीय स्कूलों में 36 छात्रों की मौत हो गई है और कहा कि पिछले सात महीनों में लगभग 500 छात्र खाद्य विषाक्तता से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इन छात्रों की मौतें कांग्रेस सरकार द्वारा की गई हत्याएं हैं।

विधायक संजय ने शहर के तेलंगाना भवन में पार्टी विधायक पाडी कौशिक रेड्डी के साथ मीडिया से बात की। पहले, हम समाचार रिपोर्ट देखते थे कि आदिवासी बीमार पड़ रहे हैं। केसीआर के 10 साल के शासन के दौरान ऐसी खबरें नहीं देखी गईं। अब, हर दिन ऐसी खबरें आ रही हैं कि आवासीय स्कूलों के छात्र बीमार पड़ रहे हैं। छात्रों की मौत पर राज्य के मंत्रियों और अधिकारियों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। उन्होंने दावा किया कि उनके अपने कोरुतला निर्वाचन क्षेत्र के पेड्डापुर गुरुकुल स्कूल के छह छात्र खाद्य विषाक्तता से पीड़ित थे और उन्होंने कहा कि उनमें से दो की मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मुद्दे पर सरकार की ओर से कोई जांच भी नहीं की गई। सीएम रेवंत रेड्डी की भाषा में, ये सरकार द्वारा की गई हत्याएं हैं। एक जिम्मेदार नेता के रूप में, मैं ये बातें नहीं कहता। लेकिन अगर रेवंत विपक्ष में होते, तो वे इस तरह की बातें करते। उन्होंने सरकार से आवासीय गुरुकुल छात्रावासों की स्थिति पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बीआरएस शासन के दौरान 1,200 गुरुकुल स्थापित किए गए थे। उन्होंने याद दिलाया कि अधिकारी लगातार गुरुकुलों के कामकाज की निगरानी कर रहे थे और उनकी पार्टी के शासन के दौरान सावधानी बरत रहे थे। विधायक संजय ने आरोप लगाया, लेकिन आज, अधिकारी लापरवाह हैं। वे बच्चों को घटिया भोजन दे रहे हैं। वे गंभीर रूप से बीमार हो रहे हैं। छात्रावासों में सांप और चूहे होने के कारण छात्र पीड़ित हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि रेवंत सरकार जानबूझकर आवासीय शिक्षा प्रणाली की उपेक्षा कर रही है।

मंत्री ने धान की रोपाई कर रही महिलाओं से मुलाकात की

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर के हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्र के सैदापुर जाने के दौरान मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सड़क के बीच में कृषि कार्य कर रही और धान की रोपाई कर रही महिलाओं से मुलाकात की। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि उनकी सरकार अपने वादे के मुताबिक 2 लाख कर्ज माफी लागू करेगी। अब तक कितने लोगों को 1 लाख 50 हजार रुपये तक का कर्ज माफ किया गया है? महिला किसानों की कर्जमाफी पूरी हो चुकी है।

सरोजा नाम के किसान ने कहा कि जब कांग्रेस की सरकार आई तो वे आरटीसी में मुफ्त में यात्रा कर रहे थे और काम के लिए दूसरे गांवों में भी जा रहे है। एक महिला किसान ने खुलासा किया कि मुफ्त बस यात्रा के कारण वे पैसे बचा रही हैं। जिन किसानों ने खुलासा किया है कि 200 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान की जाएगी और वे वर्तमान बिलों का भुगतान न करके पैसे बचा रहे हैं। महिला किसानों ने मंत्री पोन्नम प्रभाकर से उन्हें राशन कार्ड और मकान देने की मांग की। यह आश्वासन दिया गया है कि नए राशन कार्ड जल्द ही आएंगे और इंदिराम्मा घर भी आएंगे।

सरकार कृमि संक्रमण को रोकने के लिए कदम उठा रही है : दामोदर

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने बताया है कि बरसात के मौसम में मौसमी बीमारियों के बढ़ने के कारण राज्य सरकार कृमि संक्रमण को रोकने के लिए कदम उठा रही है। मंत्री ने राष्ट्रीय फाइलेरिया और कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर शनिवार को यहां सचिवालय से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री प्रताप राव जाधव के साथ एक वर्चुअल बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान दामोदर राजा नरसिम्हा ने तेलंगाना में फाइलेरिया और कृमि संक्रमण को खत्म करने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए जा रहे निवारक उपायों के बारे में बताया।

मंत्री ने कहा कि फाइलेरिया और कृमि संक्रमण के उन्मूलन के लिए संगारेड्डी और महबूबाबाद जिलों के 14 स्वास्थ्य केंद्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। फाइलेरिया, पेट के कीड़ों की रोकथाम और कृमि मुक्ति के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि फाइलेरिया और अन्य कृमि संक्रमणों की रोकथाम के लिए 10 अगस्त से संगारेड्डी और महबूबाबाद जिले के 14 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में लोगों को दवाइयां वितरित की जा रही हैं।

दामोदर राजा नरसिम्हा ने कहा, स्वास्थ्य के लिए कृमि के खतरे के बारे में जागरूकता फैलाने और अधिक से अधिक बच्चों को कृमि मुक्ति के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कुल 2,600 कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया है और वे कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। इसके अलावा, 2,522 ड्रग एडमिनिस्ट्रेटर फील्ड में सेवा देने के लिए तैयार हैं। बिहार, झारखंड, कर्नाटक, ओडिशा, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों ने भी वर्चुअल बैठक में भाग लिया। बाद में दामोदर राजा नरसिम्हा ने फाइलेरिया और कृमि संक्रमण की रोकथाम पर जागरूकता कार्यक्रम से संबंधित पोस्टर और ब्रोशर का अनावरण किया।

पीडीएस चावल रैकेट का भंडाफोड़

3 लाख रुपये का अनाज जब्त

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की पुलिस ने शनिवार को चंद्रायनगुट्टा के गाजिया-ए-मिल्लत कॉलोनी में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) चावल और गेहूं की अवैध खरीद करने के आरोप में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। 14 टन चावल और 15 क्विंटल गेहूं सहित 3,25,000 रुपये मूल्य का खाद्यान्न जब्त किया गया।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान वी रजनीकांत उर्फ चिन्ना 42; और उप्पुगुडा निवासी 44 वर्षीय वी राजेश्वर उर्फ राजू, चंद्रायनगुट्टा निवासी 28 वर्षीय मोहम्मद रिजवान के रूप में हुई है। चार सह-आरोपी अभी फरार हैं। उनकी पहचान फतेह उर्फ चाचा और फकरू निवासी चंद्रायनगुट्टा, किरण निवासी उप्पुगुडा और साई निवासी चत्रिनाका के रूप में हुई। हैदराबाद पुलिस द्वारा फरार लोगों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी रिजवान, जो पेशे से कार चालक है, ने जल्दी पैसे कमाने के लिए फतेह उर्फ चाचा के साथ मिलकर अवैध पीडीएस अनाज तस्करी का धंधा शुरू कर दिया। वे उपभोक्ताओं से कम कीमत पर पीडीएस अनाज खरीदते थे और उसे दूसरे राज्यों में ऊंचे दामों पर बेचते थे। बाद में उनके साथ वी रंजीकांत, वी राजेश्वर, किरण, साई और फकरू भी शामिल हो गए, जिन्होंने उपभोक्ताओं से खाद्यान्न खरीदकर रिजवान और फतेह को आपूर्ति की। यह गिरफ्तारी आयुक्त के टास्क फोर्स, दक्षिण जोन द्वारा चंद्रायनगुट्टा पुलिस और नागरिक आपूर्ति अधिकारियों, याकूतपुरा की मदद से की गई। चंद्रायनगुट्टा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई तथा फरार व्यक्तियों की गिरफ्तारी के लिए जांच कर रही है।

औषधि खोज, वितरण और निदान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ समापन

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद एक समापन कार्यक्रम के साथ औषधि खोज, वितरण और निदान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीडी4) का समापन किया। इस कार्यक्रम में भारत सरकार के औषधि विभाग के सचिव डॉ. अरुणीश चावला, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष और लॉरस लैब्स के सीईओ डॉ. सत्यनारायण चावा और सीएसआईआर-आईआईसीटी के निदेशक डॉ. श्रीनिवास रेड्डी भी उपस्थित थे। नाईपर हैदराबाद के निदेशक डॉ. शैलेंद्र सराफ और नाईपर हैदराबाद के डीन डॉ. नंदूरी श्रीनिवास भी मंच पर मौजूद थे। अपने संबोधन में डॉ. शैलेंद्र सराफ ने कार्यक्रम के सफल समापन के लिए सभी को बधाई और धन्यवाद दिया। उन्होंने एनआईपीईआर हैदराबाद के लिए अतिरिक्त 110 एकड़ भूमि प्राप्त करने में डॉ. अरुणीश चावला के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया, जिससे कुल भूमि 160 एकड़ हो गई। सम्मेलन के दौरान औषधीय रसायन विज्ञान, फार्मास्यूटिक्स, फार्माकोलॉजी और चिकित्सा उपकरणों सहित विभिन्न क्षेत्रों में कुल 131 पोस्टर प्रस्तुतियां और 22 मौखिक प्रस्तुतियां दी गईं। समापन समारोह के दौरान सर्वश्रेष्ठ पोस्टर और मौखिक प्रस्तुतियों के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। डॉ. अरुणीश चावला ने एनआईपीईआर की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि वे नीति, शिक्षा और उद्योग के बीच सेतु का काम करके संपूर्ण स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र को गति प्रदान करते हैं। एनआईपीईआर हैदराबाद के सहायक प्रोफेसर डॉ. पंकज कुमार सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ समापन समारोह हुआ।

श्रावण माह : गुडेम मंदिर में भक्तों की भीड़

मंचेरियल, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दंडेपल्ली मंडल के गुडेम गांव में एक पहाड़ी पर स्थित प्राचीन श्री सत्यनारायण स्वामी देवस्थानम में शनिवार को शुभ श्रावण मास के अवसर पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

कार्यकारी अधिकारी संकटला श्रीनिवास ने एक प्रेस बयान में कहा कि न केवल जिले से, बल्कि पड़ोसी जगतियाल और पेड्डापल्ली जिले से भी श्रद्धालु मंदिर में आए और विशेष पूजा-अर्चना की। कुल 78 जोड़ों ने मंदिर परिसर में अपनी खुशहाली के लिए आभार प्रकट करने के लिए पारंपरिक श्री सत्यनारायण पूजा की। श्रीनिवास ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, कतारें और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

हैदराबाद का व्यक्ति कतर में लापता

माता-पिता ने मदद की अपील की

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कतर में काम करने वाला हैदराबाद का 31 वर्षीय युवक पिछले 15 दिनों से लापता है। उसके माता-पिता ने मदद की गुहार लगाई है। लापता व्यक्ति की पहचान किंग कोटी निवासी मोहम्मद के रूप में हुई है। वह विज़िओक एंडलेस नामक कंपनी में सीसीटीवी तकनीशियन के रूप में काम करता था।

मोहम्मद की मां ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि मेरे बेटे ने आखिरी बार हमसे 31 जुलाई को बात की थी। तब से उससे कोई संपर्क नहीं हुआ है। मैं बस अपने बेटे को वापस चाहती हूं क्योंकि वह हमारे चार बच्चों में से हमारा इकलौता बेटा है और घर का एकमात्र कमाने वाला है। हमें नहीं पता कि उसके साथ क्या हुआ? मेरा दामाद, जो कतर में है, मोहम्मद से मिलने के लिए पुलिस स्टेशन गया था, हालांकि, उसे उससे मिलने नहीं दिया गया।

उन्होंने कहा कि आखिरी बार जब मुझे उनका संदेश मिला था, तो उसमें लिखा था, अम्मी, मुझे पुलिस से फोन आ रहा है। मुझे पुलिस स्टेशन बुलाया गया है। मुझे लगा कि उन्होंने मोहम्मद को बुलाया होगा, क्योंकि उसका वीजा समाप्त हो चुका था। मोहम्मद की मां के अनुसार, उसका वीजा तीन महीने पहले ही समाप्त हो गया था। कंपनी को इसे नवीनीकृत करना था, लेकिन ऐसा नहीं किया। मैंने मदद के लिए संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई मदद नहीं मिली। मेरे पति और मैं शिक्षित नहीं हैं। मोहम्मद के पिता की दृष्टि कमज़ोर है और वे एक आँख से नहीं देख सकते। मुझे कम से कम यह तो पता होना चाहिए कि वे कहां हैं और उन्होंने कुछ गलत किया है या नहीं।

सोशल मीडिया हैंडल पर मॉर्फ्ड वीडियो पोस्ट करने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर क्राइम पुलिस ने साइबर क्राइम पीएस, हैदराबाद ने चमकुरी लक्ष्मण निवासी फिरजादिगुडा, उप्पल, हैदराबाद को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने हैदराबाद शहर की मेयर विजय लक्ष्मी और मंत्री पोन्नम प्रभाकर का वीडियो को मॉर्फ किया। एक तेलुगु फिल्म से निकाले गए एक डायलॉग और गीत को भी अनुचित अर्थ देते हुए बैकग्राउंड में जोड़ दिया है। इसके बाद उसने वीडियो क्लिप को 'एक्स' हैंडल और इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे अन्य सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट कर दिया। ऐसा करके उसने न केवल शहर की प्रथम महिला और मंत्री का अपमान किया, उनकी छवि को धूमिल किया बल्कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की गरिमा को भी ठेस पहुंचाई। वीडियो को सभी ग्रुपों और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के हैंडल पर व्यापक रूप से प्रसारित किया गया, जिससे न केवल दहशत फैल गई बल्कि बिना किसी गलती के गणमान्य लोगों की प्रतिष्ठा भी धूमिल हुई। पीड़िता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच की गई। सोशल मीडिया हैंडल के नोडल अधिकारियों को नोटिस दिए गए नोडल अधिकारियों द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरणों के आधार पर, जांच दल ने सूचना का विश्लेषण किया और अंततः आरोपी को ट्रैक करके उसे गिरफ्तार कर लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.